आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹112910/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹137900/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹150531/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com
बिलासपुर, गुरुवार 9 अप्रैल 2026

यह भी जानिए...

- सीजफायर के बाद भी कुवैत से लेकर लेबनान और ईरान में मिसाइल अटैक
- ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट दोबारा बंद किया, कहा- बिना इजाजत नहीं देंगे एंट्री
- अमेरिका ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल फिर से खोलने की मांग की
- सीजफायर टूटते ही ईरान ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख को मिला दिया फोन
- अमेरिका और ईरान का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए कल पहुंचेगा इस्लामाबाद--

न यूरेनियम न परमाणु हथियार, ट्रंप ने जारी किया शांति प्लान

दुनिया की बड़ी मुसीबत फिलहाल टली अमेरिका-ईरान युद्ध दो हफ्तों के लिए रुका

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के अस्थायी युद्धविराम पर सहमति बन गई। यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार तय समयसीमा तक समझौता न होने पर ईरान को तबाह करने की धमकी देते रहे। हालांकि, बाद में समयसीमा पूरी होने और यहां तक कि होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने से भी पहले ट्रंप ने खुद युद्धविराम का ऐलान कर दिया।

एजेंसी ▶▶| दुबई

अमेरिका और ईरान के बीच 28 फरवरी से जारी युद्ध अब करीब 40 दिन बाद रुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। फिलहाल समझौते की शर्तों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी अभी पता नहीं है कि क्या इससे स्थायी शांति स्थापित हो सकती है, क्योंकि दोनों पक्षों ने शर्तों के संबंध में बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान की ओर से मिसाइल हमले की सूचना दी, और कुवैत की सेना ने कहा कि उसकी सेना ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है। वहीं, ईरान ने कहा कि उसकी एक तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने समझौते को एक नाजुक युद्धविराम बताया। बातचीत जल्द शुरू होने के संकेत मिल रहे थे, फिर भी समझौते के बारे में कई बातें अज्ञात हैं। ईरान ने कहा कि इस समझौते से उसे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की नयी व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की अनुमति मिल जाएगी, लेकिन समझौते की शर्तें स्पष्ट नहीं हैं। यह भी ज्ञात नहीं है कि कोई अन्य देश इस शर्त पर सहमत है या नहीं। पाकिस्तान, जिसने समझौते में मध्यस्थता करने में मदद की, और अन्य देशों ने कहा कि वे लेबनान में लड़ाई रोक देंगे, जहां इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के खिलाफ जमीनी आक्रमण शुरू किया है। इजराइल ने कहा कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रखेगा। युद्धविराम की घोषणा के बाद ईरान की राजधानी की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद, समझौता करने वाले मुर्दाबाद! के नारे लगाए। आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की लेकिन वे लगातार नारे लगाते रहे। उन्होंने सड़क पर अमेरिकी और इजराइल के झंडे भी जलाए। युद्धविराम की शर्तों को लेकर अलग-अलग खबरें आई हैं

- अमेरिका-इजरायल और ईरान की थमी जंग, दो सप्ताह के लिए सीजफायर

ट्रंप ने शुरू में कहा था कि ईरान ने एक व्यवहार्य 10-सूत्री योजना का प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को अमेरिका, इजराइल के हमले के साथ शुरू युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकता है। लेकिन, जब ईरान का संस्करण सामने आया तो ट्रंप ने बिना विस्तार से बताए इसे धोखाधड़ी करार दिया। ईरान के संस्करण में संकेत दिया गया था कि उसे यूरेनियम संवर्धन जारी रखने ▶▶| शेष पेज 8 पर

मध्यस्थता और पर्दे के पीछे की कूटनीति

इस समझौते को संभव बनाने में पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किये ने भी एक भूमिका निभाई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों का आदान-प्रदान करने यानी मैसेंजर की भूमिका निभाई। सोमवार को ईरानी पक्ष ने एक 10-सूत्रीय प्रस्ताव पेश किया, जिसे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने शुरुआत में तबाही का प्रस्ताव करार दिया था। इसके बाद पूरे दिन संशोधनों का दौर चला, जिसमें मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों ने भी मदद की।

टैरिफ वार, ईरान को हथियार देने वाले देशों पर 50 फीसदी ट्रंप टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जो भी देश ईरान को सैन्य हथियार या युद्ध सामग्री सप्लाई करेगा, उसे भारी आर्थिक नुकसान झेलना होगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि ऐसे देशों से अमेरिका आने वाले हर सामान पर तुरंत प्रभाव से 50 फीसदी का आयात शुल्क, यानी की टैरिफ लगा दिया गया है। राष्ट्रपति ने साफ-साफ कहा कि इस फैसले में किसी भी देश को कोई छूट या रियायत नहीं दी जाएगी। जानकारों का मानना है कि ट्रंप के इस '50% टैरिफ' वाले फैसले से वैश्विक व्यापार में हड़कंप मच सकता है। चीन और रूस जैसे देश ईरान के करीबी रहे हैं, उनके लिए अब अमेरिका के साथ व्यापार करना बड़ी चुनौती बन सकता है।

सीजफायर

अमेरिका

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दो हफ्ते के लिए ईरान पर बमबारी और हमले रोकने का फैसला किया है।
- ट्रंप की मुख्य शर्त यह थी कि ईरान को वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से, तुरंत और सुरक्षित रूप से खोलना होगा।

ईरान

- ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया कि अगर ईरान पर हमले रुके, तो ईरानी सेना भी अपने सैन्य अभियानों को रोकेगी।
- ईरान इस जलमार्ग को खोलने के लिए सहमत हो गया है, लेकिन उसकी शर्त है कि यह अगले दो हफ्ते तक ईरानी सशस्त्र बलों के प्रबंधन और समन्वय के तहत रहेगा।

कैसे लागू हुआ सीजफायर

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते का सीजफायर अमेरिकी समयानुसार मंगलवार शाम को लागू हुआ, यह भारत में अल-सुबह का समय था। इस युद्ध विराम की वजह से वैश्विक तनाव अस्थायी रूप से रुक गया है। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से एक समयसीमा से कुछ ही घंटे पहले हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान को पूरी तरह से तबाह करने की धमकी दी थी।

इजरायली हमलों में लेबनान में 254 की मौत

अमेरिका-ईरान सीजफायर के ऐलान के बावजूद इजरायल ने लेबनान पर भीषण हमले तेज कर दिए। बुधवार को पूरे लेबनान में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 254 लोग मारे गए और 1,165 से ज्यादा घायल हुए। बेरूत और दक्षिणी इलाकों में सबसे ज्यादा तबाही हुई, जहां बाजारों, दुकानों और आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया गया।

शेयर बाजार उछला, निवेशकों को 16 लाख करोड़ का फायदा

स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबारियों को एक ही दिन में करीब 16.25 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 901.5 अंक चढ़कर 24,025.15 अंक पर पहुंच गया था।

इसलिए बाजार में लौटी रौनक

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक धारणा में सुधार के कारण यह तेजी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में काफी गिरावट आई। मुद्रास्फीति तथा वैश्विक वृद्धि को लेकर चिंताएं कम हुईं।

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर कायम

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में उम्मीद के मुताबिक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस-की-तस बने रहने की संभावना है।

शराब घोटाला

सौम्या, केके और डडसेना के खिलाफ 1000 पन्नों का चालान

- शराब घोटाले में तीनों अभियुक्तों के खिलाफ जांच एजेंसी का कोर्ट में 9वां चालान
- हाईकोर्ट से जमानत मिलने और चालान पेश होने के बाद सौम्या ने बेल फर्निश कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

शराब घोटाले में बुधवार को ईओडब्ल्यू ने राज्य प्रशासनिक सेवा के निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया, कारोबारी के के श्रीवास्तव तथा देवेंद्र डडसेना के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में 9वां पूरक चालान पेश किया है। चालान 1033 पन्नों का है। शराब घोटाले में जांच एजेंसी अब तक 51 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर चुकी है। जांच एजेंसी ने कोर्ट ▶▶| शेष पेज 8 पर

सौम्या की जमानत का वेल फर्निश

दिसंबर में ईडी ने शराब घोटाला प्रकरण में सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी की थी। इस दौरान ईओडब्ल्यू ने भी जनवरी में सौम्या चौरसिया को शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सौम्या ने हाईकोर्ट में बेल एप्लिकेशन लगाया। हाईकोर्ट ने जमानत आवेदन पर सुनवाई करते हुए सौम्या को ईओडब्ल्यू द्वारा चालन पेश करने के बाद जमानत देने की बात कही। जांच एजेंसी द्वारा चालान पेश किए जाने के बाद सौम्या के वकीलों ने आज बेल फर्निश कराई।

स्वास्थ्य, पोषण एवं आजीविका प्रबंधन के कामों का किया अवलोकन

तेंदुलकर परिवार पहुंचा अचानकमार अभयारण्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

जन स्वास्थ्य सहयोग केंद्र गनियारी द्वारा संचालित स्वास्थ्य, पोषण एवं आजीविका प्रबंधन के विभिन्न कार्यों का अवलोकन करने चिकित्सक डॉ. अंजली तेंदुलकर, सारा तेंदुलकर तथा तेंदुलकर परिवार की बहू सानिया सहित अन्य सदस्य अचानकमार अभयारण्य के भ्रमण पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जन स्वास्थ्य सहयोग के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव अचानकमार एवं बम्हनी का दौरा किया। भ्रमण के दौरान अतिथियों ने संस्था द्वारा ग्रामीण समुदाय को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया तथा विशेष रूप से 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए संचालित पोषण कार्यक्रम "फुलवारी" को नजदीक से समझा। ▶▶| शेष पेज 8 पर

गोपनीय रखा गया था दौरा

बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की धर्मपत्नी अंजली तेंदुलकर और उनकी बेटी सारा तेंदुलकर और बहू सानिया चांडोक की शहर में मौजूदगी को पूरी तरह से गोपनीय रखा गया। तीनों सुबह साढ़े पांच बजे बिलासपुर पहुंचने के बाद सीधे कोर्टयार्ड मैरियट में ठहरी, जहां उनका 24 घंटे का प्रवास बेहद सीमित और सधे दायरे में रखा गया। होटल परिसर में सुरक्षा की हलचल दिखी, लेकिन पूरे कार्यक्रम को जानबूझकर कम प्रोफाइल में रखा गया, ताकि किसी प्रकार की भीड़ या उत्सुकता न बने।

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बड़ा फैसला

किसानों को सौगात, नहीं बढ़ेंगे खाद के दाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

गुड न्यूज

बुधवार का दिन देश के विकास और करोड़ों अन्नदाताओं के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पांच ऐसे बड़े फैसले लिए गए। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी से किसानों को राहत देने के लिए खरीफ सत्र 2026 के लिए फॉस्फेटिक एवं पोटाश (पीएंडके) उर्वरकों पर सब्सिडी को 12 प्रतिशत बढ़ाकर 41,534 करोड़ रुपए कर दिया है। खरीफ सत्र 2025 में सरकार ने पीएंडके उर्वरकों पर 37,216 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी। ▶▶| शेष पेज 8 पर

हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

- *कमला जलविद्युत परियोजना (1,720 एमडब्ल्यू) जिसकी लागत 26,070 करोड़*
- *कलाई-2 जलविद्युत परियोजना (1,200 एमडब्ल्यू) जिसकी लागत 14,106 करोड़*

खरीफ 2026 के लिए उर्वरक सब्सिडी स्कीम

कैबिनेट ने खरीफ 2026 सीजन के लिए न्यूट्रिएंट-बेस्ड सब्सिडी योजना को मंजूरी दी। इसके तहत कुल 41,534 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। सरकार ने कहा कि इस कदम का मकसद किसानों को उर्वरकों की वैश्विक कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव से बचाना है। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना के बाद के दौर में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। हालांकि, किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने इसकी खुदरा कीमतें 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम के बैग पर स्थिर रखी हैं।

कोयला सेक्टर में 'वॉटरशेड मोमेंट'

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोयला मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी संजीव कुमार कस्सी ने देश को भरोसा दिलाया कि भारत में कोयले की कोई कमी नहीं है। फाइनेंशियल ईयर 2025-26 में भारत ने 200 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन और डिस्पैच का आंकड़ा पार कर लिया है। हमारे पास माइंस, पावर प्लांट और पोर्ट पर पर्याप्त स्टॉक है। पावर जेनरेशन के मामले में देश पूरी तरह स्टेबल है। साल 2022-23 के मुकाबले उत्पादन में 88% से ज्यादा की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो हमारी बढ़ती ताकत को दिखाती है।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN (DEEMED TO BE UNIVERSITY)
SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited
AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved
PROGRAMMES OFFERED
B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering
B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering
B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology
B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)
M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering
M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology
COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)
LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year
MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)
HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)
NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)
AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture
PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm
nirf
National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
10th in Law Category
Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS
To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

कांग्रेस ने ईसी पर भी उठाए सवाल

वोटिंग से पहले 'कैश फॉर वोट' का बवाल, केरल में सियासत गरमाई

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले सियासी पारा चरम पर है। कांग्रेस नेता वीडी सतीशन ने एक कथित वीडियो जारी कर बड़ा आरोप लगाया है कि बीजेपी कार्यकर्ता वोट के बदले पैसे बांट रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक बुजुर्ग महिला को पैसे दिए जा रहे हैं और यह सब पार्टी उम्मीदवार की मौजूदगी में हो रहा है। साथ ही सतीशन ने कहा कि यह सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं है, बल्कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में महिलाओं को पैसे और साड़ियां बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'यह केरल में पहली बार हो रहा है और बीजेपी वोटरों को प्रभावित करने के लिए नई व्यवस्था लागू कर रही है।' उनके मुताबिक, यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की गंभीर कोशिश है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

आयोग से हस्तक्षेप की मांग

कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुनाव आयोग से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। सतीशन ने चेतावनी दी कि यदि संबंधित अधिकारी कार्रवाई नहीं करते, तो पार्टी कानूनी रास्ता अपनाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के ठीक पहले इस तरह की गतिविधियां चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन हैं। अलाप्पुझा में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी पलक्कड़ में पैसे बांटने के आरोपों को 'चौंकाने वाला' बताया।

कांग्रेस-एलडीएफ के आरोप झूठे : बीजेपी का पलटवार

भाजपा नेता एस सुरेश ने कांग्रेस और एलडीएफ के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलक्कड़ में बीजेपी की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि 'पलक्कड़ की जनता ने तय कर लिया है कि यहां से बीजेपी का विधायक बनेगा, इसी डर से कांग्रेस भ्रामक बयान दे रही है।' महिलाओं को पैसे बांटने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये 'गंभीर आरोप नहीं हैं' और संबंधित महिला खुद स्पष्ट कर चुकी है कि बीजेपी ने कोई पैसा नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और एलडीएफ हार के डर से झूठ फैला रहे हैं। सोभा सुरेंद्रन का नाम लेते हुए उन्होंने कहा कि जनता उन्हें ही विधायक चुनने जा रही है। बीजेपी ने भरोसा जताया कि इस बार पलक्कड़ में जीत तय है।

लेफ्ट का भी आरोप- इधर, पलक्कड़ के विधायक राहुल मामकूटथिल ने भी कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'आप अपनी विचारधारा फैला सकते हैं, लेकिन पैसे के दम पर पलक्कड़ में एक भी वोट नहीं खरीदा जा सकता.' उन्होंने हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि एक उम्मीदवार के करीबी सहयोगी को जनता ने पैसे बांटते हुए पकड़ा था, जो बेहद आपत्तिजनक है।

टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने लगाए गंभीर आरोप | आयोग बोला चिल्लाने लगे थे डेरेक बंगाल चुनाव के बीच महासंग्राम | बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होना है मतदान

चुनाव आयोग ने तृणमूल नेताओं को सात मिनट में भगाया, बढ़ा विवाद

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और निर्वाचन आयोग (ईसी) के बीच कड़वाहट अपने चरम पर पहुंच गई है। बुधवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई महज सात मिनट की मुलाकात एक बड़े विवाद के साथ समाप्त हुई। टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि, चुनाव आयोग की तरफ से भी सफाई दी गई और टीएमसी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। डेरेक ओ'ब्रायन ने दावा किया कि जब प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के अधिकारियों के तबादलों और भाजपा के साथ उनके कथित संबंधों के सबूत सौंपे तो मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने उनसे कहा कि 'दफा हो जाओ'। टीएमसी का कहना है कि 10:02 एएम पर शुरू हुई यह बैठक 10:07 एएम पर ही खत्म हो गई। ओ'ब्रायन के अनुसार, ज्ञानेश कुमार के अलावा किसी अन्य चुनाव आयुक्त ने एक शब्द भी नहीं बोला।

टीएमसी नेताओं ने चिल्लाकर बात की : आयोग

दूसरी ओर, चुनाव आयोग के सूत्रों ने टीएमसी के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठ करार दिया है। पीटीआई ने आयोग के सूत्रों के हवाले से कहा है कि डेरेक ओ'ब्रायन चुनाव आयुक्तों पर चिल्ला रहे थे और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को बोलने तक नहीं दिया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कथित तौर पर ओ'ब्रायन से मर्यादा बनाए रखने का अनुरोध किया और कहा कि 'चीखना-चिल्लाना और अभद्र व्यवहार' आयोग के कक्ष में उचित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने टीएमसी नेताओं से केवल सीधी और स्पष्ट बात की थी, जिसे वे पचा नहीं पाए।

एसआईआर पर छिड़ी है रार

चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव, डीजीपी और गृह सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया था, जिसे ममता बनर्जी ने एकतरफा और अभूतपूर्व बताया। वहीं, टीएमसी का आरोप है कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के नाम पर बंगाल के लाखों वैध मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। विपक्षी दलों ने चुनाव को एक या दो चरणों में कराने की मांग की थी, लेकिन आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए इसे दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल) में कराने का निर्णय लिया है।

'चुनाव आयोग ने टीएमसी का नाम लेकर दी चेतावनी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसी।) ने पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों को लेकर एक बेहद सख्त और स्पष्ट संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट करते हुए, चुनाव आयोग ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सीधे तौर पर 'दो टूक' शब्दों में चेतावनी दी है कि इस बार के चुनाव पूरी तरह से पारदर्शी और शांतिपूर्ण होंगे। आयोग ने अपनी पोस्ट में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का इस्तेमाल करते हुए स्पष्ट किया है कि चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या बाहुबल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आयोग की पोस्ट

अपनी पोस्ट में निर्वाचन आयोग ने लिखा, 'चुनाव आयोग की तृणमूल कांग्रेस को दो टूक। पश्चिम बंगाल में इस बार चुनावः भय रहित, हिंसा रहित, धमकी रहित, प्रलोभन रहित, छापा रहित, बूथ एवं सोर्स जामिंग रहित होकर ही रहेंगे।'

ममता ने भवानीपुर से भरा नामांकन, दिखाई ताकत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भवानीपुर सीट से बतौर तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने से पहले सीएम ममता ने पैदल मार्च दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में टीएमसी नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि मैं आप लोगों से अपील करती हूं न सिर्फ़ भवानीपुर में बल्कि बंगाल की सभी 294 सीटों पर वे टीएमसी की जीत सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा 'मुझे सचमुच बहुत दुख है कि एसआईआर के दौरान बंगाल की वोटर लिस्ट से इतने सारे नाम हटा दिए गए हैं।

800 मीटर पैदल चलकर नामांकन करने पहुंची ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जब नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए अपने आवास से रवाना हुईं तो उनके साथ समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद थी। अपने चिर अंदाज में हाथ जोड़कर ममता बनर्जी ने सड़क के दोनों ओर कतार में खड़े पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का अभिवादन किया। वह लगभग 800 मीटर पैदल चलकर अलीपुर सर्वे बिल्डिंग पहुंचीं जहां नामांकन पत्र दाखिल किया।

शुभेंदु अधिकारी से होगा ममता बनर्जी का मुकाबला

भवानीपुर से तीन बार विधायक रह चुकीं ममता बनर्जी का मुकाबला बीजेपी उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से होगा। शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह इस सीट से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक शक्ति का भी प्रदर्शन किया था। भवानीपुर की लड़ाई प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गई है और यह निर्वाचन क्षेत्र 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रतीकात्मक केंद्र बन गया है।

कांग्रेस को सात सीटों पर उम्मीदवार बदलने पड़ गए

बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अपने प्रत्याशियों का ऐलान कर रही हैं। कांग्रेस ने भी दूसरे चरण के चुनाव के लिए बुधवार को अपनी एक सूची जारी की, लेकिन उसमें बड़ा बदलाव देखने को मिला। पार्टी ने पहले से घोषित उम्मीदवारों में से 7 सीटों पर बदलाव किया है। कांग्रेस ने कई सीटों पर उम्मीदवार बदलते हुए नई सूची जारी की है। नाकाशिपारा से गोलाम किबरिया मंडल की जगह ताहिर एसके को उतार दिया गया है। छपरा में रहीदुल मंडल के स्थान पर आसिफ खान चुनाव लड़ेंगे, हावड़ा से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, बीजेपी ने भी पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए अपनी छठी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने कोलकाता पोर्ट सीट से राकेश सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है।

उदलगुड़ी, असम में कांग्रेस को झटका

मतदान से एक दिन पहले उम्मीदवार ने छोड़ी पार्टी

एजेंसी ▶▶| गुवाहटी

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए कल यानी नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतदान से एक दिन पहले कांग्रेस को झटका लगा है। उदलगुड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुरेन दैमरी ने बुधवार को पार्टी छोड़ने और अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की। हालांकि, कांग्रेस ने कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी को अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई' से कहा, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में दैमरी का नाम रहेगा। नामांकन पत्र वापस लेने की समय सीमा काफी पहले समाप्त हो चुकी है। इसलिए, लोग उन्हें अभी भी वोट कर सकते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता वेदब्रत बोरा ने कहा, दैमरी ने मीडिया के सामने इस्तीफे की घोषणा की है। लेकिन उन्होंने पार्टी को अभी तक इस्तीफा नहीं सौंपा है।

यह कहा दैमरी ने

इससे पहले दोपहर में दैमरी ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। कांग्रेस में रहने का कोई फायदा नहीं है। इसने मेरे साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस केवल मिया समुदाय के लिए काम करती है। लेकिन मेरे जैसे अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए कुछ नहीं करती।

स्टालिन सरकार के 5 वर्ष में त्रस्त हो गई जनता : पलानी

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

तमिलनाडु की राजनीति में चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने वेलाचेरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने जनता से इसे सत्ता से हटाने की अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को फेल मॉडल करार देते हुए आरोप लगाया कि यह सरकार अपने वादे पूरे करने में पूरी तरह नाकाम रही है। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में डीएमके शासन के दौरान लोगों ने काफी मुश्किलें झेली हैं और अब समय आ गया है कि इस बुरे शासन को हटाया जाए। उन्होंने अपनी पार्टी के शासनकाल का जिक्र करते हुए दावा किया कि एआईएडीएमके सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था मजबूत रही और आम लोग सुरक्षित महसूस करते थे। उनकी सरकार गलत काम करने वालों के खिलाफ सख्त और तुरंत कार्रवाई करती थी। वहीं, चेन्नई में हर साल मानसून के दौरान होने वाले जलभराव को लेकर भी उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर निशाना साधा। बारिश के समय चेन्नई डूब जाता है और लोगों को तैरने जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। रोजगार के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री स्टालिन ने 5.5 लाख नौकरियां देने का वादा किया था, जिसमें 3.5 लाख सरकारी पद शामिल थे।

व्हाइट हाउस के बाहर हो रहा हंगामा
बड़ी संख्या जुटे प्रदर्शनकारी

सीजफायर के बाद ट्रंप से 85 सांसदों ने मांगा इस्तीफा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

एक महीना बाद मिडिल ईस्ट में 2 हफ्तों के लिए सीजफायर हो गया है। इसे ईरान और अमेरिका समेत कई देशों के लिए अच्छा बताया जा रहा है। एक तरफ ईरान के साथ सीजफायर की बात से अमेरिका में राहत देखी जा रही है। दूसरी तरफ सीजफायर के बाद अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। सीजफायर का ऐलान होते ही बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के इस्तीफे की मांग की है। लोगों के अलावा 85 सांसदों ने भी ट्रंप के इस्तीफे की मांग की है। कई सांसद और नेता कह रहे हैं कि ट्रंप का ईरान युद्ध को लेकर बार-बार शब्द बदलना, रणनीति बदलना और यह गाली भरा पोस्ट लिखना, उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठाता है।

रातभर से जमे हैं प्रदर्शनकारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम की घोषणा के बाद प्रदर्शनकारी व्हाइट हाउस के बाहर जमा हुए हैं। प्रदर्शनकारी मॉर्गन टेलर ने कहा कि हम आज रात यहां इसलिए आए हैं क्योंकि हम मौजूदा हालात को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम चुनाव तक इंतजार नहीं कर सकते। इस देश में जो हो रहा है उसे अभी रोकना होगा। न केवल इस देश में बल्कि दुनिया भर में हो रही क्रूरता, इस राष्ट्रपति द्वारा व्हाइट हाउस से किए गए युद्ध अपराध – इस आदमी को जाना ही होगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि केवल एक आदमी को ही नहीं बल्कि पूरे शासन को जाना होगा।

सरकारी कर्मचारियों के आतंकियों से संबंध

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधों के आरोप में दो सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। सूत्रों के मुताबिक लंबे समय से इन कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। बर्खास्त किए गए लोगों में से एक, रामबन जिले के शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी फरहत अली खंडे पर आरोप है कि वह हिजबुल मुजाहिदीन के लिए काम कर रहा था। दूसरा कर्मचारी, बांदीपोरा का मोहम्मद शफी डार, ग्रामीण विकास विभाग में कार्यरत था।

देशद्रोह केस में हाईकोर्ट से मिली जमानत

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा स्वयंभू संत रामपाल

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

सतलोक आश्रम के प्रमुख स्वयंभू संत रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हत्या व अन्य धाराओं में दर्ज केस में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल को जमानत मिल गई है। रामपाल 11 साल, 4 महीने और 20 दिन से जेल हिसार सेंट्रल जेल-2 में बंद है। वह आज जेल से बाहर आ सकता है। हिसार सेंट्रल जेल-2 के सुपरिंटेंडेंट उमेश कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के जमानत ऑर्डर संबंधित कोर्ट में जाएंगे। उसके बाद वहां बॉन्ड भरा जाएगा। इसके बाद ऑर्डर जेल आएंगे। फिर रामपाल को जेल से रिलीज किया जाएगा। रामपाल को 19 नवंबर 2014 को हिसार जिले के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम से गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने उसे कोर्ट की अवमानना के एक मामले में पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन वह पेश नहीं हुआ। जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तो समर्थकों से झड़प हो गई। इस टकराव में 5 महिलाओं और डेढ़ साल के बच्चे की मौत हुई थी। इसी मामले में रामपाल पर देशद्रोह का केस दर्ज किया गया था।

2006 में करौंथा आश्रम में युवक की मौत

12 जुलाई 2006 को रोहतक के करौंथा आश्रम में रामपाल के समर्थकों और आर्य समाजियों के बीच हुए संघर्ष में एक युवक की हत्या हो गई थी। 14 जुलाई 2014 को रोहतक कोर्ट में इस केस की सुनवाई थी, जो हिसार कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होनी थी। उस दिन रामपाल के समर्थकों पर हिसार कोर्ट परिसर में उपद्रव करने का आरोप लगा। वहां तोड़फोड़ के अलावा वकीलों से भी मारपीट की गई।

युद्धविराम के बाद सोना और चांदी के दाम में जबर्दस्त तेजी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के दो हफ्ते के युद्धविराम पर सहमत होने के बाद मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 11,000 रुपये बढ़कर 2.51 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सराफा संघ ने कहा कि चांदी की कीमत मंगलवार के बंद स्तर 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम से 11,000 रुपये यानी लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर मिलाकर) हो गई। वहीं, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,200 रुपये यानी 2.09 प्रतिशत बढ़कर 1,56,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) हो गया।पिछले बाजार सत्र में यह 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। विश्लेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने से सर्राफा कीमतें मजबूत हुईं, जिससे वैश्विक वित्तीय बाजार में बड़ी राहत वाली तेजी शुरू हुई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में शोध विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने में मजबूत बढ़त बनी रही और बुधवार को यह तीन हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि वैश्विक जोखिम लेने की धारणा में सुधार के साथ डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से कीमती धातुओं की मांग बढ़ी।

पिछले 11 वर्षों में स्वरोजगार व छोटे उद्योगों को गति दी

मुद्रा योजना ने छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप को मजबूत बनाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों में छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी ऋण देकर उन्हें मजबूत बनाया है और स्वरोजगार तथा छोटे उद्योगों को नई गति दी है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अमित शाह ने कहा कि मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ मिला है और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा को नई गति मिली है। शाह ने कहा, /"मुद्रा योजना के 11 वर्षों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना गारंटी ऋण देकर छोटे कारोबारियों और नए उद्यमों को सशक्त बनाया है, जिससे स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को नई ताकत मिली है।/ उन्होंने यह भी कहा कि हर तीन में दो मुद्रा ऋण महिलाओं को दिए जाना महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़ ऋण वितरित किए गए

20 लाख तक ऋण दिया जा रहा

यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को शुरू की थी। इसके जरिए बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ

क्रूड की कीमतें 15% तक क्रैश, ऑयल कंपनियों के शेयर उछले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट ने भारतीय ऑयल कंपनियों के शेयरों में बड़ा उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 15–17 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार में ऑयल सेक्टर पर पड़ा। तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ, जैसे एचपीसीएल, आईओसी और बीपीसीएल। इन कंपनियों का काम कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल-डीजल बनाना होता है। कच्चा तेल सस्ता होता है, तो इनकी लागत घटती है, मुनाफा बढ़ता है। यही वजह है कि इनके शेयरों में 6 से 10 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई।

- कंपनियों के शेयरों में छह से लेकर दस प्रतिशत तक तेजी देखी गई

एचपीसीएल में जबरदस्त तेजी

एचपीसीएल में जबरदस्त तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 10.09 प्रतिशत उछलकर 364.95 रुपए पर बंद हुआ। दूसरी ओर अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए यह गिरावट नुकसानदायक साबित हुई। ऑयल और नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 3.43 प्रतिशत तक गिर गए। ये कंपनियां सीधे कच्चे तेल का उत्पादन करती हैं, इसलिए तेल की कीमत गिरने से उनकी कमाई पर असर पड़ता है। कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की गिरावट से ओएनजीसी के राजस्व पर 300-400 करोड़ रुपए का असर पड़ सकता है।

इंटरग्लोबल एविएशन का शेयर 9 फीसदी उछला

इंटरग्लोबल एविएशन के शेयरों को 8 अप्रैल को पंख लग गए। दोपहर में यह शेयर 9.02 फीसदी उछाल के साथ 4,654 रुपए पर चल रहा था। सस्ते क्रूड से कंपनी की ऑपरेशनल कॉस्ट में कमी आएगी, जिससे उसका मार्जिन बढ़ेगा। 28 फरवरी को मध्यपूर्व में लड़ाई शुरू होन के बाद से इस शेयर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। अगर क्रूड में और नरमी आती है तो यह एविएशन कंपनियों के लिए अच्छा होगा। 8 अप्रैल को स्पाइजेट के शेयरों में भी तेजी दिखी। 5 फीसदी चढ़ने के बाद इस शेयर में अपर सर्किट लग गया।

पेंट और टायर कंपनियों के शेयरों की चमक भी बढ़ी

पेंट कंपनियों के शेयरों पर भी क्रूड में गिरावट का असर दिखा। पेंट कंपनियां उत्पादन में क्रूड ऑयल का इस्तेमाल करती हैं। एशियन पेंट का शेयर उछाल के साथ 2288 रुपये पर बंद हुआ। कंसई नेरोलक पेंट का शेयर 5.19 फीसदी उछाल के साथ 187.61 रुपए पर चल रहा था। 8 अप्रैल को टायर कंपनियों के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। टायर कंपनियां उत्पादन में क्रूड ऑयल का इस्तेमाल करती हैं। सीएट का शेयर 4.33 फीसदी के उछाल 3,540 रुपए पर बंद हुआ। अपोलो का शेयर 5.85 फीसदी की तेजी के साथ 437 रुपए पर ट्रेड किया था। एमआरएफ का शेयर 5.63 फीसदी की तेजी के साथ 1,32,810 रुपए बंद हुआ।

बिलासपुर, गुरुवार 9 अप्रैल 2026 | बैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी | वर्ष : 26, अंक : 18 | पृष्ठ : 12+6 =18, मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

इन जिलों में निरक्षरता में कमी

- दुर्ग : यहां सबसे शानदार सुधार देखा गया है। 2011 में 4,74,058 निरक्षर थे, जो अब घटकर 4,13,615 रह गए हैं।
- कोरबा : औद्योगिक जिले कोरबा में निरक्षरता का आंकड़ा 4,57,881 से घटकर 3,87,144 पर आ गया है।
- दंतेवाड़ा (दक्षिण बस्तर) : नक्सल प्रभावित होने के बावजूद यहां सकारात्मक बदलाव दिखा है। निरक्षर जनसंख्या 1,66,706 से कम होकर 1,53,921 हो गई है।
- धमतरी : यहां भी साक्षरता दर में सुधार के संकेत हैं, निरक्षरों की संख्या 2,52,948 से गिरकर 2,25,252 हो गई है।

बालोद : जिले में निरक्षर आबादी 2,40,222 से घटकर 2,05,750 रह गई है।

पुराने जिलों में साक्षरता पर अच्छा काम

1 मार्च 2026 के ये आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ के पुराने और स्थापित जिलों ने साक्षरता के मोर्चे पर अच्छी प्रगति की है। हालांकि, नए जिलों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी केंद्रों में अभी भी शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है, ताकि निरक्षरता के इस कलंक को पूरी तरह मिटाया जा सके। राज्य की निरक्षर आबादी में बदलाव के मिश्रित संकेत मिल रहे हैं। जहां एक ओर दुर्ग, राजनांदगांव और कोरबा जैसे जिलों ने निरक्षरता कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है, वहीं जनसंख्या वृद्धि के कारण कुछ जिलों में निरक्षरों का आंकड़ा पहले के मुकाबले बढ़ा है।

आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने निकाले 2026 तक के साक्षरता दर के आंकड़े

बेहतर होनी थी, बदतर हो गई...छत्तीसगढ़ में जनसंख्या के साथ ही बढ़ गई 'निरक्षरता'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में साल-दर-साल जनसंख्या बढ़ती जा रही है। बढ़ती हुई आबादी के साथ ही राज्य में उन लोगों की संख्या बढ़नी थी, जो लिख-पढ़ सकते हों, लेकिन तस्वीर इसके उलट नजर आ रही है। राज्य में निरक्षर लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब छत्तीसगढ़ में दशकों से साक्षरता अभियान चलाया जा रहा है। छोटे- छोटे ▶▶|शेष पेज 8 पर

राज्य की वर्तमान स्थिति

आंकड़ों के अनुसार, 2011 में छत्तीसगढ़ की कुल निरक्षर जनसंख्या 1 करोड़ 1 लाख, 65 हजार 276 थी, जिसके 1 मार्च 2026 तक 1 करोड़ 4 लाख 52 हजार 902 होने के अनुमान हैं। हालांकि यह संख्या बढ़ी हुई दिख रही है, लेकिन राज्य के कई प्रमुख जिलों ने जमीनी स्तर पर शिक्षा के प्रसार में उल्लेखनीय काम किया है।

खबर संक्षेप

जगन्नाथ पुरी मंदिर के रत्न भंडार का दूसरा चरण शुरू

पुरी। ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की सूची तैयार करने का दूसरा चरण बुधवार को शुरू हो गया। सेवकों, रत्न विशेषज्ञ और सुनारों की एक

चयनित टीम ने रत्न भंडार समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक अरबिंदा पाधी के साथ पूर्वाह्न 11:30 बजे पवित्र रत्न भंडार में प्रवेश किया।

रेत माफिया ने वनकर्मी को कुचला, मौत

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में बुधवार सुबह एक रेत माफिया ने ट्रैक्टर-ट्रॉली से एक वन आरक्षक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना जिले की अंबाह तहसील के रानपुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 552 पर उस वक्त हुई जब अवैध रेत खनन और परिवहन रोकने के अभियान के तहत गश्त कर रहे वनकर्मियों ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने की कोशिश की।

पुलिस पर आरोप लगाकर जान दी, एसआई सस्पेंड

इंदौर। इंदौर में 25 वर्षीय टैक्सी चालक ने पुलिस पर पिटाई और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद जान दे दी और आत्महत्या से पहले

उसके द्वारा बनाया गया वीडियो प्रसारित होने के बाद एक उप निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि टैक्सी चालक अभिषेक पाटिल (25) ने मंगलवार को अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी।

हवाई अड्डे से 12.9 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने 12.91 करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया है जिसके बारे में संदेह है कि वह गांजा है। अधिकारियों ने 31 मार्च को बैंकॉक से आने वाले एक यात्री को रोका और उसके सामान की एक्स-रे जांच की, जिसमें संदिग्ध सामग्री का संकेत मिला। सामान की जांच करने पर उसमें 13 पॉलीथीन बैग मिले जिनमें हरे रंग का पदार्थ था, जिसके मारिजुआना होने का संदेह है।

वरिष्ठ कांग्रेसी मोहसिना किदवई का निधन

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को

94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उनके निधन पर दुख जताया और इसे पार्टी एवं देश के लिए बड़ी क्षति बताया। किदवई को बुधवार शाम दिल्ली के निजामुद्दीन में स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद अब सुगबुगाहट, कुछ में काम शुरू

रायपुर के कई स्कूलों में टॉयलेट जर्जर, बिलासपुर के 160 से अधिक स्कूलों में गर्ल्स टायलेट नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के करीब 4070 स्कूलों में बेटियों के लिए टॉयलेट सुविधा ही नहीं हैं। रायपुर जिले के गर्ल्स के लिए टॉयलेट तो हैं, लेकिन कई जर्जर है या कहिए, इस्तेमाल के लायक नहीं है। इससे ज्यादा खराब हालात बिलासपुर के हैं। यहां के 160 से अधिक स्कूलों में यह व्यवस्था नहीं है। कोटा, मस्तूरी के कई स्कूलों में तो 100 मीटर या उससे दूर जाना पड़ता है। हाईकोर्ट ने भी कहा है कि स्कूल में टॉयलेट न होना, छात्राओं की मानसिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी स्कूलों में टॉयलेट, हैंडवॉश, पीन के पानी जैसी सुविधाएं हों। छात्राएं स्कूल में 5-6 घंटे के लिए होती हैं। इस दौरान ज्यादा समय तक वे स्थिति को कंट्रोल करतीं हैं तो इसका प्रभाव उनके शरीर पर भी पड़ता है।

प्रदेश के पांच हजार से अधिक स्कूलों गर्ल्स टायलेट नहीं है तो 8 हजार से अधिक स्कूल ऐसे हैं जहां शौचालय की स्थिति बेहद खराब है। इससे बच्चे और शिक्षक त्रस्त हैं और लगातार स्कूल शिक्षा विभाग से इसकी मांग कर रहे हैं। इसका खामियाजा बच्चों और शिक्षकों को यूरिन इन्फेक्शन के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बिलासपुर जिले की बात करें तो 160 से अधिक स्कूलों में टॉयलेट की बड़ी समस्या है। 200 से ज्यादा ऐसे विद्यालय है, जहां टायलेट तो हैं, लेकिन उपयोग के लायक नहीं।

लड़कियां ज्यादा परेशान

"सबसे ज्यादा समस्या लड़कियों को मासिक धर्म के समय होती हैं। वहीं, जब लड़कियां स्कूल से बाहर जाती है तो भी उनके मन में असुरक्षा के भाव होते हैं, वो भी मानसिक स्थिति के लिए ठीक नहीं है। इसके कारण कई लड़कियां स्कूल छोड़ देती है। वहीं, डर और संकोच की भावना आती है, जो भविष्य के लिए सही नहीं हैं।

- डॉ. **श्रीमती पूजा दुबे**, वरीष्ठ, साइकोलॉजिस्ट

"निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009" जिसे राइट टू एजुकेशन कहते हैं। इस अधिनियम के शेड्यूल के आइटम में स्पष्ट और आज्ञापक प्रावधान है कि सभी स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग टॉयलेट होना अनिवार्य है। इसमें कहा गया है कि एक यूनिट में एक टॉयलेट और तीन यूरिनल होना चाहिए। जो कि लगभग 40 छात्रों में एक यूनिट होना ही चाहिए।

- **शशांक उपाध्याय**, हाईकोर्ट एडवोकेट

यह है हालत

घुरू प्राथमिक स्कूल शहर से लगा है लेकिन यहां लडकियों के लिए शौचालय नहीं है। लगातार मांग के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी तरह प्राथमिक स्कूल आशाबंद में लोगों के विरोध और मांग के बाद अब शौचालय बन रहा है। इसके साथ ही कई स्कूलों में टॉयलेट जर्जर या अनुपयोगी स्थिति में हैं। हालांकि विभाग का दावा है कि वहां मरम्मत शुरू कर दी गई है। ध्यान रहे कि राज्य की बात करें तो यहां संचालित 56 हजार 615 स्कूलों में से 54 हजार 715 में लड़कियों के लिए टॉयलेट तो हैं, लेकिन 52 हजार 545 टॉयलेट ही उपयोग करने की दशा में है। वहीं, छात्रों के लिए भी ऐसी ही स्थिति है, इनके लिए 53 हजार 142 स्कूलों में टायलेट तो हैं, लेकिन 49 हजार 355 चल रहे हैं। यानी 4070 स्कूल में गर्ल्स के लिए और 7260 में ब्वॉज के लिए नहीं है।

असम, केरलम और पुडुचेरी में थमा शोर, आज मतदान

3 राज्य, 296 सीटें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

9 अप्रैल का दिन असम, केरल और पुडुचेरी के लिए बेहद अहम होने वाला है। इस दिन इन तीनों जगहों पर विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग होगी और जनता तय करेगी कि सत्ता की चाबी किसे सौंपनी है। तीनों राज्यों में विधानसभा की 296 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान होगा। चुनाव प्रचार का शोर थम चुका है और अब मैदान में सिर्फ वोटर और उम्मीदवार बचे हैं। हर राजनीतिक दल ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है, लेकिन असली फैसला अब जनता के हाथ में है। चुनाव आयोग ने हर बूथ पर कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए हैं ताकि कोई गड़बड़ी न हो।

असम में युवा वोटर बन सकते हैं गेम चेंजर

असम में इस बार करीब 2.5 करोड़ मतदाता वोट डालेंगे. इनमें 5.75 लाख से ज्यादा युवा पहली बार मतदान करेंगे, जो चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं। यहां 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और बहुमत के लिए 64 सीटों की जरूरत है। असम की राजनीति में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है। हर पार्टी ने युवाओं और स्थानीय मुद्दों पर जोर दिया है, जिससे वोटिंग प्रतिशत भी बढ़ने की उम्मीद है।

सियासत का बड़ा इम्तिहान

असम, केरल और पुडुचेरी में एक ही दिन वोटिंग होना अपने आप में बड़ा सियासी इवेंट है। कुल 296 सीटों पर होने वाले इस चुनाव में हर पार्टी के लिए यह इम्तिहान की घड़ी है. असम में 126 सीटें, केरल में 140 और पुडुचेरी में 30 सीटों पर मतदान होगा। यह चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का नहीं, बल्कि जनता के मूड को समझने का भी मौका है. खासकर राष्ट्रीय दलों के लिए यह चुनाव उनकी साख से जुड़ा हुआ है, जहां हर सीट की अहमियत बढ़ जाती है।

महिला आरक्षण विधेयक राज्यों के लिए 'दोहरी चुनौती'

संसद और विस में हिस्सेदारी बढ़ाने की बड़ी तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने की प्रक्रिया अब राज्यों के लिए एक "दोहरी चुनौती" बनती दिख रही है। इस विधेयक के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन से पहले जनगणना और परिसीमन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक होगा। समूचे शीर्षासन में चाहे जो वक्त लगे मोदी सरकार ने ये तय कर लिया है कि महिला आरक्षण अब लागू होकर रहेगा। ▶▶|शेष पेज 8 पर

राज्यों के सामने 'दोहरी चुनौती' क्यों?

समाजशास्त्री डॉ मधु लिमये अतुल्य कहती हैं, इस विधेयक के लागू होने से राज्यों को दो प्रमुख स्तरों पर काम करना होगा। सीटों का पुनर्विन्यास, परिसीमन के बाद नए सिरे से सीटों का निर्धारण और आरक्षण लागू करना। राजनीतिक संतुलन, आरक्षण के चलते मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में बदलाव को संभालना और दलों के भीतर महिला उम्मीदवारों की हिस्सेदारी बढ़ाना। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया कई राज्यों में राजनीतिक असंतुलन भी पैदा कर सकती है।

महिलाओं की भागीदारी में बड़ा बदलाव

वर्तमान स्थिति में कई बड़े राज्यों में महिला विधायकों की संख्या बेहद कम है। उदाहरण के तौर पर कुछ राज्यों में यह आंकड़ा 10 फीसदी से भी नीचे है। इस विधेयक के लागू होने के बाद यह संख्या सीधे 33 फीसदी तक पहुंच जाएगी, जिससे नीति-निर्माण में महिलाओं की भूमिका मजबूत होगी।

परिसीमन और जनगणना से जुड़ी चुनौती

विधेयक के लागू होने से पहले देश में नई जनगणना और उसके आधार पर परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। परिसीमन के माध्यम से लोकसभा और विधानसभाओं की सीटों की संख्या और सीमाओं का पुनर्निर्धारण होगा। इसके बाद ही महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों का निर्धारण संभव होगा। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा की कुल सीटें बढ़ाकर लगभग 543 से 816 तक की जा सकती हैं। इसी तरह राज्यों में भी सीटों की संख्या में वृद्धि संभावित है। यह वृद्धि जनसंख्या के अनुपात में होगी, जिससे विभिन्न राज्यों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर नई राजनीतिक बहस भी छिड़ सकती है।

ढाका की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने, संबंधों को बढ़ाने का इच्छुक भारत

नई दिल्ली। वर्ष 2024 में बांग्लादेश की सरकार के खिलाफ हुए छात्रों के उग्र विरोध-प्रदर्शन के बाद से भारत के साथ संबंधों में पड़ी दरार के एक बार फिर से भरने के संकेत मिलने लगे हैं। इस तथ्य की पुष्टि राजधानी में भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ.खलीलुर रहमान के बीच हुई पहली द्विपक्षीय बैठक से हुई है जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा आपसी हितों से संबंधित क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी विस्तार से चर्चा की गई है।

- राजधानी में हुई भारत-बांग्लादेश के विदेश मंत्रियों की बैठक का निचोड़

रहमान ने की भारत की तीन दिवसीय यात्रा

बांग्लादेश के विदेश मंत्री बीते 7 अप्रैल से भारत के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। जिसके तहत ही विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर के साथ उनकी यह बैठक हुई है। मंत्रालय के मुताबिक, बांग्लादेश के विदेश मंत्री से बातचीत में डॉ.जयशंकर ने ढाका की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के अपने देश के पक्ष को दोहराते हुए भविष्य में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी जोर दिया है। दोनों पक्षों ने उचित आपसी तंत्र की मदद से साझेदारी को पहले के मुकाबले और ज्यादा गहराई प्रदान करने के लिए प्रासंगिक प्रस्तावों की तलाश करने को लेकर सहमति जताई है।

एनएसए, पेट्रोलियम मंत्री से मिले रहमान

विदेश मंत्री रहमान की डॉ.जयशंकर के अलावा नई दिल्ली में कुछ अन्य बैठकें भी हुई हैं। जिसमें उन्होंने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की है। पेट्रोलियम मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि डॉ.रहमान के साथ हुई मुलाकात में हमने ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की है।

सीएम हिमंत की पत्नी पर लगाया था आरोप

खेड़ा ने असम मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट से मांगी अग्रिम जमानत

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट रुख किया है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुयन सरमा पर आरोप लगाने के बाद असम में उनके खिलाफ दर्ज मामले में अग्रिम जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

खेड़ा ने हैदराबाद स्थित अपना पता बताया और कोर्ट से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी की स्थिति में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया जाए। याचिका 7 अप्रैल को दायर की गई थी।

पवन खेड़ा पर क्या आरोप लगाया गया है?

असम पुलिस का आरोप है कि खेड़ा ने मुख्यमंत्री के परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। जांच में दिल्ली स्थित खेड़ा के आवास से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनमें मामले से जुड़ी सामग्री होने का दावा किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से पूछा सवाल

जो भगवान अयप्पा के भक्त नहीं वो सबरीमला की परंपरा को कैसे दे सकते हैं चुनौती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सबरीमला विवाद और धर्म बनाम कानून को लेकर बहस जारी है। बुधवार को सुनवाई का दूसरा दिन रहा, जहां नौ जजों की बड़ी बेंच इस पूरे मामले की सुनवाई कर रही है। दिनभर चली इस बहस में पक्ष-विपक्ष से तमाम दलीलें पेश की गईं और तर्क रखे गए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से अहम सवाल किया कि जो लोग भगवान भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं? नौ जजों की इस पीठ में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सात सवाल तय किए हैं। इनमें एक अहम सवाल यह है कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, जनहित याचिका दाखिल कर उस संप्रदाय की प्रथा को चुनौती दे सकता है? सुनवाई के अंत में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमला मामले में मूल याचिकाकर्ता कौन थे?

पीआईएल स्वीकार करने में सतर्क हो गई हैं अदालतें

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे मामलों में उन्होंने अक्सर 'ज्यूडिशरी सिस्टम के इनविजिबल विक्टिम' टर्म का इस्तेमाल किया है। तुषार मेहता ने इसे 'मौन बहुमत और मुखर अल्पसंख्यक के बीच की लड़ाई' बताया। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका की शुरुआत बंधुआ मुक्ति मोर्चा वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया जैसे मामलों में हुई थी, जब आम लोगों के पास अदालत तक पहुंच के साधन नहीं थे। अब ई-फाइलिंग जैसी सुविधाओं के कारण कोई भी व्यक्ति सीधे अदालत तक पहुंच सकता है।

क्या है सबरीमला का विवाद

सितंबर 2018 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने 4:1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया था। इसके बाद 14 नवंबर 2019 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 3:2 के बहुमत से इस मुद्दे को बड़े संविधान पीठ के पास भेज दिया।

चिंतन

मध्यपूर्व में युद्धविराम दुनिया को देगा राहत

मध्यपूर्व की बारूदी जमीन पर 40 दिन तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम निस्संदेह दुनिया के लिए राहत की सांस लेकर आया है। यह विराम केवल गोलियों और मिसाइलों की खामोशी भर नहीं है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और आम आदमी की रसोई तक फैले संकट से अस्थायी निजात का संकेत भी है। सवाल यह है कि क्या यह युद्धविराम स्थायी शांति की प्रस्तावना है या सिर्फ एक खतरनाक संघर्ष का छोटा सा 'पॉज'? हालांकि उम्मीद की जा सकती है कि अब दुनिया को कुछ राहत मिलेगी। इससे तेल, गैस, उर्वरकों और खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ईरान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिद्द ने पूरी दुनिया को संकट में धकेल दिया था। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से इस लड़ाई की आंच लोगों की रसोई तक पहुंच गई थी। श्रमिकों, व्यापारियों और आमजन समेत हर वर्ग पर इसका व्यापक असर साफ देखा गया था। तेल, रसोई गैस और उर्वरक तक महंगे हो गए थे। होर्मुज खुलने से तेल, गैस और खाद्य पदार्थ आसानी से लोगों तक पहुंच सकेंगे। उम्मीद की जा सकती है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाएंगे। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने वैश्विक तेल आपूर्ति को हिला दिया था। तेल, गैस और उर्वरकों की कीमतों में उछाल ने विकासशील देशों की कमर तोड़ दी। भारत जैसे कृषि-प्रधान देश में इसका सीधा असर खेत और रसोई दोनों पर दिखा। महंगे उर्वरकों ने किसानों की लागत बढ़ाई तो रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की कीमतों ने आम आदमी की थाली को प्रभावित किया। ऐसे में यह युद्धविराम आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इससे तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद जगी है, जिससे महंगाई पर कुछ अंकुश लग सकता है। भारत, चीन और ब्राजील जैसे बड़े कृषि उत्पादक देशों के लिए यह राहत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उनकी उर्वरक जरूरतें खाड़ी क्षेत्र पर निर्भर हैं। यदि आपूर्ति बहाल रहती है, तो आगामी कृषि सत्र अपेक्षाकृत स्थिर रह सकता है, लेकिन इस राहत के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह युद्धविराम किसी स्थायी समाधान का परिणाम नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी का उत्पाद है। अमेरिका में चुनावी दबाव, इज़राइल की सैन्य रणनीति और ईरान की क्षेत्रीय पकड़ इन सबके बीच यह समझौता हुआ है। यह शांति की इच्छा से ज्यादा, थकान और दबाव का समझौता प्रतीत होता है।सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह युद्धविराम केवल दो सप्ताह के लिए है। इतने कम समय में दशकों पुराने अविश्वास, वैचारिक टकराव और सामरिक प्रतिस्पर्धा को खत्म करना लगभग असंभव है। पूरे घटनाक्रम में एक और महत्वपूर्ण पहलू है क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की भूमिका। पाकिस्तान के जरिए हुई मध्यस्थता ने भले ही अस्थायी राहत दिलाई हो, लेकिन यह भी साफ है कि बिना व्यापक और ईमानदार कूटनीतिक प्रयासों के स्थायी समाधान संभव नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक शक्तियों को इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। कहा जा सकता है कि अगर इस अवसर को गंभीर कूटनीतिक पहल, आपसी विश्वास निर्माण और दीर्घकालिक रणनीति से नहीं जोड़ा गया, तो यह केवल एक विराम बनकर रह जाएगा, जिसके बाद संघर्ष और अधिक तीव्रता के साथ लौट सकता है। दुनिया को अब युद्धविराम से आगे बढ़कर शांति की स्थायी इबारत लिखनी होगी। इसके लिए सभी शक्तिशाली देश प्रयास करें।

आर्थिकी

अनिरुद्ध प्रताप सिंह

बाजार की चाल, अस्थिर रुपया और आरबीआई की सीमाएं

पिछले कुछ समय से वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव, विशेषकर ईरान-अमेरिका–इजराइल के बीच जारी संघर्ष ने भारत की अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित किया है और इसका सबसे स्पष्ट असर रुपये पर देखने को मिला है। पिछले दो हफ्तों में रुपये का व्यवहार लगभग वैसा ही रहा है जैसा आर्थिक सिद्धांत बताते हैं, यानी जैसे-जैसे जोखिम बढ़ा, पूंजी बाहर निकली, तेल महंगा हुआ और घरेलू मुद्रा दबाव में आ गई। रुपये में आई तेज गिरावट केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह उस गहरे असंतुलन का संकेत है, जो वैश्विक और घरेलू कारकों के मिलन से पैदा हुआ है। यह स्थिति इस बात को भी उजागर करती है कि जब बड़ी मात्रा में विदेशी पूंजी तेजी से बाहर निकलती है, तो भारत का भुगतान संतुलन उतना मजबूत सुरक्षा कवच नहीं रह जाता, जितना सामान्य परिस्थितियों में माना जाता है। इस घटनाक्रम की शुरुआत ऊर्जा बाजार से हुई। युद्ध के कारण तेल की आपूर्ति पर खतरा बढ़ा और कीमतों में तेजी आई। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं, उन्हें अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर होता है। इसी के साथ विदेशी निवेशकों का भरोसा भी डगमगाया और उन्होंने भारतीय बाजारों से पैसा निकालना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप डॉलर की उपलब्धता और कम हो गई, जिससे रुपये पर दोहरा दबाव पड़ा। यह वही स्थिति है, जिसे अर्थशास्त्र में मांग और आपूर्ति के सरल सिद्धांत से समझाया जाता है-जब डॉलर की मांग बढ़ती है और आपूर्ति घटती है, तो उसकी कीमत बढ़ती है और रुपया गिरता है। 30 मार्च आते-आते यह स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि रुपया अपने इतिहास के सबसे कमजोर स्तर के करीब पहुंच गया, दिन के दौरान लगभग 95 प्रति डॉलर तक फिसल गया। पूरे वित्तीय वर्ष में रुपये में लगभग 11 प्रतिशत की गिरावट यह दिखाती है कि यह केवल अल्पकालिक उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक दबाव है। असली कहानी केवल स्पॉट रेट की नहीं है, बल्कि उस व्यापक वित्तीय अस्थिरता की है जो इसके पीछे काम कर रही थी। जैसा कि हम जानते हैं कि जब भूराजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो उसका असर केवल शेयर बाजार या मुद्रा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी वित्तीय प्रणाली में फैल जाता है। विदेशी मुद्रा बाजार में यह अस्थिरता सबसे पहले दिखाई देती है, जहां रुपये और डॉलर की कीमतें तेजी से बदलने लगती हैं। बैंक और डीलर इस जोखिम को संभालने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे इसे स्प्रेड यानी खरीद और बिक्री के दाम के अंतर के रूप में ग्राहकों पर डाल देते हैं। सामान्य समय में यह अंतर बहुत कम होता है, लेकिन जब बाजार में घबराहट बढ़ती है, तो यही स्प्रेड बढ़ जाता है और हर लेन-देन महंगा हो जाता है। इस बार स्थिति और जटिल इसलिए हो गई है, क्योंकि बाजार में असंतुलन बहुत बढ़ गया है। सामान्यतः भारत के अंदर और विदेशों में रुपये की कीमत लगभग समान रहती है, लेकिन जब इन दोनों के बीच अंतर बढ़ने लगे, तो यह बाजार में गड़बड़ी और अनिश्चितता का संकेत होता है। इसी अंतर का फायदा उठाने के लिए ट्रेडर्स सक्रिय हो गए और आर्बिट्राज के जरिए लाभ कमाने लगे। 30 मार्च को डॉलर-रुपया बाजार में कुल लेन-देन लगभग 302 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो असामान्य रूप से अधिक था। इस पूरे तंत्र के केंद्र में एक असहज सच्चाई भी है-विदेशी मुद्रा बाजार केवल अस्थिरता को झेलता ही नहीं, बल्कि उससे लाभ भी कमाता है। बैंक और वित्तीय संस्थाएं बढ़ते स्प्रेड के जरिए ज्यादा मुनाफा कमाती हैं। इसके अलावा, उनके ट्रेजरी डेस्क भी बाजार की दिशा पर दांव लगाते हैं, जिसे तकनीकी रूप से जोखिम प्रबंधन कहा जाता है, लेकिन वास्तविकता में यह भी एक प्रकार की सट्टेबाजी होती है। ऑनशोर बाजार और ऑफशोर नॉन-डिलीवेरेबल फॉरवर्ड (एनडीएफ) के बीच का अंतर इस खेल को और बढ़ाता है। युद्ध, पूंजी का तेज बहिर्वाह, डॉलर की मजबूती और वैश्विक बाजारों की अस्थिरता जैसी स्थितियों से मुकाबले के लिए आरबीआई के पास सीमित उपकरण हैं, जैसे ब्याज दरों में बदलाव या विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग। जब बाहरी दबाव बहुत अधिक होता है, तो ये उपाय पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाते। यही कारण है कि आज का संकट केवल नीति की विफलता नहीं, बल्कि एक ऐसी वैश्विक व्यवस्था का परिणाम है, जिसमें राष्ट्रीय संस्थाओं की सीमाएं स्पष्ट हो जाती हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल अल्पकालिक हस्तक्षेप पर्याप्त नहीं, बल्कि एक मजबूत, पारदर्शी और गहरे घरेलू विदेशी मुद्रा बाजार का निर्माण करना होगा, ताकि बाहरी झटकों का असर प्रभावी ढंग से कम किया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

महिला आरक्षण बिल

नरेंद्र मोदी

16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं–बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं।

नारी शक्ति का सशक्तिकरण जरूरी

इक्कीसवीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है।

हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं। इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की

भागीदारी को मजबूती दी है। ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है। पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं। महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो। अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

श्वास जीवन की पहली और आखिरी क्रिया

संकलित

दर्शन

क्या आपने कभी गिना है कि एक मिनट में आप कितनी बार श्वास लेते हैं? श्वास जीवन की पहली और अंतिम क्रिया है। पूरे जीवन भर हम श्वास लेते रहते हैं, पर उस पर ध्यान नहीं देते। शरीर की लगभग 90 प्रतिशत अशुद्धियाँ श्वास से बाहर निकलती हैं, क्योंकि हम 24 घंटे श्वास लेते हैं, पर अपनी फेफड़ों की क्षमता का केवल 30 प्रतिशत ही उपयोग करते हैं। एक मिनट में हम लगभग सोलह-सत्रह बार श्वास लेते हैं। यदि आप चिंतित हैं तो यह बीस तक बढ़ सकती है, यदि आप क्रोध या अत्यधिक तनाव में हैं तो यह पच्चीस तक जा सकती है। शांत और प्रसन्न होने पर यह लगभग 10 रहती है और ध्यानावस्था में केवल दो-तीन श्वास प्रति मिनट। गहरा ध्यान श्वास की गति को अत्यंत धीमा कर देता है। मन पतंग के समान है और श्वास उसकी डोर। पतंग जितनी ऊंची उड़ानी हो, डोर उतनी लंबी चाहिए। यदि आप श्वास पर ध्यान देना सीख लें, तो किसी औषधि की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। श्वास अपार ऊर्जा प्रदान करती है और प्राणशक्ति को बढ़ाती है। ऊर्जा के चार स्रोत बताए गए हैं- भोजन, नींद, प्राणायाम (सुदर्शन क्रिया) और ध्यान में बिताए गए क्षण। इन सबका संतुलन समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। सुदर्शन क्रिया के लयबद्ध श्वास-प्रवाह से शरीर की विषाक्तता घटती है और मन में शांति बढ़ती है। शोध से यह प्रमाणित हुआ है कि सुदर्शन क्रिया रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाती है।

मानव धर्म ही सर्वोपरि

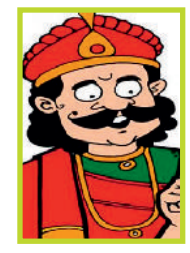

संकलित

प्रेरणा

एक विदेशी को अपराधी समझ जब राजा ने फांसी का हुक्म सुनाया तो उसने अपशब्द कहते हुए राजा के विनाश की कामना की। राजा ने अपने मंत्री से, जो कई भाषाओं का जानकार था, पूछा- यह क्या कह रहा है? मंत्री ने विदेशी की गालियां सुन ली थीं, किंतु उसने कहा- महाराज! यह आपको दुआएं देते हुए कह रहा है- आप हजार साल तक जिएं। राजा यह सुनकर बहुत खुश हुआ, लेकिन एक अन्य मंत्री ने जो पहले मंत्री से ईर्ष्या रखता था, आपत्ति उठाई- महाराज! यह आपको दुआ नहीं गालियां दे रहा है। वह दूसरा मंत्री भी बहुभाषी था। उसने पहले मंत्री की निंदा करते हुए कहा- ये मंत्री जिन्हें आप अपना विश्वासपात्र समझते हैं, असत्य बोल रहे हैं। राजा ने पहले मंत्री से बात कर सत्यता जाननी चाही, तो वह बोला- हां महाराज! यह सत्य है कि इस अपराधी ने आपको गालियां दीं और मैंने आपसे असत्य कहा। पहले मंत्री की बात सुनकर राजा ने कहा- तुमने इसे बचाने की भावना से अपने राजा से झूठ बोला। मानव धर्म को सर्वोपरि मानकर तुमने राजधर्म को पीछे रखा। मैं तुमसे बेहद खुश हुआ। फिर राजा ने विदेशी और दूसरे मंत्री की ओर देखकर कहा- मैं तुम्हें मुक्त करता हूं। निर्दोष होने के कारण ही तुम्हें इतना क्रोध आया कि तुमने राजा को गाली दी और मंत्री महोदय तुमने सच इसलिए कहा- क्योंकि तुम पहले मंत्री से ईर्ष्या रखते हो। ऐसे लोग मेरे राज्य में रहने योग्य नहीं। तुम इस राज्य से चले जाओ।

अंतर्मन

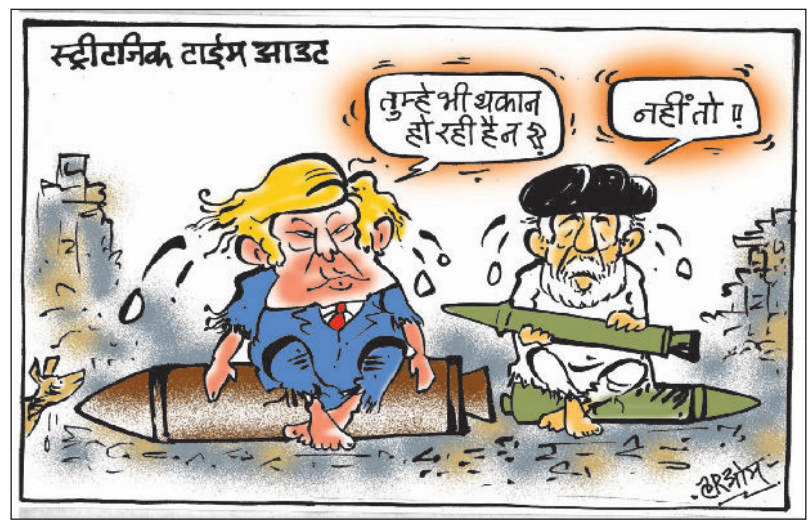

आज की पाती

पौधे रोपना कितना जरूरी?

आज हमें जो पेड़ों से फल और जीने के लिए मुफ्त की ऑक्सीजन मिल रही है, और इन पेड़ों को हमारे पूर्वजों और बुजुर्गों ने लगाया था। सोचो! अगर उन्होंने अपने समय में पौधे न लगाए होते तो आज हमें बहुत से पेड़ न नजर आते। और उन्होंने भी अगर आज की तरह पेड़ धड़ाधड़ काटे होते तो आज हमारा देश, जोकि प्राकृतिक सौंदर्य का खजाना माना जाता है, यहां रेगिस्तान ही रेगिस्तान नजर आते। अगर हमें अपनी भावी पीढ़ी को पेड़ों से मिलने वाली मुफ्त ऑक्सीजन का तोहफा देना है तो हमें भी जहां भी जगह मिले, वहां पौधे लगाने चाहिए और जब भी कोई घर, फैक्टरी या अन्य किसी भी प्रकार का निर्माण करें तो अपने यहां एक-दो पौधे लगाने की जगह जरूर छोड़नी चाहिए।

– मुकेश देवांगन, बलौदाबाजार

ट्रेंड

बिना गारंटी के ऋण

मोदी सरकार के नेतृत्व में, छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप्स को बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराकर, स्वरोजगार और लघु उद्योगों को नई शक्ति प्रदान की गई है। इस कल्याणकारी योजना के तहत 40 लाख करोड़ से अधिक मूल्य के 58 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

किसानों का दर्द

किसानों का दर्द वही लोग सही मायने में समझ सकते हैं जिन्होंने स्वयं खेतों में पसीना बहाया हो। हमारा संकल्प है कि 2027 तक राजस्थान के हर जिले के किसानों को दिन के समय बिजली मिलेगी।

-भजनलाल, सीएम, राजस्थान

चुनाव आयोग

अब यह कहने की भी जरूरत नहीं है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारों पर काम कर रहा है और भाजपा से सीधे निर्देश ले रहा है। यह बात अब सबके सामने आ चुकी है और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

युद्धविराम का स्वागत

अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम स्वागत योग्य कदम है। आशा है कि इन दिनों में समझदारी से काम लिया जाएगा और हम स्थायी शांति की ओर बढ़ेंगे। बच्चों को संभावनाओं से भरा भविष्य मिलना चाहिए, न कि विनाश से।

-कैलाश सत्यार्थी, नोबल पुरस्कार विजेता

करंट अफेयर

ग्रामीण भारत में 46% लोग भूमिहीन : रिपोर्ट

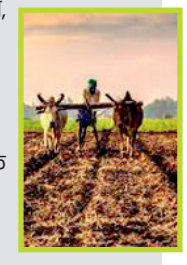

देश के ग्रामीण इलाकों में शीर्ष 10 प्रतिशत परिवारों के पास 44 प्रतिशत जमीन है, जबकि 46 प्रतिशत भूमिहीन हैं। 'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' के एक अध्ययन में यह बात कही गई है। 'भारत में भूमि असमानता : प्रकृति, इतिहास एवं बाजार' शीर्षक वाले इस कार्य-पत्र में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में शीर्ष पांच प्रतिशत परिवार 32 प्रतिशत जमीन के मालिक हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत परिवारों के पास 18 प्रतिशत कृषि भूमि है। यह अध्ययन नितिन कुमार भारती, डेविड ब्लेकस्ली और समरीन मलिक ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन में करीब 65 करोड़ लोगों और 2.7 लाख गांवों के भूमि आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण स्तर पर भूमि असमानता का औसत गिनी सूचकांक (0 से 100 के पैमाने पर) भूमिहीन परिवारों को शामिल करने पर 71 तक पहुंच जाता है जबकि 46 प्रतिशत ग्रामीण परिवार पूरी तरह भूमिहीन हैं। अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि औसतन किसी गांव में सबसे बड़ा जमींदार लगभग 12 प्रतिशत जमीन नियंत्रित करता है, जबकि कुछ गांवों में एक ही व्यक्ति के पास आधे से अधिक कृषि भूमि है। राज्यों के बीच असमानता के स्तर में भी बड़ा अंतर देखा गया है, जो वैश्विक स्तर पर देशों के बीच पाए जाने वाले अंतर के लगभग बराबर है।

ऑफ बीट

ब्यूटी पार्लर में बाल धुलवाने से बीपीएसएस का खतरा

थकान मिटाने, 'फील गुड' करने और बालों की चमक बढ़ाने के लिए लोग अक्सर हेयर स्पा का सहारा लेते हैं। हालांकि, ब्यूटी पार्लर या सैलून में हेयर स्पा की प्रक्रिया के बाद बालों की धुलाई 'ब्यूटी पार्लर स्ट्रोक सिंड्रोम' (बीपीएसएस) नाम की एक गंभीर दुर्लभ स्वास्थ्य जटिलता का कारण बन सकती है। विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों की धुलाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 'बैकवॉश बेसिन' पर एक विशेष कोण पर सिर टिकाकर बैठने या लेटने से न सिर्फ गर्दन में दर्द और चोट की समस्या उभर सकती है, बल्कि कुछ मामलों में व्यक्ति के स्ट्रोक का भी शिकार होने का खतरा रहता है। अमेरिकी न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. माइकल वेनट्रॉब ने 1993 में पहली बार बीपीएसएस की पहचान की थी। उन्होंने पाया था कि स्ट्रोक से जुड़े गंभीर लक्षणों से जूझ रहे उनके कुछ मरीजों में ब्यूटी पार्लर या सैलून में बालों में शैंपू कराने के बाद ये समस्याएं उभरी थीं। स्ट्रोक एक तरह का मस्तिष्काघात है, जो मस्तिष्क में खून का प्रवाह घटने पर होता है। यह आमतौर पर मस्तिष्क में प्रमुख रक्त वाहिका में खून का थक्का जमने या उसके फटने के कारण होता है, जिससे कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन, ग्लूकोज व अन्य पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं और वे दम तोड़ देती हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

गणनात्मक विचार होगा सिलेबस का हिस्सा, छात्र जानेंगे-कैसे काम करता है इंस्टाग्राम व यूट्यूब का एल्गोरिद्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छात्रों की मातृभाषा में सिखाई जाएगी कोडिंग और डेटा एनालिसिस सरल विधि से सिखाएंगे गणित, ताकि अपग्रेड हो सकें विद्यार्थी

सीबीएसई संबद्ध स्कूलों में अब ब्लैकबोर्ड की जगह व्हाइटबोर्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। तीसरी कक्षा से दसवीं कक्षा तक के लिए एआई और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग का नया कोर्स शुरू किया जा रहा है।

इसके अलावा एनसीईआरटी और सीबीएसई मिलकर क्षेत्रीय भाषाओं में भी पढ़ाई कराएंगे। सीबीएसई के अनुसार, रटने की प्रवृत्ति के स्थान पर अब जोर इस पर होगा कि बच्चा कितना बेहतर सोच सकता है और कैसे नई चीजें

डिजाइन कर सकता है। इस बड़े बदलाव का सबसे खास हिस्सा यह है कि अब टेक्नोलॉजी की पढ़ाई केवल गणित विषय में ही नहीं होगी। एनसीईआरटी और सीबीएसई मिलकर ऐसा सिलेबस तैयार कर रहे हैं, जिसे स्टूडेंट्स अपनी मातृभाषा में पढ़ और समझ सकेंगे।

चाहे कोडिंग हो या डेटा एनालिसिस, छात्र अपनी भाषा में दुनिया की आधुनिक तकनीक सीख सकेंगे। सीबीएसई नए सिलेबस से ढ़ाई का तरीका बदलने के साथ छात्रों को अपग्रेड करने की तैयारी कर रहा है। गौरतलब है, तीसरी से आठवीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स के लिए कम्प्यूटेशनल थिंकिंग अर्थात गणनात्मक विचार और एआई को सिलेबस का हिस्सा बना दिया गया है। फिलहाल इसे 6वीं से 8वीं तक लागू किया जा रहा है और अगले साल से 9वीं-10वीं के छात्र भी इसे पढ़ेंगे। इसे किसी अलग मुश्किल विषय की तरह नहीं, बल्कि गणित के साथ जोड़कर पढ़ाया जाएगा। इससे गणित का डर खत्म होगा और छात्र डेटा को सरलता से समझ सकेंगे।

सिखाएंगे वैज्ञानिक की तरह सोचना

बोर्ड के अनुसार, विद्यार्थियों के संदर्भ में अक्सर यह शिकायत आती है कि वे परीक्षा के लिए रट्टा मारते हैं और बाद में सब भूल जाते हैं। इसका हल ढूंढते हुए अब पूरा फोकस क्रिटिकल थिंकिंग पर किया जा रहा है। अर्थात बच्चों को सवाल हल करने के लिए मशीन जैसा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक जैसा सोचना सिखाया जाएगा। छात्र यह समझ सकेंगे कि मोबाइल में जो एल्गोरिद्म चल रहा है, वो काम कैसे करता है। इससे वे तकनीक के गुलाम नहीं, बल्कि उसके निर्माता बन सकेंगे।

भाषायी ज्ञान के अभाव में पिछड़े

कई बार बच्चे सिर्फ इसलिए पीछे रह जाते थे क्योंकि टेक्नोलॉजी से जुड़े भारी-भरकम शब्द अंग्रेजी भाषा में होते थे। आज-कल के बच्चे सोशल मीडिया पर बहुत वक्त बिताते हैं। नए सिलेबस में बच्चों को सिखाया जाएगा कि इंस्टाग्राम या यूट्यूब के पीछे का एल्गोरिद्म उन्हें कैसे चीजें दिखाता है। इससे स्टूडेंट्स में डेटा की समझ बढ़ेगी और वे सोशल मीडिया का सही और सुरक्षित इस्तेमाल कर सकेंगे। सीबीएसई स्कूलों में अब ऐसी पढ़ाई पर जोर दिया जाएगा जो सीधे भविष्य की नौकरियों और जरूरतों से जुड़ी हो।

खबर संक्षेप

मिठाई कारखाने में गंदगी, लगा 10 हजार ई-जुर्माना

रायपुर। नगर निगम जोन-2 के स्वास्थ्य विभाग ने रमन मंदिर वार्ड स्थित मिठाई कारखाने में गंदगी मिलने की जनशिकायत सही पाए जाने पर संचालक लोकेश खत्री पर तत्काल 10 हजार रुपए का ई-जुर्माना लगाया। कारखाना संचालक को चेतावनी दी गई कि दोबारा ऐसा हुआ तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नर संतोष पांडे के मार्गदर्शन में जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया की उपस्थिति में जोन-2 के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मिठाई कारखाने की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान वहां गंदगी मिली। जनशिकायत सही पाए जाने पर जोन-2 कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने कारखाना संचालक पर 10 हजार रुपए ई-जुर्माना किया।

जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल मित्र कार्यक्रम के तहत जल वितरण संचालन-संधारण के लिए दी गई थी ट्रेनिंग

मुख्यमंत्री कौशल योजना में 120 युवाओं ने ली ट्रेनिंग, आदेश के बाद भी मिली नहीं नौकरी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले जिले के सैकड़ों युवा रोजगार पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। इनमें 120 युवा ऐसे हैं, जो जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल मित्र कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। उनके प्रशिक्षण के आधार पर ही ग्राम पंचायतों में जल वितरण के संचालन और संसाधण कार्य के लिए उनका चयन भी हुआ है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने इसके लिए ग्राम पंचायतों को पत्र भी जारी किया था, जिसमें चयनित युवाओं को पंचायत स्तर पर मानदेय के आधार पर नौकरी पर रखने के लिए अनुशंसा की गई थी। इसके बावजूद इन युवाओं को अब तक नौकरी नहीं मिल पाई है। इन युवाओं ने संबंधितों को ज्ञापन सौंपा है।

जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत ग्राम पंचायतों में हर घर नल कनेक्शन, पानी टंकी का निर्माण हुआ है। इसके तहत जिन ग्रामों में ये कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उन ग्रामों में पानी टंकी से जलप्रदाय करने एवं उसके संसाधण के लिए अनुभवी लोगों की जरूरत थी। इसके लिए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत लाईवलीहुड कॉलेज में युवाओं को नल-जल मित्र कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद

आवश्यकता के अनुसार जिले के चारों ब्लॉक धरसींवा, आरंग, अभनपुर एवं तिल्दा के लगभग 120 युवाओं को विभिन्न गांव में जलप्रदाय एवं संधारण कार्य के लिए चयन हुआ। इन चयनित युवाओं के माध्यम से ग्राम पंचायतों में जलप्रदाय एवं संधारण का कार्य हो, इसके लिए पीएचई विभाग ने चयनित गांव के सरपंचों को नियुक्त करने के लिए अनुशंसा पत्र भेजा था। इस अनुशंसा पत्र के अनुसार 12 हजार रुपए मासिक वेतन पर युवाओं की अस्थाई रूप से नियुक्ति होनी थी, जो अब तक नहीं हो पाई है। प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं ने बताया कि नियुक्ति पत्र जारी होने के बाद भी ग्राम पंचायतों में नौकरी नहीं मिलने पर वे सभी पीएचई विभाग के अफसर अनिल बच्चन से मिलने गए थे, लेकिन उन्होंने यह कहकर उन्हें लौटा दिया कि 45 दिन की ट्रेनिंग करने से नौकरी थोड़े ही मिल जाती है। उनके इस रवैये के बाद ही अब वे सभी जिला पंचायत उपाध्यक्ष और सीईओ के समक्ष गुहार लगाने पहुंचे।

सरपंचों में किसी ने कहा- वेतन बहुत ज्यादा, किसी ने कहा, पीएचई विभाग देगा

हरिभूमि ने कुछ सरपंचों से भी नियुक्ति नहीं करने के संबंध में बातचीत की। इस दौरान ग्राम पंचायत कोटा के सरपंच ने कहा कि वेतन बहुत ज्यादा है। हमारे पास इतना फंड नहीं है, ज्यादा से ज्यादा 2 से 3 हजार ही दे पाएंगे। ग्राम पंचायत सोनतरा के सरपंच ने कहा कि वेतन पीएचई विभाग को ही देना है। इस संबंध में आदेश भी जारी हुआ था। ग्राम पंचायत में इतना फंड नहीं रहता कि इस कार्य के लिए 10-15 हजार रुपए मासिक वेतन दे पाएं।

रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सभी युवाओं को ग्राम पंचायतों में रोजगार देने की व्यवस्था करनी चाहिए।

– **संदीप यदु**, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर

छत्तीसगढ़ के पेंशनरों को महंगाई राहत में वृद्धि, जनवरी से मिलेगा लाभ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के लाखों पेंशनरों और परिवार पेंशनरों के लिए खुशखबरी साझा की है। वित्त विभाग द्वारा जारी ताजा आदेश के अनुसार, राज्य शासन के पेंशनरों को देय महंगाई राहत (डीआर) की दरों में पुनरीक्षण किया गया है। यह वृद्धि 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। शासन द्वारा जारी तालिका के अनुसार, अलग-अलग वेतनमान प्राप्त कर रहे पेंशनरों के लिए वृद्धि इस प्रकार है। सातवें वेतनमान में मूल पेंशन या परिवार पेंशन में 3 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। साथ ही अब कुल महंगाई राहत बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई है। छठवें वेतनमान में इस श्रेणी के पेंशनरों के लिए 5 प्रतिशत की वृद्धि स्वीकृत की गई है। अब इन्हें कुल 257 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मिलेगी।

यह आदेश सिविल पेंशनरों के साथ-साथ परिवार पेंशन और असाधारण पेंशन प्राप्त करने वाले व्यक्तियों पर भी लागू होगा। वृद्ध पेंशनरों को मिलने वाली अतिरिक्त

वेतनमान के अनुसार नई दरें

पेंशन पर भी यह महंगाई राहत देय होगी। जिन पेंशनरों ने अपनी पेंशन का एक हिस्सा सारांशीकृत कराया है, उन्हें महंगाई राहत उनकी मूल पेंशन (सारांशीकरण के पूर्व वाली राशि) पर ही दी जाएगी।

भुगतान के निर्देश

वित्त विभाग ने राज्य के सभी कोषालय अधिकारियों और पेंशन वितरण अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे संशोधित दरों के आधार पर पेंशनरों को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करें। भुगतान की गणना करते समय यदि राशि रुपयों के अपूर्ण भाग (पैसे) में आती है तो उसे अगले रुपये में पूर्णांकित किया जाएगा।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सार्वजनिक सूचना / जनसूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मदननगर, कनकनगर एव जगन्नाथपुर, तहसील - प्रतापपूर, जिला- सुरजपुर (छ.ग.) और ग्राम चौरा तहसील – राजपुर जिला – बलरामपुर & रामानुजगंज (छ.ग.) स्थित भूमि, रकबा 1937.202 हेक्टेयर, का अधिग्रहण CBA Act 1957 की धारा 9(i) के तहत SECL, भटगांव क्षेत्र द्वारा मदननगर खुली खदान परियोजना हेतु दिनांक 20/11/2023 को किया जा चूका है।

उक्त अधिग्रहित भूमि पर प्रस्तावित मदननगर खुली खदान परियोजना हेतु DGPS सर्वे का कार्य को SECL भटगांव क्षेत्र द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

किन्तु यह देखा गया है कि कुछ स्थानीय ग्रामीणों/व्यक्तियों द्वारा बिना किसी वैधानिक अधिकार के उक्त सर्वे कार्य में अनावश्यक बाधा उत्पन्न की जा रही है तथा सर्वे टीम को कार्य करने से रोका जा रहा है। इस प्रकार की गतिविधि शासकीय कार्य में अवरोध की श्रेणी में आता है।

अत : सभी सम्बंधित व्यक्तियों को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम सूचित किया जाता है की उक्त भूमि का अधिग्रहण विधि अनुसार पूर्ण किया जा चूका है। DGPS सर्वे शासकीय एवं वैधानिक प्रक्रिया का अभिन्न हिसा है। सर्वे कार्य में किसी प्रकार का अवरोध कानुनन दंडनीय होगा।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त भूमि के सम्बन्ध में कोई दावा/आपति हो तो वे अपने वैध दस्तावेजो सहित सक्षम न्यायालय/प्राधिकारी के सक्षम प्रस्तुत करे। अन्यथा, भविष्य में उत्पन्न किसी प्रकार की विधिक कार्यवाही हेतु सम्बंधित व्यक्ति स्वयं जिमेदार होगे।

दिनांक -

महाप्रबंधक, एसईसीएल
भटगांव क्षेत्र

माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर

कैवियट आवेदन क्रमांक _____ / 2026
WPC क्रमांक _____ /2026

कैवियटर : साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
[प्रस्तावित प्रतिवादी] महाप्रबंधक, भटगाँव क्षेत्र के माध्यम से

बनाम

नॉन-कैवियटर : आम जनता / सभी संबंधित व्यक्ति
[प्रस्तावित याचिकाकर्ता/गण] जिन्हें यह संबंधित हो सकता है

दीवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 148-A के अंतर्गत कैवियट

उपरोक्त नामित कैवियटर निम्नानुसार निवेदन करता है :

1. कि कैवियटर, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL), ग्राम मदन्नागर, कनाकनागर, जगन्नाथपुर (तहसील–प्रतापुर, जिला–सूरजपुर, छत्तीसगढ़) एवं ग्राम चौरा (तहसील–राजपुर, जिला–बलरामपुर–रामानुजगंज, छत्तीसगढ़) में स्थित एक ओपन-कास्ट कोयला खनन परियोजना संचालित कर रहा है। उक्त परियोजना के लिए लगभग 1937 हेक्टेयर भूमि केंद्र द्वारा अर्जित की गई थी, जिसे तत्पश्चात् उक्त अधिनियम की धारा 1(i) के अंतर्गत दिनांक 16.02.2024 को खनन कार्यों हेतु कैवियटर को आवंटित/सौंपा गया। दिनांक 16.02.2024 की अधिसूचना की प्रति संलग्नक अनुलग्नक C-1 के रूप में संलग्न की गई है।
2. कि कैवियटर को परियोजना के प्रारंभ हेतु DGPS सर्वे तथा अन्य प्रारंभिक गतिविधियाँ संचालित करना आवश्यक है। और कैवियटर को ज्ञात हुआ है तथा उसे आशंका है कि कुछ निजी व्यक्ति/लोग/समूह/लोगों के समूह या पंजीकृत/अपंजीकृत समूह कैवियटर के उपर्युक्त उल्लिखित कार्यों को चुनौती दे सकते हैं और भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट याचिका के माध्यम से अथवा जनहित याचिका दायर करके इस माननीय न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं, जिसमें SECL द्वारा की गई उक्त कार्यवाही की वैधता, निष्पक्षता या औचित्य को चुनौती देने अथवा SECL द्वारा प्रारंभ की गई उक्त कार्यवाही को रोकने या रद्द करने तथा अंतरिम राहत/स्थगन हेतु आवेदन के साथ अनुरोध किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में, 'चेतन सिंह चौहान, अधिवक्ता, R-9/21 रामा वैली, बोदरी बिलासपुर (C.G.), संपर्क: 8280810559' को सूचना दी जाए, ताकि कैवियटर के हित की समुचित रक्षा की जा सके।
3. कि इस कैवियट की सूचना की प्रति क्षेत्र में प्रसारित समाचार पत्र में प्रकाशित की गई है। उक्त प्रकाशन की समाचार-पत्र कटिंग की प्रति संलग्नक अनुलग्नक C-2 के रूप में संलग्न की गई है।

प्रार्थना

कैवियटर अत्यंत सविनय प्रार्थना करता है कि यह माननीय न्यायालय इस कैवियट को अभिलेख पर लेने की कृपा करे और SECL की उक्त कार्यवाहियों से संबंधित किसी भी प्रकरण में कैवियटर को सुनवाई का अवसर प्रदान किए बिना कोई एकपक्षीय या अंतरिम आदेश पारित न करे।

बिलासपुर (C.G.)
दिनांक : . .2026

(चेतन सिंह चौहान)
कैवियटर/प्रस्तावित
प्रतिवादी के अधिवक्ता

आई-गॉट में सभी विभागों को ऑन-बोर्ड होना जरूरी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील ने राज्य शासन के सभी विभाग के प्रमुख अधिकारियों से कहा है कि वे मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट ट्रेनिंग कार्यक्रम से अपने विभाग को अनिवार्य रूप से ऑन-बोर्ड कर लें। उन्होंने कहा, सभी विभाग ऑन-बोर्ड हो जाएं। मुख्य सचिव ने सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को भी अपने मोबाइल के माध्यम से ऑन-बोर्ड होने को कहा है। राज्य शासन के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों को उनकी आवश्यकतानुसार विभागीय स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जा सकेगा। मुख्य सचिव ने सभी विभाग प्रमुखों से कहा है कि वे अपने-अपने विभाग की आवश्यकता के अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स तय कर लें, जिससे उन्हें प्रशिक्षित किया जा सके।

आई-गॉट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत साधना सप्ताह के मौके पर सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी को कर्मयोगी मिशन के तहत प्रशिक्षण देने कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य शासन के विभागों के प्रमुख अधिकारी सहित विभागीय सचिव, संयुक्त सचिव, उपसचिव, अवर सचिव, अनुभाग अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी जिलों के प्रमुख अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हुए।

आधी आबादी की अनदेखी करना तानाशाही

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आगामी डिजिटल जनगणना के अंतर्गत 16 अप्रैल से 30 मई तक भौतिक सत्यापन के लिए निर्धारित 33 बिंदुओं में अन्य ओबीसी वर्ग के लिए अलग से कॉलम नहीं होने पर आम आदमी पार्टी ने आपत्ति जताई है। आप आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष उत्तम जायसवाल ने बुधवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा, सरकार ओबीसी वर्ग के लिए दोहरा मापदंड अपना रही है। मंडल आयोग (1980) के अनुसार देश में ओबीसी की आबादी 52% बताई गई थी। देश की आधी आबादी की अनदेखी समझ से परे है। पिछड़े समाज के विकास की बात करने वाली केंद्र और राज्य सरकार इस मामले में असहाय क्यों नजर आ रही है। सरकार पिछड़ों को सिर्फ वोट बैंक बनाकर रखना चाहती है। राजपत्र के बिंदु क्रमांक 12 में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए स्पष्ट कॉलम दिया गया है, लेकिन ओबीसी वर्ग की गणना के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र चंद्राकर ने कहा कि एक ओर केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने की घोषणा करती है, तो दूसरी ओर राजपत्र से ओबीसी का कॉलम नहीं रखना समाज के साथ अन्याय है। बिना पृथक कॉलम के ओबीसी वर्ग की सही संख्या कैसे सामने आएगी। पिछड़ों को उनके अधिकार से वंचित रखने की सरकार की साजिश है। भारत देश एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जिसे केंद्र की भाजपा सरकार मिटाने पर तुली हुई है। प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ, पलविंदर सिंग पन्नू, शकील खान ने भी इस पर आपत्ति जताई।

यादव समाज के उत्थान और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर की चर्चा

रायपुर। कमल विहार रायपुर स्थित त्रिपुर यात्रा सेवा समिति के सभागार में रविवार को छत्तीसगढ़ यादव शासकीय सेवक संघ की उप-समिति, एकादश उत्थान यादव कल्याण संघ की बैठक हुई। बैठक में समाज के उत्थान और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में मुख्य वक्ता सुरेश कुमार यादव ने संघ के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज के प्रत्येक परिवार से न्यूनतम 11 रुपए प्रतिमाह सहयोग राशि देने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि 10 लाख परिवारों के इस छोटे-से योगदान से एक बड़ी सामाजिक पहल को मूर्त रूप दिया जा सकता है।

सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में डॉक्टर देव का किरदार इकबाल खान निभा रहे हैं। सीरियल में वे काफी फिट दिखते हैं। यहां शेयर कर रहे हैं अपना फिटनेस फंडा अपनी ही जुबानी।

कितना भी बिजी क्यों न रहूं वर्कआउट जरूर करता हूं

फिटनेस फंडा
इकबाल खान

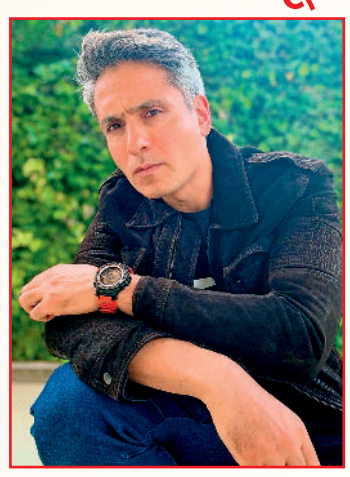

एक्टर इकबाल खान अपनी एक्टिंग के साथ फिटनेस पर भी पूरा ध्यान देते हैं। जिस तरह सीरियल 'हुई गुम यादें - एक डॉक्टर, दो जिंदगियां' में अपने रोल को परफेक्ट बनाने के लिए वे कोई कसर नहीं छोड़ते, उसी तरह अपनी फिटनेस को भी मेंटेन करने के लिए सभी एफर्ट करते हैं। यहां जानिए उनका फिटनेस फंडा।

डाइट प्लानः मेरा बेसिकली कोई तय डाइट प्लान नहीं होता है। मुझे जिस किस्म की आवश्यकता होती है, मैं वैसे डाइट प्लान कर लेता हूं। मैं अपने आप को किसी चीज या काम से महरूम नहीं करता। थोड़ा-थोड़ा सब कर लेता हूं। उसी तरह थोड़ा-थोड़ा खा लेता हूं सब कुछ। जैसी आवश्यकता होती है, वैसी ही डाइट लेता हूं।

वर्कआउट रुटीनः मैं स्कूल के दिनों से ही वर्कआउट करता आ रहा हूं। मैं सिर्फ इसलिए डेली वर्कआउट नहीं करता कि मैं एक एक्टर हूं, ये आदत तो बचपन से ही मेरे अंदर बसी हुई है। मैं बेसिकली वेट ट्रेनिंग करता हूं और हफ्ते में पांच से छह दिन जिम जाता हूं। हालांकि रमजान के दौरान मैं वर्कआउट नहीं करता। बाकी दिनों में ज्यादातर फोकस वेट्स पर ही रहता है। जहां तक कार्डियो एक्सरसाइज की बात है तो सच कहूं तो मुझे उसे करने में बिल्कुल मजा नहीं आता है। मुझे पता है कि कार्डियो बहुत अच्छी एक्सरसाइज होती है, लेकिन वो मुझसे हो नहीं पाता है।

जरूर निकालता हूं टाइमः एक्टिंग की वजह से या पर्सनल वर्क से चाहे मैं कितना भी बिजी रहूं, लेकिन वर्कआउट के लिए वक्त तो निकालना ही पड़ता है। मुझे सुबह उठना ज्यादा ठीक लगता है, इसलिए मैं सुबह-सुबह ही अपना वर्कआउट खत्म कर लेता हूं। इससे पूरा दिन भी अच्छा गुजरता है, मैं फ्रेश और एनर्जेटिक फील करता हूं। इसलिए काम पर निकलने से पहले ही मैं अपना वर्कआउट कंप्लीट कर लेता हूं।

रीडर्स को मैसेजः हरिभूमि के रीडर्स और अपने फैंस को मैं यही फिटनेस फंडा देना चाहूंगा कि जो लोग अपनी ट्वेंटीज में हैं, वो अच्छा खाना खाएं और थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाएं। कभी-कभी थोड़ा ज्यादा भी हो जाए तो चलेगा। जो लोग थर्टीज में हैं, उन्हें मीठा थोड़ा कम खाना चाहिए और तला हुआ भी कम करना चाहिए। बाकी अच्छा और बैलेंस्ड खाना खाते रहें। और जो 40 के ऊपर हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए कि मीठा बहुत कम खाएं, और अगर खाना ही है तो नेचुरल सोर्स से लें। तला हुआ खाना बिल्कुल अवॉइड करें और हफ्ते में कम से कम तीन बार वर्कआउट जरूर करें। ये बहुत जरूरी है, इससे आपका हार्ट, मसल्स और जॉइंट्स सब अच्छे रहते हैं। ये भी जरूरी नहीं है कि बहुत भारी वेट्स ही उठाएं। नॉर्मल वेट्स में, जहां आपका मसल्स सही से काम करें, वही काफी है। सबसे जरूरी है कि आप नियमित रूप से वर्कआउट करें। और खाने के मामले में सबसे जरूरी बात यह है कि सीमित मात्रा में खाना चाहिए, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि जैसे पता नहीं कल खाना मिलेगा या नहीं, इसलिए आज ही अधिक से अधिक खा लो।

मेंटल हेल्थ ऐसे रहती है सहीः जब हम छोटे थे, तब मानसिक स्वास्थ्य जैसी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन अब इसके प्रति काफी जागरुकता बढ़ गई है। मेरे शो 'हुई गुम यादें' में मेरा किरदार डॉ. देव भी इसी पहलू को दर्शाता है, जहां उसकी जिंदगी के उतार-चढ़ाव उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं और वह इन भावनाओं से जूझते हुए खुद को संभालने की कोशिश करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक ही बात जो मेरे दिमाग में आती है कि वो ऊपर वाला है, जिसने पूरी कायनात बनाई है, जो चला रहा है उसके संपर्क में हमेशा रहिए। उसके संपर्क में रहने से जादुई असर होता है। जब हम ऊपर वाले को अपने साथ महसूस करते हैं तो कभी मन निराश, हताश नहीं होता। जिंदगी बहुत अच्छी गुजरती है। चूंकि हम सब वहीं से आए हैं और वहीं जाएंगे तो उसके टच में रहना सबसे अच्छा है। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

स्पेशलः वर्ल्ड पार्किंसंस-डे, 11 अप्रैल

पूरी दुनिया में लगभग एक करोड़ से अधिक लोग पार्किंसंस डिजीज से ग्रस्त हैं। यह ओल्ड एज में होने वाला एक सीरियस न्यूरोलॉजिकल रोग है। इसमें पेशेंट का मूवमेंट और बॉडी फंक्शनिंग प्रभावित होती है। लेकिन सही ट्रीटमेंट और सपोर्टिव डाइट हैबिट, लाइफस्टाइल से इसे मैनेज किया जा सकता है। इस बारे में जानिए।

बुजुर्गों को होने वाला सीरियस न्यूरोलॉजिकल डिजीज है पार्किंसंस

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. सुषमा शर्मा
प्रोग्राम क्लिनिकल डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी मैरेंगो एशिया अस्पताल, फरीदाबाद

पार्किंसंस रोग एक न्यूरोलॉजिकल (नर्वस सिस्टम) डिजीज है। यह मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करता है, जो शारीरिक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं।

क्या है पार्किंसंस रोग

इस रोग का कारण मस्तिष्क के एक खास हिस्से (सबस्टेंटिया निग्रा) में डोपामिन उत्पादक न्यूरॉन्स या सेल्स का धीरे-धीरे कमजोर या नष्ट हो जाना है। जो मुख्य रूप से डोपामिन नामक केमिकल का उत्पादन और स्राव करते हैं। जिसकी वजह से शरीर में डोपामिन नामक न्यूरोट्रांसमीटर की कमी हो जाती है।

डोपामिन एक प्रकार का केमिकल है, जो दिमाग से पूरे शरीर और शरीर से दिमाग तक सिग्नल लेकर जाता है। शरीर के अन्य अंगों को कंट्रोल में रखता है और शरीर की गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। डोपामिन केमिकल का स्तर कम होने पर दिमाग के सिग्नल शरीर के विभिन्न हिस्सों तक नहीं पहुंच पाते और व्यक्ति पार्किंसन डिजीज की चपेट में आ जाता है।

पार्किंसंस, डिजनरेटिड प्रोग्रेसिव डिसऑर्डर के साथ कंट्रोल की जा सकने वाली बीमारी है। एक बार पार्किंसंस रोग होने पर समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है या जिंदगी भर चलती है। शरीर के विभिन्न अंगों पर नियंत्रण कम होने लगता है। धीरे-धीरे उसकी गति, पॉश्चर और भाषा प्रभावित होने लगती है। जिससे मरीज को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी होने लगती है। ध्यान न दिए जाने पर पार्किंसंस, गंभीर रूप ले सकता है। लेकिन अगर इसका समुचित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली और सही देखभाल शुरुआती अवस्था पर शुरू हो जाए, तो मरीज सामान्य जिंदगी जी सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया भर में पिछले 25 वर्ष में पार्किंसंस के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज द्वारा की गई स्टडी के हिसाब से 2019 तक तकरीबन 8.5 मिलियन से अधिक लोग पार्किंसंस रोग से प्रभावित थे। वर्तमान में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर तकरीबन 10 मिलियन (1 करोड़) से अधिक मरीज के होने तक पहुंच गया है। भारत में भी लगभग 5.76 लाख लोग पार्किंसंस बीमारी के साथ जी रहे हैं। 2050 तक पार्किंसंस के मरीजों की संख्या 25 मिलियन (2.5 करोड़) से अधिक होने की आशंका है।

बुजुर्ग होते हैं अधिक प्रभावित

पार्किंसंस डिजीज आमतौर पर 55-65 साल की उम्र के बीच शुरू होती है। लेकिन 10-15 प्रतिशत मामलों में यह 50 साल से पहले भी हो सकता है, जिसे यंग ऑनसेट पार्किंसंस डिजीज कहा जाता है। आंकड़ों के मुताबिक पुरुषों में यह बीमारी महिलाओं की तुलना में 1.5 गुना अधिक देखी जाती है। फैमिली हिस्ट्री के कारण 40 साल से कम उम्र के लोगों में भी पार्किंसंस डिजीज बढ़ने की आशंका रहती है। आनुवांशिक या जीन म्यूटेशंस के कारण कई बच्चों में भी देखी जाती है, जिसे जुबेनाइल पार्किंसंस डिजीज कहते हैं। सिर में चोट लगने, दिमाग में सूजन, ब्रेन हैमरेज, ब्लड क्लॉटिंग, ब्रेन ट्यूमर से नर्वस सिस्टम में हुई क्षति से भी एक्वायर पार्किंसन होने की संभावना रहती है। कई बार कुछ दवाइयों के साइड-इफेक्ट की वजह से भी मरीज में किसी भी उम्र में आ सकती है। विषाक्त पदार्थों, कीटनाशकों और रसायनों के संपर्क में आना पार्किंसंस के जोखिम को बढ़ाता है।

रोग के प्रमुख लक्षणः शुरुआती अवस्था में मरीज के हाथों में झनझनाहट होना, हाथ-पैरों में अनियंत्रित कंपकपी होना खासकर आराम करते हुए भी एक हाथ में कंपन होना, विभिन्न अंगों की मांसपेशियों में अकड़न आना और दर्द महसूस होना जिससे चलने-फिरने में दिक्कत आना, बैलेंस न बना पाने और गिरने का डर रहना, आवाज धीमी हो जाना, सुनने की शक्ति कम होना, कमर आगे की तरफ झुकना, स्लोनेस आना यानी काम करने और चाल में धीमापन आना, बच्चे जैसे छोटे कदम लेकर चलना। समुचित उपचार न मिलने पर मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है- मरीज के बोलने, लिखने की क्षमता में कमी आना, खाना खाने के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना, मनोभ्रम रहना, तनाव, घबराहट रहने के कारण दिनचर्या के काम ठीक तरह न कर पाना। एंग्जाइटी या डिप्रेशन के भी शिकार हो सकते हैं।

कैसे होता है डायग्नोज

व्यक्ति में ऐसे लक्षण दिखें, तो यथाशीघ्र न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर को कंसल्ट करना चाहिए। पार्किंसंस की पुष्टि के लिए क्लीनिकल डायग्नोज किया जाता है। मरीज की केस हिस्ट्री, लक्षण, जांच से पता लगाया जाता है कि मरीज पार्किंसंस की किस अवस्था में है? बीमारी से उसकी दिनचर्या और गतिविधियां कितनी प्रभावित हैं? एमआरआई, सिटी स्कैन भी कराया जाता है।

उपचार के तरीके

मरीज की स्थिति के हिसाब से मेडिकल मैनेजमेंट यानी दवाइयों के जरिए बीमारी मैनेज की जाती है। कोशिश होती है कि मरीज स्वाबलंबी बने, अपने दैनिक कार्य करने योग्य हो और जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हों। प्रारंभिक अवस्था में ब्रेन में डोपामाइन को बढ़ाने वाली और पार्किंसंस के लक्षणों को नियंत्रित करने वाली दवाइयां दी जाती हैं। मरीज की फिजियोथेरेपी भी कराई जाती है ताकि उसकी मांसपेशियों की ताकत, बैलेंस और कॉर्डिनेशन में सुधार हो। ऑक्यूपेशनल थेरेपी भी दी जाती है। 8-10 साल बाद दवाइयों का असर कम होने या पार्किंसंस की एडवांस स्टेज में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रिया भी अपनाई जाती है। मरीज की स्थिति के आधार पर डीप ब्रेन स्टीमुलेशन नामक प्रक्रिया में मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड लगाए जाते हैं, जो पार्किंसंस के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

इन बातों का भी रखें ध्यान

समुचित उपचार के साथ पार्किंसंस के मरीज को स्थिति से उबरने के लिए परिवार और नजदीकी लोगों के पूरे सपोर्ट और देखभाल की जरूरत होती है। जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दी गई मेडिसिन को समय पर देनी चाहिए। मरीज के लक्षणों पर नजर रखनी चाहिए और समय-समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना चाहिए। सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। एक्सरसाइज पार्किंसंस में सबसे बेस्ट डिजीज मॉडीफाइंग ट्रीटमेंट मानी जाती है। नियमित व्यायाम, शारीरिक गतिविधियों, डांस, योग और स्ट्रेचिंग से लचीलापन और बैलेंस कायम करने में मदद मिलती है। मरीज को पोषक और संतुलित आहार देना चाहिए। यथासंभव वसायुक्त आहार कम, फाइबर से भरपूर आहार देना चाहिए। यह पाचन तंत्र को सही रखने और वजन नियंत्रित रखने में मददगार है। ताजे फल-सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा आहार में शामिल करना चाहिए। स्वस्थ वसा (जैसे- ओमेगा-3 फैटी एसिड) और प्रोटीन से भरपूर आहार जैसे मछली, अंडे, दालें और नट्स भी फायदेमंद होते हैं। रोगी के हाइड्रेशन का ध्यान रखना चाहिए। पाचन संबंधी समस्याओं से बचने के लिए रोजाना 6-8 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। तनाव प्रबंधन के लिए मेडिटेशन, योग और अन्य तनाव प्रबंधन तकनीकों को अपनाना सहायक होता है।

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

यह तो हम सभी जानते हैं कि ड्राई फ्रूट्स हेल्थ के लिए यूजफुल होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि इनको भोजन के ऑप्शन के तौर पर सेवन किया जाए। ड्राई फ्रूट्स का सेवन कब अधिक फायदेमंद होता है, आपको जरूर जानना चाहिए।

तभी होगा फायदेमंद ड्राई फ्रूट्स का सेवन

एक समय ऐसा था जब व्रत, त्योहार में ही लोग ड्राई फ्रूट्स खाया करते थे और इनके पोषण के स्तर को देखते हुए इन्हें ताकत से भरपूर माना जाता था। इसीलिए हमारे पारंपरिक भोजन में बादाम, अखरोट, खजूर, छुहारे, काजू, किशमिश, पिस्ता, अंजीर का भरपूर इस्तेमाल होता था। आजकल ड्राई फ्रूट्स का भोजन में काफी इस्तेमाल होने लगा है।

वेट लॉस में सहायक

आजकल ड्राई फ्रूट्स डाइट का इस्तेमाल शरीर को स्वस्थ रखने और वजन घटाने के लिए भी किया जाता है। फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट से भरे ड्राई फ्रूट्स भूख को नियंत्रित तो करते ही हैं, हमारे मेटाबॉलिज्म को भी बढ़ाते हैं। वजन घटाने में इनका काफी इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए लोग बादाम, अखरोट और पिस्ते को फाइबर और प्रोटीन के लिए खाते हैं। इससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ये मेवे हमारे मेटाबॉलिज्म को तीव्र करते हैं। खजूर, किशमिश और अंजीर प्राकृतिक रूप से काफी मीठे होते हैं, उनको खाने के बाद मीठा खाने की इच्छा कम हो जाती है। ये विटामिन और मिनरल का स्रोत हैं जो हमारे शरीर की कमजोरी को दूर करके उसे मजबूत बनाते हैं।

भोजन का विकल्प नहीं

जो लोग इसे खाने के तौर पर खाते हैं, तो उनके लिए यह सुझाव है कि इसको पूर्ण संतुलित आहार नहीं माना जा सकता। हालांकि ड्राई फ्रूट्स हमारी हृदय की सेहत के लिए अच्छे होने के साथ-साथ सुपाच्य भी होते हैं। इसके बावजूद इनमें उतने पोषक तत्व नहीं होते, जो हमारे भोजन में होते हैं। हां, इनका इस्तेमाल हम कंप्लीट मील के विकल्प के तौर पर कभी-कभी कर सकते हैं। ड्राई फ्रूट्स का अगर ज्यादा मात्रा में सेवन किया जाए तो शरीर में ज्यादा फाइबर और शुगर के कारण अपच या पेट में गैस हो सकती है। क्योंकि इनमें मौजूद वसा, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स इन्हें पोषण से भरपूर बनाते हैं, लेकिन इनका कम मात्रा में सेवन करना चाहिए, क्योंकि इनमें कैलोरीज ज्यादा होती है। किसी भी कंडीशन में ड्राई फ्रूट्स को दिन में खाए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं माना जा सकता। दरअसल, भोजन हमारे शरीर में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा की आपूर्ति करते हैं और हमारे मेटाबॉलिज्म को स्थिर रखते हैं। ड्राई फ्रूट्स खाने भर से हमारे शरीर में इन तत्वों की आपूर्ति नहीं हो सकती। विभिन्न अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि बादाम में मौजूद अनसैचुरेटेड फैटी एसिड और विटामिंस हमारे मस्तिष्क की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस घटाकर हमारी स्मरणशक्ति को बढ़ाते हैं। सीमित मात्रा में अगर ड्राई फ्रूट्स का सेवन किया जाए तो ये हमारे लिए फायदेमंद हैं। लेकिन चीनी से भरे ड्राई फ्रूट्स जैसे किशमिश और खजूर की मात्रा सीमित रखनी चाहिए। वैसे भी ये दोनों ड्राई फ्रूट्स नेचुरल शुगर का भंडार होते हैं। इनको खाने के बाद हमारे दांतों से ये चिपक जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया की वृद्धि होती है। इसलिए इनको लेने के बाद पानी, पीना चाहिए और दांतों को अच्छी तरह साफ रखना चाहिए।

कितनी मात्रा है सही

हमें प्रतिदिन लगभग 20 से 30 ग्राम मिक्स ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। बच्चों को इससे कम मात्रा देनी चाहिए। वयस्कों के लिए पानी में भीगे 5 से 7 बादाम और 2 अखरोट के टुकड़े सुबह के समय लेने चाहिए, जो हमारे दिल और दिमाग की सेहत के लिए अच्छे होते हैं। महिलाओं को आयरन और कैल्शियम में लिए खजूर और अंजीर खाने चाहिए। स्टेमिना के लिए पुरुष पिस्ता और अखरोट ले सकते हैं। बादाम, अखरोट और अंजीर को अगर रात में पानी में भिगो दिया जाए तो ये सुपाच्य होते हैं और इनमें मौजूद पौष्टिकता भी बढ़ जाती है। ड्राई फ्रूट्स को सुबह खाली पेट या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए।

कैसे और किस समय खाएं ड्राई फ्रूट्स

- ड्राई फ्रूट्स की मात्रा पर ध्यान देना सबसे जरूरी है। वयस्कों के लिए इनकी मात्रा 20 से 30 ग्राम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।
- बादाम, अखरोट और अंजीर को सुपाच्य बनाने के लिए पूरी रात पानी में भिगोकर रखना चाहिए।
- इसे सुबह के समय या दोपहर के भोजन के बाद लेना चाहिए। ध्यान रखें ड्राई फ्रूट्स मुख्य भोजन की जगह पर ऑप्शन के तौर पर नहीं लेने चाहिए।
- सूखे मेवों को योगर्ट, फ्रूट, सलाद, दालों के साथ लेना चाहिए ताकि शरीर में फाइबर और माइक्रो न्यूट्रिएंट्स का संतुलन बना रहे।
- तले, नमकीन या मीठे ड्राई फ्रूट्स लेने से बचें, क्योंकि इनमें शुगर और सोडियम का स्तर ज्यादा होता है।

अगर अधिक मात्रा में करें सेवन

- ड्राई फ्रूट्स में कैलोरी ज्यादा होती हैं। इससे वजन बढ़ता है और यदि इसकी मात्रा पर ध्यान न दिया जाए तो ब्लड शुगर भी बढ़ता है।
- इनके साथ प्रोटीन, कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और पानी की जरूरत होती है, ताकि यह शरीर की मसल्स को रिपेयर कर सकें।
- इनकी ज्यादा मात्रा भोजन को असंतुलित बनाती है। इसलिए ड्राई फ्रूट्स के साथ मोटे अनाज, दालें और सब्जियां ही लेनी चाहिए, लेकिन सीमित मात्रा में।
- कई ड्राई फ्रूट्स में ओमेगा-3 और ओमेगा-6 कम मात्रा में होता है। अगर इनकी ज्यादा मात्रा ली जाती है तो अपच और पेट में गैस जैसी समस्या हो सकती है।
- डायबिटीज, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, किडनी संबंधी गंभीर बीमारियां और पाचन संबंधी रोगों से ग्रस्त व्यक्ति या जिन्हें ड्राई फ्रूट्स से एलर्जी हो, ऐसे लोगों को ड्राई फ्रूट्स नहीं खाने चाहिए। *

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की बैठक, आधा दर्जन जिलों में कार्यकारिणी गठित नहीं

कार्यकारिणी गठित नहीं होने पर पीसीसी नाराज, एक सप्ताह में पूरा करने का फरमान

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्षों और प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में हुई। बैठक में राज्य के सभी जिलों के अध्यक्ष, पीआर प्रभारी मौजूद थे। वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जिलाध्यक्षों से बूथ स्तर से लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी की जानकारी मांगी गई, इस दौरान कार्यकारिणी गठन की धीमी प्रक्रिया पर पीसीसी ने कड़ी नाराजगी जताई।

वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा, जिला कार्यकारिणी, बूथ कमेटी और पंचायत कमेटियों का गठन तय समयसीमा तक कर लिया जाए। कार्यकारिणी गठन की धीमी प्रक्रिया के चलते संगठन के अन्य टास्क समय पर पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, रविंद्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, डॉ. शिवकुमार डहरिया सहित संगठन के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बताया जा रहा है कि जिला कार्यकारिणी के गठन में एआईसीसी के निर्देशानुसार केवल 31 ही सदस्यों की अनुमति मिली है, जिसके चलते ही कार्यकारिणी गठन में लेटलतीफी सामने आ रही है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और स्थानीय वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बड़े विधानसभा वाले जिलों में सिर्फ 31 सदस्यों की कार्यकारिणी गठन करना मुश्किल है। संगठन के

नेताओं में इससे नाराजगी बढ़ेगी, इसलिए लगभग आधा दर्जन जिलों में कार्यकारिणी गठन को रोककर रखा गया है। चर्चा इस बात को लेकर भी है कि कई जिलों में कार्यकारिणी गठन का पेंच स्थानीय वरिष्ठ नेताओं के खींचतान की वजह से भी फंसा हुआ है। एआईसीसी ने जिला कार्यकारिणी गठन की संख्या 51 से घटाकर 31 सदस्यों तक सीमित कर दी है।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पीसीसी ने जिलाध्यक्षों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 15 अप्रैल तक जिला कार्यकारिणी और बूथ कमेटी का गठन करने का अंतिम समय दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य की राजधानी रायपुर के शहर और ग्रामीण, बिलासपुर, अंबिकापुर, बलौदाबाजार समेत कई जिलों में कार्यकारिणी का गठन अब तक अटका हुआ है।

बैठक को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, एआईसीसी के निर्देश और पीसीसी के मार्गदर्शन में सभी जिलाध्यक्षों को जो जिम्मेदारियां और टार्गेट दिए गए थे, उनकी समीक्षा की गई। बैठक में सभी पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा भी की गई। बूथ गठन को लेकर विशेष चर्चा हुई है, वहीं विलेज कमेटियों का गठन तेजी से और बेहतर तरीके से आगे बढ़ रहा है। हालांकि अभी जिला कार्यकारिणी और ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन बाकी है, जिस पर जल्द काम पूरा किया जाएगा। सभी जिलाध्यक्षों को 15 अप्रैल को संगठन को लेकर नया टास्क दिया गया है, जिसके आधार पर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

हिमंता के बयान पर निंदा प्रस्ताव पारित

बैठक में पहला प्रस्ताव असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ निंदा प्रस्ताव के रूप में पारित किया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया, उनके बयान से करोड़ों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

मोहसिना किदवई के निधन पर शोक प्रस्ताव

दूसरे प्रस्ताव में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उनके लंबे राजनीतिक जीवन, कांग्रेस संगठन और देश के प्रति योगदान को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

रेप केस में बेटे की गिरफ्तारी का झांसा, सेवानिवृत्त इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट कर 80 हजार ठगे

साइबर ठगों ने डेढ़ लाख रुपए मांगे, बेटे से बात करने पर बुजुर्ग को मिली ठगी की जानकारी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

विद्युत विभाग के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर को अज्ञात जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट कर 80 हजार रुपए ठगी का शिकार बनाया। जालसाजों ने सेवानिवृत्त इंजीनियर को दिल्ली में इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस में कार्यरत बेटे की रेप केस में गिरफ्तारी के बाद उनकी भी गिरफ्तारी का भय दिखाकर ठगी कर ली। इंजीनियर बेटे से बात करने पर सेवानिवृत्त इंजीनियर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली। सेवानिवृत्त इंजीनियर ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ डीडीनगर थाने में ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

डीडीनगर सेक्टर-1 निवासी 68 वर्षीय अपराजिता प्रताप सिंह ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। साइबर ठगों ने अपराजिता के साथ 4 अप्रैल को डिजिटल अरेस्ट कर उन्हें ठगी का शिकार बनाया था। अपराजिता ने पुलिस को बताया है कि उसके पास घटना दिनांक को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने अपने आपको दिल्ली पुलिस का अधिकारी बताया। कॉल करने वाले ने बुजुर्ग सेवानिवृत्त इंजीनियर को धमकाते हुए कहा कि उनके बेटे की रेप केस में गिरफ्तारी हुई है। साइबर अपराधी ने अपराजिता को अपने बेटे को बचाने के नाम पर तत्काल बताए गए अकाउंट में डेढ़ लाख रुपए जमा करने के लिए कहा।

घबराए पिता ने डर के मारे ट्रांसफर किए 80 हजार

अपराजिता का बेटा दिल्ली में क्लास वन अफसर है। ऐसे में रेप केस में गिरफ्तारी की डर से बुजुर्ग बुरी तरह से डर गया। साइबर अपराधियों ने पैसे नहीं देने पर बुजुर्ग को भी झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। साथ ही उन्हें डिजिटल अरेस्ट करने का भय दिखाया। बुरी तरह से सहमे अपराजिता ने डर के मारे अलग-अलग किस्तों में जालसाजों के अकाउंट में 80 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

आशंका होने पर बेटे को किया कॉल

जालसाजों के अकाउंट में 80 हजार रुपए ट्रांसफर करने के बाद अपराजिता को अपने साथ ठगी होने की आशंका हुई। इसके बाद बुजुर्ग ने अपने बेटे को कॉल किया। कॉल करने पर अपराजिता को उनके बेटे ने अपने सकुशल होने की जानकारी दी। तब अपराजिता राहत की सांस लेते हुए अज्ञात साइबर अपराधी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। बैंक डिटेल के आधार पर पुलिस आरोपियों की पतासाजी कर रही है।

बिना टेस्टिंग बिछाई जा रही 4.50 करोड़ की पाइपलाइन, महापौर ने लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

नगर निगम जोन-9 क्षेत्र के अंतर्गत लभांडी क्षेत्र में पंद्रहवें वित्त आयोग मद के तहत चल रहे कार्यों का महापौर मीनल चौबे ने बुधवार को जायजा लिया। इस दौरान अनुबंधित एजेंसी कोया एंड कंपनी हैदराबाद के प्रतिनिधि साइट आफिस और लैब के बारे में संतोषजनक जवाब नही दे सके। बिना टेस्टिंग बिछाई जा रही 4.50 करोड़ की पाइप लाइन को लेकर महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों और ठेका एजेंसी के प्रतिनिधि को जमकर फटकार लगाई। वहीं जल कार्यों में लापरवाही को लेकर महापौर भड़क उठीं, औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह पाया कि 1600 मीटर पाइपलाइन की टेस्टिंग मार्च माह तक पूरी हो जानी थी, वह काम अधूरा पड़ा है। मौके पर टेस्टिंग की कोई सुविधा भी मौजूद नहीं दिखी।

- लभांडी क्षेत्र की नई पानी टंकी से इंटरकनेक्शन का मामला, जल कार्य में लापरवाही

दरअसल लालबहादुर शास्त्री वार्ड के लभांडी और फुंडहर में पेयजल संकट से जूझ रहे रहवासियों की समस्या दूर करने नगर निगम द्वारा अमृत मिशन के तहत 4 साल पूर्व नई पानी टंकी का निर्माण कराया गया, पर फंड खत्म हो जाने से राइजिंग लाइन से टंकी को कनेक्ट करने और वार्डवासियों के घरों तक इंटर कनेक्शन कर पाइपलाइन बिछाने का काम नहीं हो सका। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर पंद्रहवें वित्त आयोग मद में लभांडी पानी टंकी से वहां के रहवासियों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने ऑनलाइन टेंडर में हैदराबाद की एजेंसी को इस कार्य के लिए अनुबंधित किया गया है। अनुबंधित एजेंसी को मार्च माह की तक काम पूरा करने के बाद 1600 मीटर पाइपलाइन की टेस्टिंग करनी थी, पर यह काम अधूरा पड़ा है। स्थल निरीक्षण पर पहुंची महापौर मीनल चौबे ने लापरवाही को लेकर अनुबंधित एजेंसी और निगम के संबंधित विभागीय अधिकारी पर नाराजगी जताई। मीनल चौबे ने 4.50 करोड़ रुपए के भुगतान को लेकर अधिकारी को घेरा। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि बिना टेस्टिंग पाइपलाइन बिछाने की गलती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लभांडी में नई पानी टंकी में इंटरकनेक्शन और राइजिंग लाइन से टंकी कनेक्ट करने के काम में लापरवाही बरती जा रही थी, औचक निरीक्षण के दौरान महापौर मीनल चौबे ने पाया कि स्थल पर पाइपलाइन का प्रेशर जांचने के लिए बिना तैयारी के काम चल रहा था, मौके पर उपकरण गायब थे। पानी के प्रेशर जांच के लिए आवश्यक हाइड्रो टेस्टिंग पंप और प्रेशर गेज साइट पर उपलब्ध नहीं थे। महापौर ने अधिकारी से सीधे सवाल किया कि जब कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हो रहा है तो अनुबंधित एजेंसी को 4.50 करोड़ रुपए का भुगतान किस आधार पर हुआ? उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यस्थल पर केवल आवश्यक सामग्री ही रखी जाए और अतिरिक्त सामग्री का कोई भी भुगतान नगर निगम की ओर से नहीं किया जाएगा।

...तो करेंगे सख्त कार्यवाही

महापौर मीनल चौबे ने निर्माण एजेंसी को तत्काल साइट आफिस और लैब स्थापित करने निर्देश दिए हैं, साथ ही संबंधित अधिकारी को स्पष्ट कहा गया कि गुणवत्ता में समझौता होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ पर्यावरण संरक्षण मंडल
Email add- hocecb@gmail.com

विज्ञप्ति क्र. /स्था./ छ.ग.प.सं.म. /2026 रायपुर, दिनांक / /2026

// विज्ञापन //

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में प्रयोगशाला परिचारक के रिक्त पदो पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति करने के लिये ऑनलाईन आवेदन पत्र छत्तीसगढ़ व्यावयायिक परीक्षा मंडल, नवा रायपुर की वेबसाईट https://vyapamcg.cgstate.gov.in पर आमंत्रित किये जायेंगे। विज्ञापन के संबंध में अधिक जानकारी के लिये आप छत्तीसगढ़ व्यावयायिक परीक्षा मंडल, नवा रायपुर के वेबसाईट https://vyapamcg.cgstate.gov.in का अवलोकन करें।

क्र	पदनाम	वेतनमान	श्रेणी	सीधी भर्ती के रिक्त पद							
				कुल रिक्त पद	संवर्ग	कुल रिक्तयो की संख्या	कुल रिक्तियों में छ.ग. के स्थानीय निवासी महिला हेतु	कुल रिक्तियों में छ.ग. के स्थानीय निवासी भू.पू.सै. हेतु	कुल रिक्तियों में छ.ग. के स्थानीय निवासी दिव्यांगजनों हेतु	न्यूनतम एवं अधिकतम आयु सीमा	शैक्षणिक योग्यता
1	प्रयोगशाला परिचारक	वेतन मैट्रिक्स लेवल 3	चतुर्थ	17	अनारक्षित	07	02	01	01	न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु राज्य शासन द्वारा समय-सम य पर जारी निर्देशों /प्रावधानों के अनुसार होगी।	माध्यमिक शिक्षा मण्डल से विज्ञान विषय के साथ हायर सेकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण।
					अनु.ज.जा.	06	01	01			
					अ.जा.	02	0	0			
					अ.पि.व.	02	0	0			

नोट :- AAV - तेजाब हमला पीड़ित, OA-एक हाथ से नि:शक्त, OL- एक पैर से नि:शक्त, HH कम एवं उंचा सुनना, DW -बौनापन, BL - दोनो पैर से नि:शक्त, LC कुष्ठ रोग से मुक्ति।

उपरोक्त विज्ञापित पदों के लिये की जाने वाली चयन प्रक्रियाएँ माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली के एस.एल.पी.(सी) क्रमांक 19668/2022 के अंतिम आदेश / निर्णय के अध्यधीन होंगी।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर

सं. 47440

कार्यालय संचालक पिलखा क्षीर उत्पादक, सहकारी समिति मर्यादित सिलफिली, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
Email-www.surajpur.nic.in, drda.surajpur@gmail.com
Phone/Fax:00777-266152

क्रमांक /06 / पि.क्षी./जि.पं./2026 सूरजपुर दिनांक 02/04/2026

पिलखा क्षीर उत्पादक, सहकारी समिति मर्यादित सिलफिली, जिला सूरजपुर (छ.ग.) तहत ग्राम सिलफिली जिला सूरजपुर में स्थापित दूध संयंत्र इकाई को किराये के माध्यम से संचालन हेतु रूचि की अभिव्यक्ति (EOI) के लिए केन्द्रीय सरकारी/स्वायत संस्थाएं, प्रमुख राज्य सहकारी संस्था, अन्य सरकारी/सहकारी संस्थाएं, सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त संस्थाएं/समिति, महिला स्व-सहायता समूह, इच्छुक व्यक्ति/संस्था तथा कम्पनी से निविदा आमंत्रण दिनांक 22/04 /2026 शाम 5.00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

रुचि की अभिव्यक्ति (EOI) का विस्तृत विवरण/नियम व शर्ते सूरजपुर जिले के अधिकृत बेबसाइट https://surajpur.nic.in पर उपलब्ध है। इसे कार्यालयीन समय में कार्यालय में भी देखा जा सकता है।

संचालक
सह उपायुक्त सहकारिता एवं
उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं एवं पिलखा क्षीर
उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित
सिलफिली-सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

संवाद-47445

कांग्रेस मोहब्बत की दुकान बोलकर, फैला रही है नफरत का कचरा : श्रीवास्तव

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे द्वारा एक जनसभा में दिए गए भाषण, जिसका वीडियो भी वायरल हो रहा है, को लेकर छत्तीसगढ़ में भी जमकर बवाल हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान की तीखी निंदा की है तथा कहा है कि यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। कांग्रेस को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि कांग्रेस के नेता मोहब्बत की दुकान की बातें करते रहे हैं और इसका खूब प्रचार किया गया, अब दिख रहा है कि मोहब्बत की दुकान से यह लोग नफरत का कितना अधिक कचरा फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बहुसंख्यक वर्ग को नीचा दिखाकर कांग्रेस कभी भी सत्ता में नहीं आ सकेगी। श्री श्रीवास्तव ने कहा है कि कांग्रेस के नेता आखिर ऐसा बोल कैसे लेते हैं, इन लोगों में इतना साहस कहां से आता है। क्या इन लोगों को यह नहीं मालूम कि इसका उन्हें, सभी क्षेत्रों में बहुत करारा जवाब मिलेगा। इनके नेताओं के भाषणों से यह साफ हो जाता है कि यह लोग देश को तोड़ने वाले लोग हैं और इन लोगों को भारत देश के हितों की कोई चिंता नहीं है।

ई-नीलामी विक्रय सूचना
निलामी की तिथि एवं समय :- 15-मई-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

स. क्र.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) ब्याना जमा राशि (रु.) / (G) बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री चक्रवर्ती कुणाल,** मकान नं. 123/पी, पारिजात मोंगरा जूही ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत। **श्री चक्रवर्ती कुणाल,** टाइडल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, घाटकोपर-वेस्ट, ए-101, घाटकोपर इंडस्ट्रियल एस्टेट, एलबीएस मार्ग, घाटकोपर-वेस्ट मुंबई - 400086 **श्रीमती चक्रवर्ती तृप्ति,** मकान नं. 123/पी, पारिजात मोंगरा जूही ब्लॉक बी, तालपुरी, दुर्ग, तालपुरी वार्ड 63, भिलाई नगर, दुर्ग - छत्तीसगढ़, पिन - 491001 - भारत।	₹ 4,77,291/- 31 अगस्त 24* की स्थिति में	फ्लैट-123/O, मंजिल-3, पारिजात अपार्टमेंट्स, स.क्र., ट्विन सिटी, तलपुरी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आमदी; रुआबन्धा; भिलाई छ.ग., कुल निर्मित क्षेत्रफल-365.19 वर्ग फुट (33.94 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-21.170860, लांगिट्यूड-81.323730.**	भौतिक	₹ 6,33,000/-	₹ 63,300/- / ₹ 5,000/-
2.	**श्री देवांगन जगत राम,** जुगनूबाई कॉलोनी, संतोषी नगर, रायपुर - 492001. **श्री देवांगन जगत राम,** श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी लिमिटेड, ग्राम पंडलोई, लपांगा, संबलपुर - 761016. **श्रीमती देवांगन कमला बाई,** पत्नी जगत राम देवांगन, मकान नंबर 494/1, वार्ड नंबर 20 नीम चौक, देवांगन मोहल्लाकुरूद, चांपा - जांजगीर चांपा - 495671.	₹ 23,07,161/- 31 दिसम्बर 24* की स्थिति में	परिवर्तित रिहायशी प्लॉट निर्माण सहित क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट,खसरा नं. 15002/1, भाग-मौजा-कुम्हारी, प्लॉट नं. 667 अविनाश ट्विन सिटी, प.ह.नं.-53, रानिमं-अहिवारा एवं तहसील धमधा, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं चौहद्दी-उत्तर में भूमि संख्या 668, दक्षिण में भूमि संख्या 666, पूर्व में भूमि संख्या 1227 और पश्चिम में रोड कॉलोनी से घिरा हुआ है। भूखंड का क्षेत्रफल 1000 वर्ग फुट (92.90 वर्ग मीटर) है। **लेटिट्यूड-21.25988, लांगिट्यूड- 81.536753.**	भौतिक	₹ 33,30,000/-	₹ 3,33,000/- / ₹ 5,000/-
3.	**श्री कुमार पंकज,** मकान/भवन/अपार्ट.:288के, ग्राम/नगर/शहर मोहल्ला, भाठा, जिला- बलौदा बाजार पोस्ट मोहभट्ठा राज्य छत्तीसगढ़, मोहभट्ठा - बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ - 493113. **श्री कुमार पंकज,** सुश्री पंकज पांजरिया, मकान नं. 288 के, मोहभट्ठा, मोहभट्ठा - बलौदा बाजार - 493113. **श्रीमती पंजियारा बिन्दु कुमारी** उपनाम श्रीमती साह बिन्दु कुमारी, मकान नं. 288 के, मोहभट्ठा, बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़, पिन-493113.	₹ 15,30,550/- 31 दिसम्बर 24* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की फ्लैट, क्षेत्रफल 499 वर्गफीट, खसरा नं. 303/2, 303/10 भाग, 303/115 ग्राम मौजा-जांजगीर, फ्लैट नं.-508, 2बी.एच.के., ब्लॉक-बी, पांचवा तल, साई विलाज़ एंड अपार्टमेंट्स, प.ह.नं.44/49, रानिमं.-अहिवारा, तह.-धमदा एवं जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में स्थित एवं चौहद्दी-उत्तर में खुला आकाश, दक्षिण में फ्लैट संख्या 507, पूर्व में फ्लैट संख्या 506 एवं पश्चिम में खुला आकाश। कुल निर्मित क्षेत्रफल = 499 वर्ग फुट (46.37 वर्ग मीटर)। **लेटिट्यूड-21.241649, लांगिट्यूड-81.479512.**	भौतिक	₹ 1752000/-	₹ 1,75,200/- / ₹ 5,000/-
4.	**श्री रोक्कम श्रीधर,** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई-493441. **श्री रोक्कम श्रीधर** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001. **श्रीमती आर. रजनी** 558 पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बी.एम.वाई., चरोदा वार्ड 20, भिलाई चरोदा दुर्ग, भिलाई-493441. **श्रीमती आर. रजनी** मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001.	₹ 9,23,756/- 31 जनवरी 25* की स्थिति में	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की यूनिट-एल-76, जिसका क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट है, खाता संख्या 323, खसरा संख्या 88/2 भाग, लोटस सिटी, प.ह.नं.-4, रानिमं.-भिलाई-3, ग्राम-परसदा, तहसील-पाटन एवं जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ में स्थित है। चौहद्दी-उत्तर में प्लॉट संख्या एल-65, दक्षिण में रास्ता, पूर्व में प्लॉट संख्या एल-75 एवं पश्चिम में प्लॉट संख्या एल-77, कुल निर्मित क्षेत्रफल 690 वर्ग फुट (64.12 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-21.236783, लांगिट्यूड-81.521741.**	भौतिक	₹ 13,81,000/-	₹ 1,38,100/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 23-अप्रैल -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-13-मई -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का प्रकटीकरण: एचडीएफसी के अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई भार नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 09 अप्रैल, 2026
स्थान: भिलाई, दुर्ग
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

ई-नीलामी विक्रय सूचना
निलामी की तिथि एवं समय :- 30-अप्रैल-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

स. क्र.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) ब्याना जमा राशि (रु.) / (G) बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री गुप्ता घनश्याम दास,** मकान नंबर-99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव - छत्तीसगढ़, पिन - 491441 - भारत। **श्री गुप्ता घनश्याम दास,** गुप्ताजी रस्सीवाला हार्डवेयर, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव - 491441& **श्री गुप्ता संदीप,** मकान नंबर-99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव - छत्तीसगढ़, पिन - 491441 - भारत **श्रीमती गुप्ता पूर्णिमा,** मकान नंबर-99, वार्ड 25, सिनेमा लाइन, राजनांदगांव - छत्तीसगढ़, पिन - 491441 - भारत।	₹ 11,13,473/- 30 जून 24* की स्थिति में	खसरा 312/22/छ, {312/22, 313/11, 314/12, 315/20, 316/12} पुराना प.ह.नंबर 34, कॉलोनी मोतीपुर तुलसीउर, जिला राजनांदगांव, राजनांदगांव छ.ग. खुला प्लॉट, क्षेत्रफल (बिक्री विलेख के अनुसार):- 1262 वर्ग फुट (117.28 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल (वास्तविक स्थल के अनुसार):- 1050 वर्ग फुट (97.58 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड-21.101545, लांगिट्यूड-81.020273.**	भौतिक	₹7,35,000/-	₹73,500/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 17-अप्रैल -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-28-अप्रैल -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: एचडीएफसी के अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित परिसंपत्तियों के संबंध में कोई भार नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 09 अप्रैल, 2026
स्थान: राजनांदगांव
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

हाईकोर्ट ने करंट से हाथियों की मौत मामले में एसीएस से शपथ पत्र साथ मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

प्रदेश में लगातार बिजली करंट से हाथियों की मौत घटना मामले को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि उपरोक्त घटनाएं किन परिस्थितियों में हुई और विभाग द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 5 मई को निर्धारित की गई है।

■ 5 मई को होगी अगली सुनवाई

छत्तीसगढ़ में लगातार बिजली करंट से हो रही हाथियों की मौत की घटनाओं को चीफ जस्टिस ने गंभीरता से लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है। बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच में जनहित याचिका की सुनवाई हुई। याचिका में हस्तक्षेपकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी की तरफ से कोर्ट में मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि 12 मार्च को दो हाथी शावकों की करंट लगने से रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र में मौत हो गई। 14 मार्च को सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में खेत में करंट का तार लगाने से एक हाथी की मौत हो गई। मार्च में ही सारंगढ़ बिलाईगढ़ में जंगली सूअर के शिकार के लिए लगाए गए अवैध बिजली करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। 26 मार्च को मैनपाट क्षेत्र में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए तरंगित तार की चपेट में आने से एक युवक और एक लोमड़ी की मौत हो गई। कोरबा के सकोदा जंगल में 11 केवी करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो शावक सहित मादा भालू की मौत हो गई। हाईकोर्ट ने अपर मुख्य सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि उपरोक्त घटनाएं किन परिस्थितियों में हुई और विभाग द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं। जनहित याचिका की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 5 मई की तिथि निर्धारित की है।

जेलों में 33 कैदियों की मौत मामले में डीजी से मांगा हलफनामा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के जेलों में एक साल भीतर 33 कैदियों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए जेल महानिदेशक से हलफनामा मांगा है। अधिकांश मौतें बीमारी या हृदय, गुर्दा खराब होने के कारण बताई गई है। लेकिन 22 मामलों में पोस्टमार्टम रिपोर्ट लंबित है। इस मामले में अगली सुनवाई 15 अप्रैल तय की गई है। हाईकोर्ट ने कैदियों की बढ़ती मौतों पर गंभीर चिंता जताई है। जेल महानिदेशक के हलफनामे में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में देरी और आरोपों की गंभीरता का उल्लेख किया गया है। इसी बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी जेल में हुई मौतों और चिकित्सा सुविधाओं पर विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है, जिससे राज्य में हिरासत की स्थितियों में हो रही मौत की जांच तेज हो गई है। हाईकोर्ट ने विभिन्न जेलों में कैदियों की मृत्यु दर में वृद्धि दर्शाने वाली रिपोर्ट को स्वतः संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका के रूप में सुनवाई प्रारंभ की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने महानिदेशक कारागार को इस मामले में व्यक्तगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार बिलासपुर केन्द्रीय जेल में सबसे अधिक 10 मौतें दर्ज की गई। दुर्ग जेल में 8 मौते और अंबिकापुर जेल में 5 मौत तथा जगदलपुर एवं गरियाबंद में 2-2 कैदियों की मौत दर्ज की गई। धमतरी, बलरामपुर, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़ और कांकेर से एक-एक कैदियों की मौत हुई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बीमार पड़ने पर इनमें से कई कैदियों को छत्तीसगढ़ चिकित्सा विज्ञान संस्था सिम्स बिलासपुर या डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया था लेकिन वे बच नहीं पाए। कोर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने में देरी को लेकर नाराजगी जताई है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पिछले दो वर्षों में कैदियों की मृत्यु के संबंध में मुख्य सचिव और महानिदेशक जेल से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने कैदियों को उपलब्ध कराई गई चिकित्सा सुविधाओं पर भी सवाल उठाए हैं।

हाईकोर्ट ने रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव पर लगाई रोक

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने 17 अप्रैल को होने जा रहे रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव में पुरुषों को दिए गए 50 प्रतिशत आरक्षण के खिलाफ पेश याचिका पर सुनवाई के बाद पूरे चुनाव पर रोक लगा दी है। जस्टिस नरेश कुमार चन्द्रवंशी ने डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के बायलाज में पुरुष आरक्षण की जानकारी मागी, प्रतिवादी ऐसा कोई प्रावधान नहीं बता सकें। इसके बाद कोर्ट ने बार चुनाव पर स्थगन आदेश जारी किया है। रायपुर बार एसोसिएशन का चुनाव 17 अप्रैल को होना है। इस चुनाव को लेकर निर्वाचन अधिकारी ने पुरुषों के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित कर दिए थे। इससे एक नया विवाद खड़ा हो गया और रायपुर की महिला अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले में पैरवी कर रही अधिवक्ता हमीदा सिद्दकी ने कोर्ट को बताया कि संविधान में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशनुसार योगमाया मामला 30 प्रतिशत का आरक्षण निर्धारित किया गया है। न्याय के क्षेत्र में महिलाएं भी योगदान देती है प यहां महिलाओं के आरक्षण को छोड़ु पुरुषों को 50 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया है। इस पर पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिया था कि पुरुषों को दिए गए इस आरक्षण को तत्काल हटाया जाए नहीं तो कल ही सुनवाई में इस पर रोक लगा दी जाएगी। बताया गया कि जिला अधिवक्ता संघ रायपुर का कार्यकाल गत जनवरी 2026 को खत्म हो गया था। इसके बाद पूर्व पदाकिारी ने व्हाट्सएप ग्रुप में ही सहायक निर्वाचन अधिकारी और अपीलीय समिति बनाई गई। कोई सामान्य सभी नहीं बुलाई गई और 23 मार्च को प्रक्रिया पूरी कर ली गई। 24 मार्च को अधिसूचना जारी कर पुरुषों को नियमों के विपरीत 50 प्रतिशत आरक्षण दे दिया।

किराए के पानी टैंकर चलाने आधा दर्जन ठेकेदारों ने भरी निविदा, दस्तावेज परीक्षण के बाद ठेका

गुरुवार को तय होगी प्रति ट्रिप टैंकर किराए की दर, वार्डवार मंगाई सूची, टैंकर के लिए तय होंगे

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

शहर को टैंकर मुक्त करने का फंडा इस बार भी फिस्स हो गया है। नगर निगम के जल विभाग ने गर्मी के सीजन को देखते हुए जलसंकट प्रभावित इलाकों में किराये के टैंकर से पानी आपूर्ति के लिए ऑनलाइन टेंडर किया है। इस टेंडर में आधा दर्जन ठेकेदारों ने दिलचस्पी लेते हुए भाग लिया। बुधवार को संबंधित ठेकेदारों के लिफाफे खोलकर दस्तावेज परीक्षण किया जा रहा है। गुरुवार को सबसे कम रेट कोड करने वाली ठेका एजेंसी को ट्रिप के आधार पर किराए के पानी टैंकर चलाने का जिम्मा सौंपा जाएगा। पिछले साल की गर्मी में प्रति ट्रिप किराए के टैंकर की दर 495 रुपए तय की गई थी, इस बार डीजल-पेट्रोल के बढ़े दामों को देखते हुए प्रति ट्रिप टैंकर किराए की दर बढ़कर 525 रुपए तक होना अनुमानित है।

■ पिछले बार 495 रुपए प्रति ट्रिप की दर, इस बार 50 रुपए बढ़ सकती है

जल विभाग ने महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर जल विभाग अध्यक्ष संतोष-सीमा साहू के साथ मिलकर नगर निगम के दस जोन से जलसंकट संभावित क्षेत्रों की वार्डवार सूची मंगाई है। साथ ही किस क्षेत्र में कितने पानी टैंकर की जरूरत होगी, कौन-कौन से संभावित इलाके पाइंट के रूप में बनाए जाएंगे, इसके लिए वार्ड पार्षदों के माध्यम से जानकारी ली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, किराए के पानी टैंकर आउटर के वार्डों में चलाए जाएंगे। प्रति ट्रिप दर तय होते ही संबंधित जोन से वर्कआर्डर जारी किए जाएंगे।

प्रति ट्रिप दर तय होगी

किराए के पानी टैंकर चलाने ऑनलाइन टेंडर हुआ था, 6 ठेकेदारों ने कोटेशन दिया है, दस्तावेजों का परीक्षण कर रहे हैं। सबसे न्यूनतम दर वाली एजेंसी को प्रति ट्रिप टैंकर किराए के लिए अनुबंधित किया जाएगा। पिछले साल 495 रुपए की दर से स्वीकृति दी गई थी।

– नरसिंग फरेंद्र, ईई, जल विभाग, ननि रायपुर।

फैक्ट :

0 किराए के पानी टैंकर पर जल विभाग का कुल खर्च डेढ़ से दो करोड़

0 6 ठेकेदारों ने भरी निविदा किराये के पानी टैंकर चलेंगे

0 एक दिन में एक टैंकर से दस ट्रिप पानी आपूर्ति की शर्त

0 क्राइसिस वाले इलाके में भेजे जाएंगे किराए के टैंकर

युद्ध विराम संग छात्रों का मूल्यांकन प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पश्चिमी एशिया के उन देशों के कक्षा 12 छात्रों के लिए वैकल्पिक मूल्यांकन योजना के तहत अंक अपलोड करने का शेड्यूल जारी कर दिया है, जहां बोर्ड परीक्षाएं भू-राजनीतिक परिस्थितियां अर्थात युद्ध के कारण रद्द कर दी गई थीं। यह निर्णय प्रभावित छात्रों के रिजल्ट जारी करने की प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए लिया गया है। सीबीएसई द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, स्कूलों के लिए ऑनलाइन पोर्टल 8 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 तक खुला रहेगा। इस दौरान संबंधित स्कूल अपने लॉगिन के माध्यम से छात्रों के अंक अपलोड कर सकेंगे। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि सभी स्कूल नोटिफिकेशन-2 को ध्यान से पढ़ें और उसी के अनुसार प्रक्रिया पूरी करें। सीबीएसई ने साफ कहा है कि अंक अपलोड करते समय अत्यधिक सावधानी बरती जाए, क्योंकि बाद में किसी भी प्रकार की गलती या संशोधन के लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने भी समयसीमा का पालन करने पर जोर दिया है। सीबीएसई ने 16 मार्च से 10 अप्रैल 2026 के बीच होने वाली कक्षा 12 की परीक्षाएं बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे वेस्ट एशियाई देशों में रद्द कर दी थीं। यह फैसला वहां की असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए लिया गया था। नई नीति के तहत छात्रों का रिजल्ट इंटरनल असेसमेंट और 28 फरवरी 2026 तक हुई परीक्षाओं के प्रदर्शन के आधार पर तैयार किया जाएगा।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No:1508/WS/2026 Korba Dated 01.04.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/Description of Work	Probable Amount of Contract
1	188277 (1st Call)	Interconnection work from main pipe line to distribution pipe line (DI/GI) near dhyan chand chowk and darri barrage near pragati nagar	26.93 Lacs

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 01.04.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation,
Korba (C.G.)

शासन को जल्द हास्पिटल प्रारंभ करने दिए निर्देश

तखतपुर नगर के हास्पिटल को लिदरी गांव स्थानांतरित करने का मामला

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने तखतपुर नगर के पुराने हास्पिटल को नगर से सात किमी दूर लिदरी गांव में स्थानांतरित किए जाने के जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए शासन को जल्द स्वीकृति प्राप्त कर हास्पिटल प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

हाईकोर्ट चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ शासन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वह जल्द स्वीकृति प्राप्त कर तखतपुर नगर के पुराने हास्पिटल भवन में हास्पिटल प्रारंभ करें ताकि नगर की जनता को त्वरित इलाज मिल सकें। ज्ञात हो कि तखतपुर नगर के 50 वर्षो से भी ज्यादा पुराने सरकारी हास्पिटल को स्वास्थ्य विभाग ने उक्त जनहित याचिका में अपने बचाव में जवाब देकर नगर से 7 किलोमीटर दूर लिदरी गांव में स्थानांतरित करा दिया है। इससे नगर की जनता खासकर गरीब जनता को ईलाज के लिए अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे क्षुब्ध होकर नगर पालिका के पार्षद द्वय मुन्ना श्रीवास व शैलेन्द्र निर्मलकर तथा स्थानीय समाजसेवक द्वय लेखराम कौशिक व सुरेश मिश्रा ने अपने अधिवक्ता मिर्जा हफीज बेग के माध्यम से हाईकोर्ट को जनहित याचिका के माध्यम से नगर की उक्त पीड़ा के बारे में 11 फरवरी 2026 को पिछली सुनवाई के दौरान बताया था। जिसपर हाईकोर्ट ने उसे बहुत गंभीरता से लेते हुए नगर के पुराने हास्पिटल भवन में हास्पिटल प्रारंभ करने का निर्देश शासन को दिया था परन्तु अभी तक शासन ने नगर के पुराने हास्पिटल भवन में हास्पिटल प्रारंभ नहीं किया है जिसपर आज सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने चिंता और नाराजगी व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ शासन को हास्पिटल के लिए यथाशीघ्र स्वीकृति प्राप्त कर नगर के पुराने हास्पिटल भवन में हास्पिटल प्रारंभ करने का पुनः निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 6 मई को होगी।

पुलिस को चकमा देकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम के मुख्यमंत्री सरमा का पुतला फूंका

रायपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने जोरदार प्रदर्शन किया। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी चौक के पास एकत्रित होकर असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने पुतला दहन रोकने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रणनीति के तहत पहले एक पुतला जलाया, जिसे पुलिस ने छीन लिया।

राशिफल

मेष – वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष – आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

नगरीय निकायों के माध्यम से आश्रम-छात्रावासों के सेप्टिक टैंकों की हो सफाई

बजट का उपयोग नहीं कर पाए, चार जिलों के सहायक आयुक्त को शोकॉज नोटिस

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

आदिम जाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं, आय-व्यय तथा आगामी कार्ययोजनाओं सहित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई। प्रमुख सचिव ने विभागीय योजनाओं में बेहतर कार्य करने वाले जिलों की सराहना की, वहीं विभिन्न मदों के बजट आवंटन का सदुपयोग न करने वाले चार जिले बलौदाबाजार-भाटापारा, बेमेतरा, जशपुर और बिलासपुर के सहायक आयुक्तों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र को ध्यान में रखते हुए आश्रम छात्रावासों की व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। छात्रावासों में अग्निशमन यंत्र और सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने "प्रोजेक्ट संकल्प" के तहत विद्यार्थियों के सांस्कृतिक, मानसिक एवं नैतिक विकास को और मजबूत करने के लिए ध्यान और योग को भी शामिल करने की बात कही। इसके अलावा सेप्टिक टैंकों की सफाई मैनुअल तरीके से न कराकर, नगरीय निकायों के माध्यम से सक्शन मशीनों से कराने के निर्देश दिए।

बैठक में छात्रवृत्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर संतोष जताया गया। बताया गया कि नई व्यवस्था के तहत पिछले सत्र में 3.3 लाख विद्यार्थियों को माह दिसंबर तक छात्रवृत्ति की 72 प्रतिशत राशि और 99 प्रतिशत राशि 31 मार्च तक, सुगमतापूर्वक समय पर सीधे विद्यार्थियों के खातों में हस्तांतरित की गई। इसको और पारदर्शी बनाने के लिए जल्द ही पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा।

लंबित प्रकरणों का 15 दिन में करें निराकरण

वन अधिकार अधिनियम की समीक्षा करते हुए प्रमुख सचिव ने निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का 15 दिनों के भीतर ग्रामसभाओं के माध्यम से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने स्वीकृत परियोजनाओं को समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर क्षेत्र में पूर्व प्रस्तावित छात्रावासों का निर्माण अब प्राथमिकता से किया जाए।

इन योजनाओं के कार्य शीघ्र पूरा करें

बैठक में एकलव्य एवं प्रयास आवासीय विद्यालयों में एक भी सीट खाली न रहने के निर्देश दिए गए। साथ ही जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत उत्कृष्ट विद्यालयों के चयन पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, पीएम जनमन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष, देवगुड़ी एवं अखरा विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO: /38/15FC/RMC/2026 RAIPUR DATED : 08/04/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 04/05/2026 at 17:30 hours.

System Tender No.	Name of work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Time allowed for Completion
188640	Selection of Agency for Public Awareness Activity and Customized IEC Activities Related to My Bharat Portal Under 15th Finance Commission (FY 2024-25)	50.00 Lakhs	5,000/-	38,000/-	12 months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate. gov.in from 08/04/2026, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:-
1. All eligible / interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No.* 18004199140 or through Email ID *helpdesk.eproc@cgswan.gov.in*
3. For More Details please download NIT details.
4. Contact No. 7580888088

घरों से निकलने वाले गीला व सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

शब्द पहेली - 6190

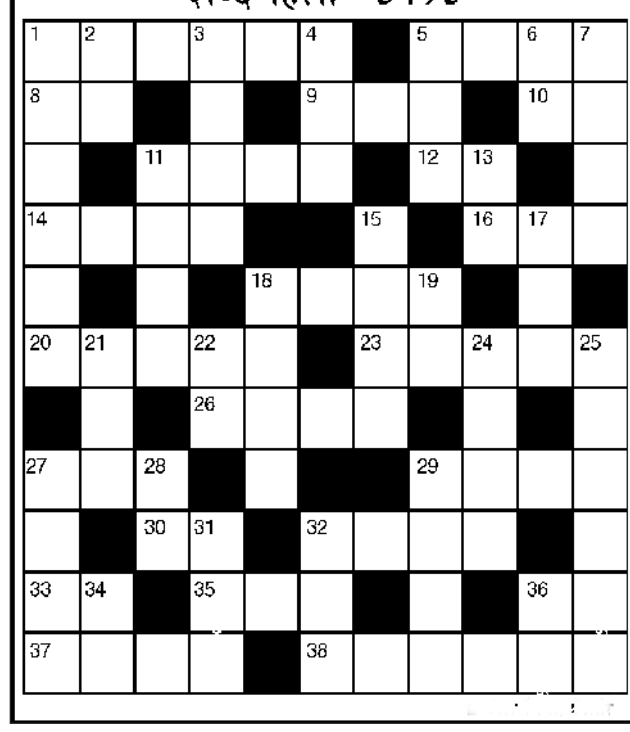

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6189 का हल

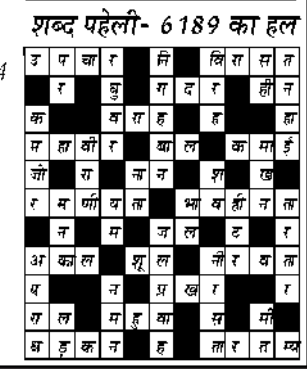

सूडोकु नवताल 6200

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6199 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

खबर संक्षेप

कल्याण ज्वेलर्स का राजस्व 64% बढ़ा

नई दिल्ली। कल्याण ज्वेलर्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में अपने कुल राजस्व में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। आभूषणों की ज़ोरदार खरीदारी की वजह से हुई, जबकि सोने की कीमतें अस्थिर बनी रहीं। खुदरा आभूषण विक्रेता का पिछले साल इसी तिमाही में राजस्व 6,222.35 करोड़ रुपये था।

एफसीएल ने ब्याज, मूलधन के भुगतान में चूक की

नई दिल्ली। फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने मार्च 2026 के अंत तक बैंकों, वित्तीय संस्थानों और असूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों से लिए गए ऋण के ब्याज और मूलधन के भुगतान में 615.67 करोड़ रुपये की चूक की है। एफसीएल ने 31 मार्च, 2026 तक बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिए गए 325.26 करोड़ के ऋण और अन्य नकद सुविधाओं के भुगतान में चूक की थी।

इक्सिगो का ट्रेन में भोजन मुहैया कराने स्विगी से करार

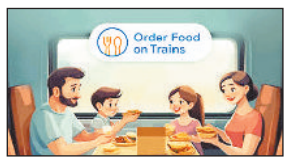

नई दिल्ली। ट्रेन टिकट बुकिंग मंच इक्सिगो ट्रेन्स एंड कन्फर्म टिकट ने खाद्य ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस साझेदारी से यात्री देश के 160 से अधिक रेलवे स्टेशन पर 40,000 से अधिक रेस्तरां से खाना ऑर्डर कर पाएंगे। अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की जा रही है।

मैक्स हेल्थकेयर, केएचएल में खरीदेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड ने हॉस्पिटल कॉरपोरेशन ऑफ ओडिशा इंक. से कलिंगा हॉस्पिटल लिमिटेड (केएचएल) में 58.4 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदने के लिए शेयर खरीद समझौता किया है। इस सौदे का इक्विटी मूल्य 300 करोड़ रुपये है। इस अधिग्रहण के साथ मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट ओडिशा के भुवनेश्वर में उतर जाएगी।

जापान के एमयूएफजी बैंक की एसएफएल में हिस्सेदारी

नई दिल्ली। जापान के प्रमुख ऋणदाता एमयूएफजी बैंक ने बुधवार को श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) में 39,618 करोड़ रुपये में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है। यह निवेश भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में दो देशों के बीच होने वाला अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

गुमशुदा सूचना

श्रीमती निराशा जांगड़े

श्रीमती निराशा जांगड़े पति जितेन्द्र जांगड़े उम्र 33 साल, पता-तालाब पार आमासिवनी, थाना-विधानसभा, जिला रायपुर (छ.ग.) से दिनांक 19/03/2026 को घर से बिना बताये निकली हैं जो अभी तक वापस नहीं आई हैं। **हुलिया :-** उंचाई 5 फीट, रंग- हल्का गोरी, बाल काला, चेहरा-गोल, शारीरिक स्थिति-सामान्य, पीला रंग की साड़ी पहनी है, नाक मे सोने की फुल्ली पहनी है, कक्षा 07वीं तक पढ़ी-लिखी है। हिन्दी-छत्तीसगढ़ी बोलती हैं। कहीं पर दिखें तो नीचे दिए नंबर पर सूचित करें।

थाना प्रभारी विधानसभा, जिला रायपुर (छ.ग.)
संपर्क नं. 9479191079, 0771-2283760

ट्राई का कॉल, एसएमएस के लिए कम कीमत वाले प्लान का प्रस्ताव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने दूरसंचार परिचालकों के लिए यह अनिवार्य किये जाने का प्रस्ताव किया कि वे केवल कॉल और एसएमएस सेवाओं के लिए कम कीमत पर मोबाइल प्लान जारी करें।

■ इसकी कीमत मौजूदा विशेष शुल्क वाउचर की तुलना में कम हो

इसकी कीमत मौजूदा विशेष शुल्क वाउचर की तुलना में कम हो, जिनमें डेटा (इंटरनेट) सुविधा भी शामिल है। दूरसंचार उपभोक्ता संरक्षण (तेरहवां संशोधन) विनियमन, 2026 के मसौदे में ट्राई ने कहा कि उसने प्रत्येक दूरसंचार परिचालक के लिए कम से कम एक विशेष शुल्क वाउचर जारी करना अनिवार्य किया है, जो केवल कॉल (वॉयस) और एसएमएस के लिए हो। लेकिन कंपनियों ने लंबी वैधता वाले कुछ ही प्लान जारी किए।

परिचालक के लिए एक विशेष शुल्क वाउचर जारी करना अनिवार्य किया

पिछले बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह भी पाया कि केवल वॉयस और एसएमएस पैक को पेश करते समय, दूरसंचार परिचालकों ने शुरू में अपेक्षाकृत अधिक कीमत तय की और प्लान से डेटा लाभ हटाने के अनुपात में इन कीमतों को कम नहीं किया गया। नियामक ने कहा कि पिछले बदलाव का परिणाम संतोषजनक नहीं रहा है और इसलिए उसने एक नया प्रस्ताव पेश किया है।

विशेष शुल्क वाउचर भी देना अनिवार्य होगा

ट्राई ने कहा, 'प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य इस समस्या का समाधान करना है। इसके तहत, वॉयस, एसएमएस और डेटा वाले विशेष शुल्क वाउचर (चाहे उनमें अतिरिक्त सेवाएं हों या न हों) के लिए दी जाने वाली प्रत्येक वैधता अवधि के लिए, सेवा प्रदाता को केवल वॉयस और एसएमएस के लिए एक अलग विशेष शुल्क वाउचर भी देना अनिवार्य होगा।'

वॉयस व एसएमएस पैक के अधिक विकल्प मिलेंगे

नियामक ने कहा, 'साथ ही, इससे उपभोक्ताओं को केवल वॉयस और एसएमएस वाले पैक के अधिक विकल्प मिलेंगे, जिससे वे डेटा-युक्त पैक के बराबर हो जाएंगे। ट्राई ने इस प्रस्ताव पर संबंधित पक्षों से 28 अप्रैल तक सुझाव देने को कहा है।

अनावश्यक सेवाओं की जबरन खरीद पर रोक लगेगी

नियामक ने कहा कि इस संशोधन से पारदर्शिता बढ़ेगी, अनावश्यक सेवाओं की जबरन खरीद पर रोक लगेगी और यह सुनिश्चित होगा कि जिन उपभोक्ताओं को डेटा की आवश्यकता नहीं है, उन्हें इसके लिए भुगतान के लिए बाध्य नहीं किया जाए।

चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा

आरबीआई ने रेपो दर को यथावत रखा, 2026-27 में वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने इसके साथ सतर्क रुख अपनाते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में लगभग 40 दिन चले युद्ध के कारण कच्चे तेल दाम में उल्लेखनीय तेजी आई है। इससे ईंधन के आयात पर निर्भर भारत जैसे देशों के लिए मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ा है।

महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए नीतिगत दर यथावत रखी

आरबीआई ने सतर्क रुख अपनाते हुए देखो और इंतजार करो की नीति अपनाई

ईंधन के आयात पर निर्भर भारत के लिए मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा

रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह अप्रैल से शुरू तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एमपीसी ने मौद्रिक नीति के मामले में 'तटस्थ' रुख को बनाये रखा है।

अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत

गवर्नर ने कहा, ''हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद अधिक मजबूत है, जिससे अब इसमें झटकों का सामना करने की क्षमता पहले की तुलना में अधिक है। इसके साथ ही आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है।

रुपए में 50 पैसे का उछाल

इसके साथ ही अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से चार प्रतिशत से अधिक टूटा है। इससे आयातित मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम है। हालांकि, संघर्ष विराम की घोषणा के बाद रुपया 50 पैसे चढ़कर 92.56 प्रति डॉलर पर पहुंच गया है।

मासिक किस्त यथावत बनी रहेगी

इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस-की-तस बने रहने की संभावना है।

खुदरा महंगाई 4.6 फीसदी रहने का अनुमान

आरबीआई ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं के कारण वृद्धि दर में नरमी रह सकती है। नई जीडीपी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के तहत दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 2025-26 में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक तीन से पांच जून को होगी।

बद्री संभालेंगे फ्लिपकार्ट की एआई परियोजना

नई दिल्ली। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रमुख हेमंत बद्री को कृत्रिम मेधा (एआई) कायाकल्प परियोजना की कमान सौंपने की जानकारी दी है।

फ्लिपकार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कल्याण कृष्णमूर्ति ने कर्मचारियों को भेजे गए आंतरिक ई-मेल में इस नियुक्ति की सूचना दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम फ्लिपकार्ट को 'एआई-केंद्रित' संगठन बनाने की दिशा में अहम है। इस पद पर बद्री का काम उन व्यावसायिक उपयोग मामलों की पहचान करना और उन्हें लागू करना होगा, जहां एआई सबसे अधिक प्रभाव डाल सकता है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि इस पहल का मकसद ग्राहक अनुभव को और सहज बनाना, विक्रेताओं के टूल के जरिये विकास को आसान करना और आंतरिक उत्पादकता बढ़ाना है।

रामा ग्रुप ने रायपुर में 'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' लॉच किया

बिलासपुर। कम डेंसिटी वाले इस प्रीमियम प्रोजेक्ट में 16 आकर्षक टावर्स में 112 बड़े और स्पेशियस अपार्टमेंट, जो प्राइवेट और खुली लाइफस्टाइल के लिए डिजाइन किए गए हैं। 7 अप्रैल को नेशनल रामा ग्रुप ने अपने फ्लैगशिप रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट 'रामा ईको' के तहत एक नए प्रीमियम फेज़ 'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' के लॉन्च की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट को रेरा अप्रूवल मिल चुका है, जो एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। इसके साथ ही शंकर नगर रायपुर के प्रमुख रेसिडेंशियल एरिया में 'रामाईकोलग्ज़रीफ्लोर्स' अल्ट्रा-लक्ज़रीअपार्टमेंट की बुकिंग शुरू हो गई है। नई दिल्ली के जाने-माने आर्किटेक्ट राजीव अग्रवाल द्वारा डिजाइन किया गया यह प्रोजेक्ट मॉडर्न और रिफाइंड अर्बन होम्स के लिए जाना जाता है। वहीं लैंडस्केप डिजाइनर, एसटीजीके, योकोहामा, जापान के स्टूडियों द्वारा तैयार किया गया है, जो अपने क्रॉस-डिसिप्लिनरी अप्रोच के लिए पहचाना जाता है। यह प्रोजेक्ट रेसिडेंट्स को एक प्राइवेट और एलीवेटेड लिविंग एक्सपीरियंस देने के उद्देश्य से बनाया गया है।

'रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स' की खास बात यह है कि हर फ्लोर पर सिर्फ एक ही बड़ा अपार्टमेंट दिया गया है, जिससे रेसिडेंट्स को पूरी प्राइवेसी और एक्सक्लूसिविटी मिलती है। इस प्रोजेक्ट में कुल 16 थॉटफुली प्लान्ड टावर्स हैं, जिनमें हर टावर में 7 फ्लोर्स हैं और कुल मिलाकर 112 अपार्टमेंट्स हैं। यह लो-डेंसिटी लिविंग कॉन्सेप्ट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस अपार्टमेंट्स का साइज लगभग 7100 स्क्वायर फीट से 12 हजार 800 स्क्वायर फीट तक है, जिनमें बड़े लिविंग एरियाज, बेडरूम्स और किचन स्पेसेस दिए गए हैं। साथ ही 12 फीट सीलिंग हाइट घर को और भी स्पेशियस और एयरी फील देती है। हर रेसिडेंस में प्राइवेट लिफ्ट दी गई है, जिससे डायरेक्ट एक्सेस और प्राइवेसी सुनिश्चित होती है। हर टावर में स्मूथ ऑपरेशन के लिए 8 लिफ्ट्स की सुविधा भी है। इस लॉन्च पर रामा ग्रुप के डायरेक्टर प्रखर अग्रवाल ने कहा कि "रामा ईको लग्ज़री फ्लोर्स के जरिए हमारा उद्देश्य सिर्फ लग्ज़री अपार्टमेंट्स बनाना नहीं, बल्कि एक कम्प्लीट लिविंग एक्सपीरियंस देना है। इस प्रोजेक्ट को इन्हीं एक्सपेक्टेशन्स को ध्यान में रखते हुए डेवलप किया गया है, खासकर लो-डेंसिटी लिविंग और शंकर नगर जैसी प्रीमियम लोकेशन को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

वीआईटी चेन्नई ने विश्वविद्यालय दिवस मनाया

वेल्लोर। वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी), चेन्नई ने मंगलवार, 7 अप्रैल को अपना विश्वविद्यालय दिवस मनाया। इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित रहे। वीआईटी चेन्नई के पूर्व छात्र मेजर वैभव चौरसिया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीआईटी के संस्थापक और कुलाधिपति डॉ. जी. विश्वनाथन ने वीआईटी के उपाध्यक्ष डॉ. जी. वी. सेल्वम की उपस्थिति में की।

अपने संबोधन में बिनोद कुमार ने छात्रों को तेजी से बदलती दुनिया के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चुनौतियों पर काबू पाने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए निरंतर प्रयास और अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अंतिम उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए नवाचार की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, "हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि बैंकिंग में हम सोचते हैं कि हम ग्राहकों का जीवन कैसे आसान बना सकते हैं। मैं इस बात पर जोर दे रहा हूं क्योंकि इससे आपको अपने भीतर पूर्णता प्राप्त करने में मदद मिलेगी।" ज्ञान और चरित्र की भूमिका पर जोर देते हुए बिनोद कुमार ने कहा कि ज्ञान ही वह चीज है जो आपको स्वयं को संवारने में मदद करती है। ज्ञान आपको एक स्तर तक ले जा सकता है, उसके बाद आपके चरित्र ही आपको आकार देते हैं।

मेजर वैभव चौरसिया ने छात्रों से अपने परिवेश से प्रेरणा लेने और सकारात्मक प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने छात्रों से दृढ़ रहने और आत्मविश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। "कभी हार मत मानो, कभी खुद पर संदेह मत करो।" "हालात अनुकूल नहीं होंगे और गलतियाँ भी होंगी, लेकिन आपको लगातार मेहनत करते रहना होगा और हमेशा सही तरीके से काम करना होगा," उन्होंने आगे कहा। अपने अध्यक्षीय भाषण में, डॉ. जी. विश्वनाथन ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा न केवल व्यक्तियों और परिवारों को, बल्कि समाज, राज्य और राष्ट्र को समग्र रूप से ऊपर उठाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच और ज्ञान आधारित आर्थिक विकास पर निर्भर करता है।

हुंडई मोटर मई से वाहनों की कीमतें एक फीसदी बढ़ाएगी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने बढ़ती लागत के कारण मई से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की बुधवार को जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने मई 2026 से अपने सभी मॉडल की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है। यह मूल्य संशोधन विभिन्न लागतों में वृद्धि के कारण किया जा रहा है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
द्वितीय निविदा विज्ञप्ति

नि.क्र.42/न.पा.नि./जोन क्र.08/2025-26 बिलासपुर दिनांक 08.04.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा दिनांक 23.04.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	वार्ड क्र.	कार्य का विवरण	राशि रु. (लाख में)
1	67	राजू के घर से लेकर हर प्रसाद के घर तक नाली एवं स्लैब निर्माण कार्य।	1.00
2	67	राधा कृष्ण मंदिर के सामने वाली गली से लक्ष्मी निवास गेट से साईं मंदिर गली तक स्लैब निर्माण कार्य।	1.00
3	67	प्रेम खैरवार के घर से दुर्गा खैरवार के घर तक नाली स्लैब निर्माण कार्य।	1.00

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ज़ोन क्र.08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपलन अभियंता, ज़ोन क्र.08 न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना

ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/26/13, दिनांक 01.04.2026.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1.	03261486	"किट फॉर डिस्ट्रिब्यूटर वॉल्व"	20.04.2026	6692 सेट
2.	06260119	मेनुफेक्चरिंग एण्ड सप्लाए ऑफ 06 एमएम थिक नॉएलोन कोर्ड रेनिफोर्सड जीआरएसपी फॉर 1 इन 12 थिक वेब रिक्वेस	21.04.2026	1217 सेट
3.	03261427	नॉन–एस्बेस्टस "एल" टाईप कम्पोजिट ब्रेक ब्लॉक फॉर क्रेट स्टॉक	28.04.2026	151320 नग
4.	03261494	पोली यूरेथेन कॉन्स्टेंट कॉन्टेक्ट साईड बेयरर पैड्स फॉर एनएलबी बोगी	04.05.2026	1795 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समयः- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।

सीपीआर/10/06 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

f South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
रूचि की अभिव्यक्ति

रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, कोरबा में पैथोलॉजीकल टेस्ट जॉच सुविधा का तीन वर्षो के लिए आउटसोर्सिंग का विज्ञापन।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर के द्वारा रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कोरबा से 03 कि.मी. के भीतर पैथोलॉजीकल टेस्ट जॉच सेंटर से रेलवे हितग्राहियों के लिए वर्तमान सी.जी.एच.एस दर (एन.ए.बी.एल./नान–एन.ए.बी.एल) में जॉच सेवाएं देने के लिए रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

रूचि की अभिव्यक्ति प्राप्त होने के बाद रेलवे द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार प्राप्त ऑफरों को सारांशित किया जाएगा। ऐसे केन्द्र जो सभी मानकों के मापदण्डों को पूरा करेगें उन्हें ही सूची में शामिल किया जाएगा। रेलवे स्वास्थ्य केन्द्र, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कोरबा से 03 कि. मी. के भीतर इच्छुक पैथोलॉजीकल टेस्ट जॉच सेंटर से निवेदन है कि वे अपने रूचि की अभिव्यक्ति को (व्यक्तिगत अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा) निर्धारित प्रोफार्मा में इस विज्ञापन के प्रकाशित होने के 21 दिनों के भीतर, कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में किसी भी कार्यालयीन दिवस में 11:00 बजे से 17:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। सभी केन्द्र जो सूचीबद्ध किए जायेगें, निर्धारित दरें आगामी 03 वर्षो के लिए प्रभावी होगें जो अपरिवर्तित रहेगें एवं परिवर्तन केवल सी.जी.एच.एस दर के बदलने पर ही संभव हो सकेगा।

निर्धारित मापदण्ड, आवेदन के प्रोफार्मा और जाँचों की सूची, कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में उपलब्ध है तथा इसे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वेबसाईट www.secr.indianrailways.gov.in से दिनांक 06.04.2026 से 27.04.2026 तक डाउनलोड भी किया जा सकता है।

सीपीआर/10/01 अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/बिलासपुर

f South East Central Railway @secrail

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-सी.जी.-अ.-30032026-271399
CG-CG-E-30032026-271399
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1506] No. 1506] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 25, 2026/चैत्र 26, 1948
NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 25, 2026/CHAITRA 4, 1948

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 23 मार्च, 2026
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20 A के तहत अधिसूचना

का. आ. 1571(अ). केंद्रीय सरकार रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 20(क) की उपधारा (1) जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केंद्रीय सरकार सार्वजनिक उद्देश के लिये संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का जिसका संक्षिप्त विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो कि विशेष रेल परियोजना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत झारसुगड़ा-रायगढ़ **रायगढ़-चांपा**, चांपा- गेवरा रोड, चांपा -बिलासपुर, **तिल्दा-बिलासपुर**, तिल्दा- दुर्ग, **दुर्ग- दरेकसा**, मुंडीकोटा नागपुर, बिलासपुर- पेंड्रारोड-अनूपपुर और रायपुर - लखोली के मध्य में मौजूदा 1x25KV ट्रैक्शन सिस्टम को 3000 MT लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2x25 KV एटी फीडर व्यवस्था में अपग्रेड करने हेतु उड़ीशा, **छत्तीसगढ़** एवम् महाराष्ट्र राज्य में निष्पादन के लिए आवश्यक है। एतद द्वारा अधिग्रहण करने के आशय की घोषणा करती है। उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 20 (घ) की उपधारा (1) के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के सम्बन्ध पर आक्षेप कर सकेगा।

ऐसा प्रत्येक आक्षेप सक्षम प्राधिकारी यानी अनुविभागीय अधिकारी (रा०) खरसिया, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजनांदगांव, जिला राजनांदगांव छत्तीसगढ़ (जो लागू हो) को स्वयं या किसी वकील के माध्यम से लिखित में किया जाएगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेंगे, तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो तो करने के पश्चात जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझें, आदेश द्वारा आक्षेपों को या तो अनुगत या अनअनुगत कर सकेगा।

उक्त अधिनियम की धारा 20 (घ) की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा, इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि का रेखांकन एवं अन्य ब्योरे उपलब्ध है और हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्तर्गत झारसुगड़ा-रायगढ़ रायगढ़-चांपा, **चांपा- गेवरा रोड**, चांपा -बिलासपुर, तिल्दा- बिलासपुर, तिल्दा दुर्ग, मुंडीकोटा नागपुर, बिलासपुर-पेंड्रारोड-अनूपपुर और रायपुर-लखोली के मध्य में मौजूदा 1x25KV ट्रैक्शन सिस्टम को 3000 MT लोडिंग लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2x25 KV एटी फीडर व्यवस्था में अपग्रेड करने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य में अधिग्रहण किये जाने के लिए संरचना रहित या सहित भूमि का संक्षिप्त विवरण -

जिला- रायगढ़					राज्य- छत्तीसगढ़			
क्र. सं.	अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्षम पदाधिकारी	तहसील का नाम	ग्राम का नाम	स्वामित्व का प्रकार	भूमि की प्रकृति	खसरा सं.	कुल क्षेत्रफल हे0 में)	अर्जित क्षेत्रफल (हे0 में)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	अनुविभागीय अधिकारी (रा0) खरसिया, जिला- रायगढ़ (छ.ग.)	खरसिया	बगडेवा	नोनीबाई बेवा गिरधारी, शंकर लाल पिता गिरधारी, जाति- गोंड, सा. देह भूमि स्वामी	कृषि	84/1	0.300	0.028
				खीकराम उर्फ प्रेमसिंह पिता मिठुराम, जाति गोंड, सा. देह भूमि स्वामी	कृषि	84/4	0.049	0.049
				संतराम पिता छेदीलाल अन्य पिछड़ा वर्ग रावत, सा. देह भूमि स्वामी	कृषि	81/1	0.260	0.102
				कमलसिंह पिता भजोराम, रमैया पिता सोनसाय, राकेश पिता सोनसाय, कमलमति पिता भाजोराम, बिसाहीनबाई पति भजोराम, सरिता पति सोनसाय जाति रावत सा. देह भूमिस्वामी	कृषि	81/2	0.551	0.116
				1) चंद्रिका बाई पति महेत्तर 2) रामलाल पिता सेतराय जाति गोंड सा. देह भूमि स्वामी	कृषि	161	1.133	0.033
						योग	2.293	0.328

जिला- राजनांदगांव					राज्य- छत्तीसगढ़			
1	अनुविभागीय अधिकारी (रा0) राजनांदगांव, जिला- राजनांदगांव (छ.ग.)	राजनांदगांव	अचानकपुर भाठापारा	भुषण पिता केजराम केंवट निवासी ठाकुरटोला	कृषि	101/2	0.809	0.064
				भुषण पिता केजराम केंवट निवासी ठाकुरटोला	कृषि	101/3	0.551	0.267
						योग	1.360	0.331

[फा. सं.- सीपीएम/इले/बीएसपी/2x25 के.वी. ओ.एच.ई/भूमि अधि./20A/1850]

मुदित भटनागर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

सीपीआर/10/03

प्रथम पृष्ठ का शेष

दुनिया की बड़ी...

की अनुमति दी जाएगी-जो परमाणु हथियार बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बने रहेंगे, जिससे शांति काल में कुल तेल और प्राकृतिक गैस व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता था। आने वाले दिनों में यह एक संभावित तनाव का कारण बन सकता है। युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान की मांगों में क्षेत्र से अमेरिकी लड़ाकू बलों की वापसी, प्रतिबंधों को हटाना और उसकी जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है। ये सभी प्रस्ताव ट्रंप और अन्य पश्चिमी देशों के लिए शायद ही स्वीकार्य हों। पाकिस्तान ने कहा कि युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए वार्ता शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू हो सकती है। इजराइल ने ईरान के साथ अमेरिका के युद्धविराम का समर्थन किया, लेकिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह समझौता हिजबुल्लाह पर लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह से लड़ाई जारी रहेगी। इजराइल की सेना ने कहा कि लड़ाई और जमीनी अभियान जारी हैं। ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी शुल्क वसूलेंगे।

युद्धविराम से इस मार्ग पर नियंत्रण को औपचारिक रूप दिया जा सकता है और ईरान को राजस्व का एक नया स्रोत मिल सकता है। एक अधिकारी के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान और ओमान दोनों को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की अनुमति दी गई है। अधिकारी ने कहा कि ईरान इस राशि का इस्तेमाल पुनर्निर्माण के लिए करेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा, (समझौते के बाद) खूब आय होगी। ईरान पुनर्निर्माण प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

सौम्या, केके और...

को बताया कि शराब घोटाले की अवैध राशि प्राप्त करने, सुरक्षित रखने तथा आगे भेजने का कार्य देवेंद्र डडसेना द्वारा किया जाता था। देवेंद्र द्वारा भेजी गई घोटाले की राशि को केके श्रीवास्तव अपने प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए व्यवस्थापन के साथ खपाने का काम करता था। कोर्ट में पेश चालान में उल्लेख किया गया है कि सौम्या चौरसिया अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शराब घोटाला सिंडिकेट को संरक्षण देने काम करती थीं। जांच एजेंसी के अनुसार प्रकरण में अन्य संलिप्त शासकीय, अशासकीय, राजनैतिक व्यक्तियों तथा संबंधित संस्थाओं, फर्मों एवं कंपनियों के विरुद्ध विवेचना जारी है। उल्लेखनीय है कि देवेंद्र डडसेना राजीव भवन का पुराना एकाउंटेंट रहा है। साथ ही देवेंद्र सौम्या चौरसिया का करीबी रहा है। इसलिए शराब घोटाले में देवेंद्र सिंडिकेट से जुड़े लोगों के बीच सेतु का काम करता था।

तेंदुलकर परिवार ...

कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के समग्र पोषण, देखभाल एवं सामुदायिक भागीदारी के प्रयासों को देखकर उन्होंने सराहना व्यक्त की। इसके साथ ही, आजीविका प्रबंधन "गरिमा मंच" के तहत महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों जैसे मिलेट (श्री अन्न), दलहन एवं तिलहन उत्पादन के माध्यम से पोषण विविधता को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी उन्होंने प्रशंसा की। अतिथियों ने संस्था की "अप्रोप्रिएट टेक्नोलॉजी" इकाई का भी भ्रमण किया, जहां स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी, सरल एवं किफायती उपकरणों के निर्माण और उपयोग की प्रक्रिया को देखा। इस पहल के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं की लागत को कम करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ उपचार सुनिश्चित करने के प्रयासों की उन्होंने सराहना की। इसके अतिरिक्त उन्होंने गनियारी स्थित अस्पताल का भी दौरा किया, जहां उपलब्ध सुविधाओं, समर्पित सेवाभाव एवं उत्कृष्ट उपचार प्रणाली को देखकर संतोष व्यक्त किया। तेंदुलकर परिवार ने संस्था द्वारा संचालित परंपरागत बीज संरक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रम का भी अवलोकन किया। इस पहल को ग्रामीण आत्मनिर्भरता एवं जैव विविधता संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल स्वास्थ्य और पोषण को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि स्थानीय आजीविका को भी मजबूत बनाते हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था द्वारा किए जा रहे समग्र विकास के इन प्रयासों को देखकर अतिथियों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा भविष्य में भी ऐसे कार्यों के निरंतर विस्तार की अपेक्षा जताई।

किसानों को सौगात...

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह फैसला लिया गया। यह उर्वरक सब्सिडी एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2026 तक की अवधि के लिए लागू रहेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि खरीफ सत्र 2025 की तुलना में आगामी फसल सत्र के लिए देय सब्सिडी में 4,317 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने खरीफ सत्र 2026 के लिए पोषक तत्वों पर सब्सिडी दर तय की है। इसके तहत नाइट्रोजन पर 47.32 रुपये प्रति किलोग्राम, फॉस्फेट पर 52.76 रुपये प्रति किलोग्राम, पोटाश पर 2.38 रुपये प्रति किलोग्राम और सल्फर पर 3.16 रुपये प्रति किलोग्राम सब्सिडी दी जाएगी। वर्ष 2010 से लागू 'पोषक तत्व आधारित सब्सिडी' (एनबीएस) योजना के तहत पीएंडके उर्वरकों पर सब्सिडी दी जाती है। यह सब्सिडी पीएंडके उर्वरकों की 28 किस्मों के लिए दी जाती है। वैष्णव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डीएपी (डाई-अमोनियम फॉस्फेट) की कीमतों में कोविड काल से तेज बढ़ोतरी होने के बावजूद किसानों के लिए 50 किलोग्राम की बोरी का खुदरा मूल्य 1,350 रुपये पर स्थिर रखा गया है। इसके अलावा, सरकार ने आयातित ट्रिपल सुपर फॉस्फेट (टीएसपी) पर भी समान राहत देने, सिंगल सुपर फॉस्फेट (एसएसपी) पर माल ढुलाई सब्सिडी जारी रखने और अमोनियम सल्फेट को इस योजना में शामिल करने जैसे अतिरिक्त कदमों को भी मंजूरी दी है। खरीफ फसलों की बुवाई आमतौर पर जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ शुरू होती है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एनबीएस और यूरिया सब्सिडी योजना के तहत कुल बजटीय प्रावधान लगभग 1.71 लाख करोड़ रुपए रखा गया है। डीएपी, एमओपी और एनपीके जैसे गैर-यूरिया उर्वरकों के खुदरा दाम कंपनियां तय करती हैं, जबकि सरकार उन्हें तय सब्सिडी देती है।

बेहतर होनी थी,...

गांवों में प्रायमरी शिक्षा के लिए स्कूल खोले जा रहे हैं। सवाल ये है आखिर यह क्यों हो रहा है? जबकि जनसंख्या बढ़ने के साथ पढ़े-लिखों की संख्या बढ़कर बेहतर स्थिति में आनी चाहिए, पर ये तस्वीर तो बदतर नजर आ रही है।

राज्य में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर और उसके बाद हर साल बढ़ने वाली अनुमानित जनसंख्या के गणितीय अनुमान के हिसाब से 2026 तक के संभावित आंकड़े निकाले हैं, जिसमें यह बात सामने रखने की कोशिश की है कि 1 मार्च 2026 की स्थिति में राज्य कुल निरक्षरों की अनुमानित संख्या कितनी है। यही नहीं, राज्य के सभी 33 जिलों के लिए यही हिसाब-किताब निकाला गया है।

रायपुर, बिलासपुर में बढ़ रहे निरक्षर-

रायपुरः राजधानी में यह आंकड़ा 6,65,731 से बढ़कर 6,75,924 हुआ है।

बिलासपुरः यहां निरक्षर आबादी 5,93,310 से बढ़कर 6,61,368 तक पहुंच गई है।

कबीरधामः यहां भी बड़ी बढ़त देखी गई है, जहां संख्या 4,08,359 से बढ़कर 5,12,609 हो गई है।

महिला आरक्षण विधेयक...

सरकारी सूत्रों के अनुसार, यह संशोधन केवल संसद तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य विधानसभाओं में भी महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। वर्तमान में राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी औसतन करीब 9 फीसदी है, जबकि संसद में महिला सांसदों की संख्या लगभग 13 फीसदी के आसपास है। ऐसे में यह विधेयक राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

राजनीतिक दलों के लिए नई रणनीति-

महिला आरक्षण लागू होने के बाद राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे और टिकट वितरण में व्यापक बदलाव करने होंगे। अधिक संख्या में महिला उम्मीदवारों को तैयार करना, उन्हें नेतृत्व में आगे लाना और जमीनी स्तर पर मजबूत करना दलों के लिए अनिवार्य हो जाएगा।

समयसीमा पर असमंजस-

हालांकि विधेयक पारित हो चुका है, लेकिन इसके लागू होने की सटीक समयसीमा अभी स्पष्ट नहीं है। जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि 2029 या उसके बाद के आम चुनावों में इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि महिला आरक्षण विधेयक भारतीय लोकतंत्र में एक ऐतिहासिक पहल है, जो महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में मजबूत स्थान दिलाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। हालांकि, इसके कार्यान्वयन की जटिल प्रक्रियाएं और राज्यों के सामने खड़ी "दोहरी चुनौती" यह स्पष्ट करती हैं कि इस बदलाव को जमीन पर उतारना आसान नहीं होगा। इसके बावजूद, यह कदम देश में समावेशी और संतुलित लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय : शाम 6 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं: कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार, पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन, हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), लिवर व किडनी रोग, थाइरॉयड सर्जरी, हेल्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखे ....
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन कम्पनी में कार्य करने हेतु मैनेजर 2पद (जिन्हें सिविल वर्क, हिन्दी टाइपिंग, रियल स्टेट कार्य का अनुभव हो) वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शाम 4 से 7बजे तक 9993243498 **(40504)**

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें-जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9981970853 **(40496)**

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक (हमाल) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर **(40503)**

आवश्यकता है- श्याम इंटरप्राइजेज में पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य हेतु युवक, युवती की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (समय 10am से 7pm) सम्पर्क करें- साइंस कॉलेज सरकंडा बिलासपुर 9238216900 **(40506)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सेल्समैन एवं गोडाउन हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 **(40498)**

आवश्यकता है-विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, ड्राईवर इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लड़कों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउण्ड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 9644004113 **(40475)**

आवश्यकता है-तिफरा परसदा सिरगिट्टी बिलासपुर के प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन शासकीय नियमानुसार। आवास निःशुल्क। अपने मूल दस्तावेजों के साथ तत्काल सम्पर्क करें- ग्राउण्ड फ्लोर, अम्बे प्लाजा तिफरा बस स्टैण्ड बिलासपुर 89640 50263, 9522239468 **(40472)**

आवश्यकता है- अस्पताल में जनरल ड्यूटी कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है। पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- आशीर्वाद लेजर फेको नेत्र चिकित्सालय, आईजी ऑफिस रोड नेहरु चौक बिलासपुर 07752402070 **(40501)**

आवश्यकता है- डेयरी में काम करने के लिए मेहनती एवं ईमानदार लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। तत्काल सम्पर्क करें- अनन्त डेयरी, राजेन्द्र नगर बिलासपुर 7999282845 **(40490)**

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले कि आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 **(40497)**

आवश्यकता है- होटल में वेटर सप्लायर युवक, युवतियां, इडियन कुक, चायनीज कुक एवं साऊथ इंडियन की आवश्यकता है रहने, खाने की सुविधा वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7987633348 **(40505)**

आवश्यकता है- दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 10बजे से शाम 8:30 बजे तक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879012728 **(40492)**

आवश्यकता है
अग्रणी दोपहिया वाहन डीलरशिप (सर्विस) में कार्य करने हेतु निम्नपदों की आवश्यकता है।
सर्विस एडवाजर-4 पद
फ्लोर सुपरवाइजर-1 पद
टेक्नीशियन-6 पद
PDI टेक्नीशियन-6 पद
पार्ट पीकर-3 पद
सिक्योरिटी गार्ड-2 पद
फिल्ड एग्जीक्यूटिव (सेल्स)-6 पद
वेतन योग्यतानुसार अनुभवी को प्राथमिकता
वाक इन इंटरव्यू 12 PM से 2PM
दिनांक -8/4/2026 से 10/4/2026 तक
मौसाजी होंडा
सीपत रोड, सरकंडा, बिलासपुर
9827482440
maosajihondabilaspur@gmail.com

आवश्यकता है- Security Guard की आवश्यकता है लोकेशन- आल छत्तीसगढ़, ओड़िशा में 100 गार्ड की आवश्यकता है। गार्ड पेमेन्ट- 15000 PF+ ESIC+ Room free+ Canteen डाक्यूमेन्टस आधार, पैन, मार्क शीट, दो पासपोर्ट फोटो पास बुक सम्पर्क करें- VF Security Service Pvt. Ltd. Raipur 7880190113, 7880190114, 7880190115, 9039990116 **(40495)**

आवश्यकता है- होटल में साफ सफाई हेतु लड़के एवं किचन कार्य हेतु कुक चाहिए रहने खाने की सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- मौसाजी होण्डा शोरूम के पास नूतन चौक बिलासपुर 9522144493, 9131668366, 8759333338 **(40499)**

आवश्यकता है- कैंटीन में काम करने, नाश्ता, खाना बनाने हेतु दो लोगों की आवश्यकता है है जिनके पास गाड़ी हो तुरन्त सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर, मंगला बिलासपुर 9755655055 **(40484)**

आवश्यकता है-गोवा में सम्मान जनक परिवार के लिए भरोसेमंद महिला घर सहायिका House Help आयु 25 से 40वर्ष, हाई स्कूल पास, अच्छा वेतन सम्पर्क करें-72258 44359, 98482 50331 **(6625)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री में लोडिंग अनलोडिंग हेतु हमाल, एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 **(40479)**

आवश्यकता है-फील्ड वर्क, पेमेंट रिकवरी, ऑफिस कम्प्यूटर ऑपरेटर बिजी GST अकाउंट, कोटेशन के जानकार लड़के/ लड़की मिस्त्री मैकेनिक मेंटेनेंस हेतु लड़के चाहिए पता- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(40481)**

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में कार्य हेतु लड़की/ लड़को की। लड़कों के पास स्वयं का बाइक अनिवार्य, समान छोड़ने लाने हेतु, (10वी, 12वीं), सम्पर्क- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 **(40493)**

आवश्यकता है- कार चलाने हेतु अनुभवी लाइसेन्सी, जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है। शहर के रास्तों की जानकारी हो। जिसे वेतन योग्यतानुसार। सम्पर्क करें- महेन्द्र जेम्स एण्ड ज्वेलर्स मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9171325702 **(40483)**

आवश्यकता है- डेंटल क्लीनिक में कार्य करने हेतु डेंटल असिस्टेंट (मेल/ फीमेल), रिसेप्शनिस्ट एवं सफाई कर्मी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- खेत्रपाल मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लीनिक मुंगेली नाका चौक बिलासपुर 9111052333 **(40486)**

आवश्यकता है-दुकान में डिलीवरी एवं अन्य कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सरकंडा निवासी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- दोपहर 12बजे से शाम 5बजे, सुधा सेल्स नूतन चौक बिलासपुर 9827497999 **(40476)**

Required - Accounts Teacher Post - 1 Qualification M.Com (B.Ed), Pre Primary Teacher Post-1 Minimum Qualification Graduate, School Driver Post-1 Interested Candidate may apply with Biodate at Dhaniram Memorial School Barpali 74406 29999 **(20986)**

आवश्यकता है-ट्रॉली कारखाना में काम करने वाले वेल्डर एवं हेल्पर की आवश्यकता है। पूरे साल काम की गारंटी, परिवार सहित रहने पर खेती/सब्जी लगाने हेतु 40 डिसमील जमीन फ्री में उपलब्ध कमरा, बिजली, पानी मुफ्त सुविधा सम्पर्क करें- अमित कौशिक 9827892413 **(40464)**

आवश्यकता है-साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा जींस वियर रेडीमेड क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 **(40480)**

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में होम डिलीवरी, ट्रांसपोर्ट में छोड़ने एवं दुकान के कार्य हेतु पार्ट टाइम/ फुल टाइम लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें प्रीमियर एजेन्सीज, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर **(40487)**

आवश्यकता है-बैरन बाजार रायपुर स्थित व्यवसायिक प्रतिष्ठान में 25 से 40वर्षीय पढ़ी लिखी महिला केयर टेकर की आवश्यकता है 24 घंटे रहने, खाने की सुविधा एवं अच्छा वेतन सम्पर्क करें- 72258 44359 **(6626)**

आवश्यकता है-तत्काल भर्ती फिल्ड ऑफिसर- 10 (स्वयं की बाइक) सुपरवाईजर- 10 सुरक्षागार्ड- 50, (कार एवं कम्प्यूटर चलाने वाले को प्राथमिकता) बिलासपुर रायगढ हेतु। पता- बॉस सिक्यूरिटी बालाजी प्लाजा शॉप नं. 210 विधानी चौक हेमू नगर बिलासपुर 9111000881, 9303280228, 89628 15185 **(40470)**

आवश्यकता है-घरेलू कार्य हेतु महिला (खाना साफ सफाई सुबह, रात तक पोस्ट 15 एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़की (MS Word, MS Excel, Tally Prime हिन्दी टाईपिंग) पोस्ट 25 ड्राईवर अनुभवी पोस्ट- 20 हाऊस किपिंग स्टाफ (गर्ल एवं ब्यॉय) 25 पता- बॉस सिक्युरिटी बालाजी प्लाजा शॉप नं. 210 विधानी चौक हेमू नगर बिलासपुर 8889823100, 9098069415 **(40471)**

आवश्यकता है-हार्डवेयर एवं बोर्ड गोदाम में कार्य हेतु लेबर, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मोदी हार्डवेयर, अग्रवाल मिट्टी तेल गोदाम, अल्ट्राटेक सीमेन्ट गोदाम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, तिफरा बिलासपुर 7415515151 **(40478)**

आवश्यकता है-सुपर बाजार में हेल्पर कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन 8000+ बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार SBI ATM के पास, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर 7470592624 **(40477)**

आवश्यकता है-Ammaji Traders Field Officer, Salesman की आवश्यकता है। प्रारंभिक वेतन 15000 रहेगा, कार्य के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। बाहरी कार्य हेतु इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 8962151642, 6266732985 **(40482)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता है-तखतपुर (बिलासपुर) स्थित राइस मिल में न्यूनतम 10 वर्ष अनुभवी मशीन ऑपरेटर (मिस्त्री) की आवश्यकता है जिसे अच्छा वेतन एवं रहने की व्यवस्था प्रदान की जाएगी सम्पर्क करें- 8754507712, 79873 09303 **(40467)**

आवश्यकता है- 60 वर्षीय महिला वकील की शाम 5बजे से सुबह 7बजे तक देखभाल हेतु 35-40 वर्ष की एक महिला चाहिए वेतन 6000 सम्पर्क करें- सोनगंगा कॉलोनी सीपत रोड बिलासपुर 7869759897, 9893968977 **(40469)**

आवश्यकता है-मल्टी नेशनल कम्पनी में 5 हेल्पर चाहिए स्वयं का वाहन अनिवार्य वेतन 5000 से 10000 पता- शांति नगर बिजली सब स्टेशन सिद्ध शिखर अपार्टमेन्ट के पास मंगला चौक बिलासपुर 9131514165 **(40468)**

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 93011 86703, 8253010291, 8085233213, 72230 26026 **(40406)**

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर नौकरी सीधी पक्की भर्ती परमानेंट बेसेस पर (10+12th)पास लड़के लड़किया, आवेदन करे, कुल सीट-7220 , पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी सैलरी - (32020 - 44900) आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप/कॉल करे - 9635451523 **(1381)**

बेचना है

बेचना है-सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 **(40424)**

बेचना/किराया है- रिंग रोड नम्बर 2 पर सिद्ध शिखर अपार्टमेन्ट में 2BHK फ्लैट एवं लिंगियाडीह शॉपिंग सेन्टर में 12×20 की दुकान बेचना है या किराए से देना है। सम्पर्क करें- 9039591990 **(40488)**

बेचना है- 55x40 मेन डामर रोड डबल स्टोरी पुराना मकान बना, ग्राम मोहरा 22लाख एवं 280 फ्रंट 29 डिसमिल डामर नहर रोड सेमरताल मौके पर 50 डिसमिल 650/- फुट सम्पर्क- 9827938236, 8770963388 **(40485)**

बेचना है- प्राइम लोकेशन बेलेजा सैलून के पीछे नर्मदा नगर बिलासपुर में 3BHK 2400 वर्गफुट में निर्मित मकान बेचना है रेट 1.60 करोड़ सम्पर्क करें- 7898198271, 9301588883 **(40491)**

बेचना है-जांजगीर पुटपुरा चौक नेशनल हाईवे मार्ग में चन्देल पेट्रोल पम्प से आगे 50 फुट चौड़ा, 13 डिसमिल जमीन शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9009459938, 97540 94457 **(40474)**

बेचना है- बिलासपुर में प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक भाटिया पेट्रोल पम्प के सामने रोड से 100मी. दूर, डबल रोड का 2BHK मकान बेचना है (प्लॉट साइज 22×45) सम्पर्क करें- 6265041277, 83619 97770 **(40507)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

बेचना है- नरगोड़ा सीपत में 0.049 हेक्टेयर भूमि बेचना है। केवल खरीदार ही सम्पर्क करें- 9907147488, 76468 19855, 9826174852 **(40502)**

किराया

किराया - बिलासपुर शहर के सिम्स चौक जूनी लाइन मोड़ पर स्थित 10×15 की डुप्लेक्स दुकान फर्निचर सहित एवं कोसा क्रियेशन शोरूम के ऊपर प्रथम तल पर 1250 वर्गफुट हॉल टायलेट सहित किराये से देना है। व्यवसाय हेतु इच्छुक सम्पर्क करें- 9340664511 **(40500)**

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

दिव्या ने ड्रा को जीत में बदला, हासिल की बढ़त

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट : वैशाली ने असौबायेवा के साथ खेला ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| पाफोस

भारतीय शतरंज की युवा सनसनी दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए ड्रॉ की तरफ बढ़ रही बाजी को जीत में बदलकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता देशमुख ने काले मोहरों से खेलते हुए यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया और 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बना ली। अब कुल चार खिलाड़ी संयुक्त रूप से आगे चल रही हैं।

एक समय लग रहा था कि बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो जाएगी लेकिन दिव्या देशमुख ने उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम समय में

अपनी प्रतिद्वंदी की एक अनचाही गलती का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की। महिला वर्ग में भाग ले रही दूसरी भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली ने कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा के साथ ड्रॉ खेला। वह आठ बाजियों के बाद 4.5 अंकों के साथ देशमुख, यूक्रेन की कटेरीना लागनो, चीन की झू जिनर और मुजिचुक के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। ओपन वर्ग में खेल रहे आर प्रज्ञानंदा आठवें दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी से हार के बाद खिताब हासिल करने की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं।

आयुष ने 51 मिनट में चीन के फेंग को हराया

बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप

एजेंसी ▶▶| निंगबो

भारत के आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप में चीन के विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने 51 मिनट में 21-13 21-16 से जीत दर्ज की। लिन ने शुरुआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली, लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4-1 से बढ़त हासिल कर दी और फिर इसे 12-9 तक बढ़ा दिया, लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का

रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

खबर संक्षेप

पी सेफ ने स्मृति को बनाया कंफर्ट रेंज का चेहरा

नई दिल्ली। स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने एक प्रमुख महिला हाइजीन (स्वच्छता) ब्रांड की ब्रांड दूत बनने के बाद स्वास्थ्य और महिलाओं की हाइजीन को प्राथमिकता देने की अहमियत पर जोर दिया। 'पी सेफ' ने अपने स्थापना दिवस पर भारतीय महिला टीम की उप कप्तान को अपनी 'कंफर्ट रेंज' का चेहरा बनाया है और इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ इस साझेदारी का मकसद महिलाओं की हाइजीन के संदेश को फैलाना है। स्मृति मंधाना ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कंफर्ट कभी ऐसी चीज होनी चाहिए, जिसके बारे में आपको दो बार सोचना पड़े या कोई समझौता करना पड़े। यह बस आपको मिलनी चाहिए। पी सेफ के बारे में यही बात मुझे सबसे अलग लगी क्योंकि वे कंफर्ट को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं।'

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा अहमदाबाद

अहमदाबाद। राष्ट्रमंडल खेलों की सर्वोच्च वैश्विक संस्था कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने अहमदाबाद में 2030 में होने वाले इन खेलों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बुधवार को गुजरात का अपना चार दिवसीय दौरा शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आठ से 11 अप्रैल तक राज्य में रहेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अधिकारी भी शामिल हैं। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की आम सभा की पिछले साल नवंबर में हुई बैठक में अहमदाबाद को 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार दिया गया था। भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों की मेजबानी की थी।

भारतीय खिलाड़ियों ने किया जीत से आगाज

शिमला। भारतीय लड़कियों (अंडर-19) और लड़कों (अंडर-15) की टीमों ने आईटीटीएफ-एटीटीयू एशियाई युवा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में क्रमशः श्रीलंका और मालदीव पर एक समान 3-0 से जीत हासिल करके अपना दबदबा कायम किया। बेहतर रैंकिंग वाली जेनिफर वर्गीज, अनन्या मुरलीधरन और प्रिशा गोयल की तिकड़ी ने सीधे या चार गेम में जीत दर्ज कर श्रीलंका के खिलाड़ियों को कोई मौका नहीं दिया। अंडर-19 लड़कियों की टीम एकमात्र ऐसी टीम है, जो एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में है।

आईपीएल 2026 : शाम 7.30 बजे केकेआर और लखनऊ में मुकाबला

एलएसजी के खिलाफ आज गेंदबाजी में छा सकते हैं 25.20 करोड़ के कैमरुन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज कैमरुन ग्रीन लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ गेंदबाजी करते नजर आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रीन आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे, उन्हें केकेआर ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा था, उन्होंने टीम के शुरुआती मुकाबलों में एक विशुद्ध बल्लेबाज के रूप में खेला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केकेआर को सूचित किया था कि आईपीएल 2026 की शुरुआत में कैमरुन ग्रीन एक बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे। सीए ने 30 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ केकेआर के पहले मैच के बाद जारी एक बयान में कहा, कैमरून को पीठ के निचले हिस्से में चोट है, जिसका इलाज चल रहा है, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ समय तक गेंदबाजी से दूर रहने की जरूरत है।

केकेआर के पास केवल एक अंक

रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीन अब प्रतिस्पर्धी माहौल में गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी विभाग में ग्रीन की कमी बहुत ज्यादा खल रही है। यह विभाग पहले से ही मथीशा पथिराना, हर्षित राणा और आकाश दीप के बिना है, जो चोटों से उबर रहे हैं, जबकि मुस्तफिजुर रहमान को टूर्नामेंट शुरू होने से काफी पहले ही बीसीसीआई के निर्देशों पर टीम से हटा दिया गया था। वरुण चक्रवर्ती की खराब फॉर्म ने केकेआर की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। नतीजतन, तीन बार की चैंपियन टीम अपने शुरुआती दोनों मैच हार चुकी है और उसके पास केवल एक अंक है, क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ उसका तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

ग्रीन ने 3 मैच में बनाए सिर्फ 24 रन

ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से 16 मैच खेले थे, जिसमें 50.22 की औसत से 452 रन बनाने के साथ उन्होंने 6 विकेट भी अपने नाम किए थे। इसके बाद आईपीएल 2024 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तरफ से 13 मैच खेले, जिसमें 255 रन बनाने के साथ 10 विकेट निकाले। आईपीएल 2026 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कैमरुन ग्रीन को अपने साथ जोड़ा। इस टीम के लिए उन्होंने अब तक तीनों ही मैच खेले हैं, लेकिन एक भी ओवर गेंदबाजी नहीं की। बल्ले से उन्होंने 8 की औसत के साथ सिर्फ 24 रन जुटाए। आईपीएल 2026 की शुरुआत को 10 से ज्यादा दिन हो गए हैं।

गुजरात की आईपीएल-19 में पहली जीत:दिल्ली को एक रन से हराया

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल - 19 में पहली जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स को रोमांचक मैच में एक रन से हराया। दिल्ली को सीजन में पहली हार मिली है। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। राशिद खान ने 3 विकेट झटके। प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए। सिराज को एक विकेट मिला। दिल्ली की ओर से केएल राहुल ने 92 रनों की पारी खेली। आखिर में डेविड मिलर ने 20 बॉल पर 41 रन बनाए। लेकिन, ये दोनों टीम को जीत नहीं दिला सके। GT के लिए कप्तान शुभमन गिल ने 45 बॉल पर 70, जोस बटलर ने 27 बॉल पर 52 और वॉशिंगटन सुंदर ने 32 बॉल पर 55 रन बनाए। दिल्ली से मुकेश कुमार ने दो विकेट झटके। लुंगी एनगिडी और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट लिया।

निशानेबाजी विश्व कप

पिस्टल मुकाबले में रिदम ने दिखाया दम, टॉप-6 में एंट्री

- 25 मीटर में सिमरनप्रीत कौर 45वें स्थान पर
- एयर पिस्टल में पुरुषों ने किया निराशा

एजेंसी ▶▶| ग्रेनाडा

मिश्रित टीम स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष निशानेबाजों ने बुधवार को आईएसएसएफ पिस्टल/राइफल विश्व कप की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में निराश किया, जहां तीनों प्रतिभागी फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहे।

महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में ओलंपियन रिदम सांगवान प्रीसीजन चरण में 292 (99, 96, 97) का स्कोर बनाकर पहले दिन के बाद छठे स्थान पर है। दिव्या टी ने भी 291 (96, 98, 97) के स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए आठवां स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा में चुनौती पेश कर रही तीसरी भारतीय खिलाड़ी सिमरनप्रीत कौर बराड़ 282 (93, 94, 95) के स्कोर के साथ 45वें स्थान पर है। प्रतियोगिता का दूसरा चरण (रैपिड चरण) गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें शीर्ष आठ निशानेबाज पदक चरण में प्रवेश करेंगे।

फाइनल में जगह बनाने से चूके नेलावल्ली

युवा मुकेश नेलावल्ली ने मंगलवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। वह 579 के स्कोर के साथ 14वें स्थान पर रहे और आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। चीन के विश्व नंबर एक हू काई भी संघर्ष करते हुए 578 के स्कोर के साथ 15वें स्थान पर रहे। मुकेश क्वालीफाइंग के शुरुआती और अंतिम चरण में 94 और 95 के दो कमजोर स्कोर के कारण पिछड़ गए। उन्होंने बीच के चारों चरणों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 98, 98, 97 और 97 के स्कोर बनाए थे। यू शी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाइंग में 588 के स्कोर से शीर्ष स्थान के साथ फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने 98, 99, 97, 98, 99 और 97 के स्कोर बनाए। काहिरा विश्व कप (2024) में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के स्वर्ण पदक विजेता उज्ज्वल मलिक 577 के कुल स्कोर (95, 96, 96, 97, 95, 98) के साथ 22वें स्थान पर रहे।

महिला हॉकी

दीपिका की टीम में वापसी सविता संभालेंगी गोलपोस्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा हो गई है। सलीमा टेटे की कप्तानी में भारतीय टीम 13 से 17 अप्रैल के बीच

- अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित
- 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में चार मैचों की सीरीज

ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम में फॉरवर्ड दीपिका की वापसी ने अटैक को नई धार दी है। अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया फिर गोलपोस्ट की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। हॉकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए, जो 24 सदस्यीय टीम चुनी है वह अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती हुई

नई प्रतिभाओं का मेल है। भारतीय मिडफील्ड को स्थिरता, सूझबूझ और नई ऊर्जा प्रदान करने वालीं सलीमा टेटे कप्तानी जारी रखेंगी। डिफेंडर ज्योति और फॉरवर्ड मुमताज खान की भी वापसी हुई है। इससे टीम का डिफेंस और अटैक दोनों मजबूत हुआ है। फॉरवर्ड दीपिका कुमारी ने चोट से उबरने के बाद वापसी की है। दीपिका भारत की मुख्य ड्रैग-फ्लिकर की भूमिका फिर से संभालेंगी।

भारतीय टीम अब और भी ज्यादा संतुलित

खासतौर पर अन्नू ने क्वालिफायर मैचों के दौरान जोरदार ड्रैग-फ्लिक करने की अपनी क्षमता से सभी को प्रभावित किया। दीपिका की वापसी से टीम को और गहराई और अनुभव मिला है। इससे अब यह टीम और भी ज्यादा संतुलित और विपक्षी टीमों के लिए खतरनाक नजर आ रही है। भारत की अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की भी टीम में वापसी हुई है। हालांकि, उनकी वापसी चौंकाने वाली है, क्योंकि सविता वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए उपलब्ध नहीं थीं। उनकी गैरमौजूदगी में बिच्छू देवी ने साबित किया कि वह इस स्तर पर खेलने की पूरी हकदार हैं। इस युवा गोलकीपर ने अपनी उम्र से कहीं ज्यादा परिपक्वता, फुर्ती और धैर्य का प्रदर्शन किया था। भारतीय महिला हॉकी टीम 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच खेलेगी। सभी मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे।

वैष्णवी ने दिलाई भारत को न्यूजीलैंड पर बढ़त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा वैष्णवी अडकर ने वापसी करते हुए बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक मुकाबले के पहले एकल मैच में आइशी दास को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराकर भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की बढ़त दिलाई। पदार्पण कर रही वैष्णवी को मंगलवार को अपने पहले मैच में शिकस्त का सामना करना पड़ा था, जिससे भारत वर्षा से प्रभावित मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार गया।

दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर वैष्णवी ने काफी सुधार दिखाया। उन्होंने सहज गलतियां कम की और बेहतर नियंत्रण के साथ शॉट खेले, जिससे न्यूजीलैंड की खिलाड़ी को

एक घंटे 30 मिनट में हराने में सफल रहीं। वैष्णवी ने कहा, 'यह बिली जीन किंग कप में मेरा पहला मैच था इसलिए मैं निश्चित रूप से बहुत नर्वस थी। मैंने अपनी घबराहट से ठीक तरीके से नहीं निपट पाई लेकिन यह मेरे लिए एक सबक था।' उन्होंने कहा, 'आज कोर्ट पर आकर मुझे उस चीज पर ध्यान देना था, जिसमें मैं सबसे अच्छी हूं। मुझे बस कोर्ट पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।' दूसरे एकल में सहजा यमलापल्ली का मुकाबला वैलेंटिना इवानोव से होगा जबकि रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की जोड़ी महिला युगल में मोनिक बैरी और एरिन रूटलिफ से भिड़ेगी।

न्यायालय तहसीलदार पुसौर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

रा.प्र.क्रं.अं.पं./बी-121/2025-26

ग्राम: बोड़ाझरिया, तहसील: पुसौर, जिला: रायगढ़

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम बोड़ाझरिया प. ह. नं. 31 को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय रायगढ़ द्वारा आवेदक विभाग अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एनटीपीसी लारा जिला रायगढ़ (छ.ग.) द्वारा सुपर थर्मल पावर परियोजना के लिए प्रस्ताव अनुसार आपसी-सहमति भूमि क्रय नीति 2016 अंतर्गत प्रभावित ग्राम बोड़ाझरिया की कुल निजी भूमि रकबा 0.340 हे. को भू-धारकों से क्रय करने बाबत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

जिसकी सुनवाई दिनांक 15/04/2026 को नियत की गई है। इस संबंध में यदि किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 15/04/26 तक पेश कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 25/03/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील-मुहर अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार
पुसौर

न्यायालय तहसीलदार पुसौर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

रा. प्र. क्रं.अं.पं./बी-121/2025-26

ग्राम: महलोई, तहसील: पुसौर, जिला: रायगढ़

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम महलोई प. ह. नं. 32 को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय रायगढ़ द्वारा आवेदक विभाग अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एनटीपीसी लारा जिला रायगढ़ (छ.ग.) सुपर थर्मल पावर परियोजना के लिए प्रस्ताव अनुसार आपसी सहमति भूमि क्रय नीति 2016 के अंतर्गत प्रभावित ग्राम महलोई की कुल निजी भूमि रकबा 0.544 हे. को भू-धारकों से क्रय करने बाबत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

जिसकी सुनवाई दिनांक 15/04/26 को नियत की गई है। इस संबंध में यदि किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 15/04/26 तक पेश कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 25/03/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के सील-मुहर अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार
पुसौर

न्यायालय तहसीलदार पुसौर, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

रा. प्र. क्रं.अं.पं./बी-121/2025-26

ग्राम: कांदागढ़, तहसील: पुसौर, जिला: रायगढ़

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम कांदागढ़ प. ह. नं.-31 को सूचित किया जाता है कि कलेक्टर महोदय रायगढ़ द्वारा आवेदक विभाग अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एनटीपीसी लारा जिला रायगढ़ (छ. ग.) द्वारा सुपर थर्मल पावर परियोजना के लिए प्रस्ताव अनुसार आपसी-सहमति भूमि क्रय नीति 2016 के अंतर्गत प्रभावित ग्राम कांदागढ़ की कुल निजी भूमि रकबा 0.074 हे. को भू-धारकों से क्रय करने बाबत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

जिसकी सुनवाई दिनांक 15/04/26 को नियत की गई है। इस संबंध में यदि किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 15/04/26 तक पेश कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 25/03/26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की सील-मुहर अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार
पुसौर

बिहार सरकार

पूर्णिया समाहरणालय, पूर्णिया
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग)
वाहनों की सार्वजनिक नीलामी हेतु अल्पकालीन सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्णिया जिला अंतर्गत मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम, 2016 (यथा संशोधित) की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत विभिन्न मद्यनिषेध थाना काण्डों में जप्त एवं अपर समाहर्त्ता-सह-जिला दण्डाधिकारी, पूर्णिया के न्यायालय द्वारा राज्यसात किए गए निम्नलिखित सारणी में अंकित वाहनों की सार्वजनिक नीलामी (Public Auction) सहायक आयुक्त मद्यनिषेध, पूर्णिया के कार्यालय परिसर में दिनांक 30.04.2026 को 11:30 बजे पूर्वाहन् से नीलामी समिति द्वारा की जाएगी। नीलामी में भाग लेने वाले व्यक्तियों को आवेदन आधार कार्ड/पैन कार्ड की स्वभिप्रमाणित छायाप्रति तथा अग्रधन की राशि का राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट जो **Excise Superintendent, Purnea के पदनाम से एवं Payable at SBI Purnea (Code no 000159) में देय होगा, के साथ सहायक आयुक्त मद्यनिशेध कार्यालय में नीलामी की निर्धारित तिथि से दो दिन पूर्व संख्या 5:00 बजे तक जमा करना होगा।**

नीलामी योग्य वाहनों की विवरणी:-

क्रम सं0	अधिहरण वाद सं0/थाना नाम/थाना काण्ड सं0	वाहन का प्रकार/ मॉडल वर्ष	वाहन का निबंधन संख्या/ईंजन संख्या/चेचिस संख्या	न्यूनतम निर्धारित मूल्य (संशोधित)	अग्रधन की राशि मूल्य का 10% (रू0 में)	वाहन स्वामी का नाम एवं पता	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
01	02/23 मद्यनिषेध थाना सदर काण्ड सं-841/23	TATA INDICA CAR 2007	CG10F-2847	24421.00 (scrap Value)	2442.00	एम के राय चौधरी सा0-सकेंड फलौर अजीत वार्ड 02 विलासपुर छत्तीसगढ़	उक्त वाहन का निबंधन नहीं किया जा सकता है।

जिला पदाधिकारी,
पूर्णिया।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

PR. No. 000380 (Excise) 2026-27

बिहार में शराब का व्यापार, बिक्री एवं सेवन अवैध है।
इससे संबंधित शिकायत इस नंबर पर दर्ज करायें, आपकी जानकारी गुप्त रखी जाएगी।
टॉल फ्री नं- 15545 या 1800 345 6268

ये है भारत का लव मैरिज कैपिटल! हर हीर को मिल जाता है रांझा, परिवार भी करता है सपोर्ट

आइजोल। भारत में आज भी ज्यादातर शादियां अरेंज्ड होती हैं और लव मैरिज को कई परिवार टैबू समझते हैं। अगर दो लोगों को आपस में प्यार है और उनकी कास्ट अलग है तो आज भी अधिकांश परिवार वाले शादी को राजी नहीं होते। भारत के कई राज्यों में तो लव मैरिज करने पर परिवार वाले जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन, देश के उत्तर-पूर्व में एक ऐसा राज्य है जहां लव मैरिज ना सिर्फ आम है, बल्कि परिवार भी इसे खुशी-खुशी सपोर्ट करता है। हम बात कर रहे हैं हम बात कर रहे हैं मिजोरम की, जहां ज्यादातर कपल लव मैरिज ही करते हैं।

सबसे आगे मिजोरम

मिजोरम में इंटर-कास्ट और लव मैरिज की दर पूरे भारत में सबसे ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर भारत में सिर्फ 5% शादियां इंटर-कास्ट होती हैं, जबकि मिजोरम में यह आंकड़ा 55% तक पहुंचता है। कई सर्वे और रिपोर्ट्स में मिजोरम को लव मैरिज के मामले में नंबर-1 बताया गया है। यहां लड़का-लड़की खुद अपना साथी चुनते हैं, परिवार विरोध की बजाय सलाह और आशीर्वाद देता है।

क्यों ज्यादा होती है लव मैरिज?

मिजोरम मुख्य रूप से ईसाई बहुल राज्य है। ईसाई संस्कृति में व्यक्तिगत पसंद को ज्यादा महत्व दिया जाता है। मिजो समाज में महिलाओं की स्थिति भी मजबूत है। हालांकि पूर्ण मातृसत्तात्मक नहीं, लेकिन महिलाओं को परिवार और समाज में अच्छा दर्जा मिलता है। लड़कियां पढ़ती हैं, नौकरी करती हैं और अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेती हैं। यहां 'हीर-रांझा' वाली कहानी सच होती दिखती है। लड़का-लड़की स्कूल, कॉलेज या काम के दौरान एक-दूसरे से प्यार करते हैं और परिवार को बताते हैं। ज्यादातर मामलों में परिवार सहमत हो जाता है। अगर कोई छोटी-मोटी आपत्ति होती है तो चर्च या परिवार के बुजुर्ग सलाह देकर मामला सुलझा देते हैं।

तलाक के मामले भी अधिक

हालांकि, एक फैक्ट ये है कि यहां डिवोर्स रेट भी अन्य राज्यों की तुलना में ज्यादा है, लेकिन इसका कारण महिलाओं की स्वतंत्रता और जागरूकता को माना जाता है। मिजोरम में महिलाएं घर की मुखिया की भूमिका निभाती हैं। वे फैसले लेने में बराबर की भागीदार होती हैं। लड़कियों की शिक्षा और स्वावलंबन पर खास ध्यान दिया जाता है। इसी वजह से लव मैरिज में लड़की की राय सबसे ज्यादा मायने रखती है। सोशल मीडिया और सर्वे रिपोर्ट्स में मिजोरम को बार-बार 'लव मैरिज कैपिटल' जैसे नामों से पुकारा जाता है।

रोचक खबरें

70 साल के शेख ने की 19 की लड़की से शादी, तोहफे में दी करोड़ों की कार

रियाद। उम्र का फर्क हो या ना हो, अमीरी और लग्जरी के आगे सब कुछ फीका पड़ जाता है। सऊदी अरब में हुए एक वेडिंग का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस शादी में दूल्हा और दुल्हन के बीच उम्र के फासले ने जितना लोगों को हैरान किया है, उतना ही वेडिंग गिफ्ट्स की लिस्ट ने भी। एक 70 साल के अमीर शेख ने 19 साल की जवान लड़की से शादी कर ली है। शादी के बाद शेख ने अपनी नई बेगम को इतने भारी-भरकम तोहफे दिए हैं कि पूरी दुनिया हैरान है। लोग इस शादी को पैसे की वजह से मुकम्मल बता रहे हैं। इसकी खूब चर्चा हो रही है। शादी के तुरंत बाद शेख ने अपनी दुल्हन को एक नई रॉल्स रॉयस लग्जरी कार गिफ्ट की। इसके अलावा उन्होंने करीब 5 किलो सोने की ईंटें भी तोहफे में दी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों और वीडियो में दुल्हन बेहद खुश नजर आ रही है। शेख और उनकी जवान बेगम साथ में खड़े नजर आए। शादी का पूरा आयोजन फिल्मी स्टाइल में हुआ। मेहमानों की भारी भीड़ थी और हर तरफ लग्जरी का माहौल था। शेख ने अपनी नई पत्नी को 'जिंदगी भर लग्जरी में रखने' का वादा किया है।

बारात में कचरा गाड़ी लेकर पहुंचा दूल्हा, देखते ही इम्प्रेस हो गई दुल्हन

बीजिंग। चीन के अनहुई प्रांत के सुईशी काउंटी में 28 मार्च को एक अनोखी शादी हुई जिसने पूरे सोशल मीडिया को हिला दिया। दूल्हा पान हाओनान ने अपनी बारात में 9 कचरा गाड़ियां (सेप्टिक टैंक ट्रक) लेकर पहुंचा। जहां आमतौर पर दूल्हे महंगी लग्जरी कारों, घोड़ों या हेलीकॉप्टर से इम्प्रेशन जमाने की कोशिश करते हैं, वहां पान हाओनान ने पूरी तरह अलग और अनोखा रास्ता चुना। सबसे हैरानी की बात यह है कि दुल्हन इस अनोखे अंदाज से इतनी इम्प्रेस हुई कि उसने शादी के बाद उसी कचरा गाड़ी में दूल्हे के साथ बैठकर विदाई ली और ससुराल के लिए रवाना हो गई। ये मजेदार शादी सोशल मीडिया के साथ ही साथ लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पान हाओनान अपने माता-पिता के साथ सीवेज और कचरा हटाने का काम करते हैं। उन्होंने फैसला किया कि अपनी शादी में भी वे उसी पेशे को सम्मान देंगे. इसलिए उन्होंने अपनी बारात में 9 सेप्टिक टैंक ट्रक शामिल किए। बारात जब दुल्हन के घर पहुंची तो पूरा इलाका देखकर हैरान रह गया। दुल्हन ने जब यह अनोखा स्टाइल देखा तो वह मुस्कुरा पड़ी और अपने पति का साथ दिया। शादी के बाद जब विदाई का समय आया तो दुल्हन ने खुद उसी कचरा गाड़ी में बैठकर ससुराल जाने का फैसला किया।

कलपक्कम प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बिजली पैदा करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में वह ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है, जिसका सपना देश के महान वैज्ञानिक डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने दशकों पहले देखा था। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने आज अपनी क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है। अगर आम भाषा में कहें तो इस रिएक्टर ने अब खुद से बिजली पैदा करने वाली परमाणु प्रक्रिया को नियंत्रित तरीके से शुरू कर दिया है। यह केवल एक मशीन की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के थ्री-स्टेज वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे सबसे महत्वपूर्ण स्टेज की बड़ी जीत है।

क्यों खास है यह फास्ट ब्रीडर टेक्नोलॉजी?

दुनिया के ज्यादातर परमाणु रिएक्टर 'थर्मल रिएक्टर' होते हैं, लेकिन भारत का यह पीएफबीआर एक 'फास्ट ब्रीडर' रिएक्टर है। यह रिएक्टर यूरेनियम-प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड ईंधन का उपयोग करता है। इसके चारों तरफ 'यूरेनियम-238' की एक परत होती है। इससे जब रिएक्टर चलता है, तो इससे निकलने वाले न्यूट्रॉन इस बेकार यूरेनियम-238 को प्लूटोनियम में बदल देते हैं, जिसे दोबारा ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस टेक्नोलॉजी से प्रदूषण और कचरे की समस्या बहुत कम हो जाती है। इसको ठंडा रखने के लिए पानी की जगह तरल सोडियम का इस्तेमाल होता है, जो इसे बहुत एडवांस बनाता है।

भारत ऊर्जा के मामले में 400 सालों तक बन सकती है आत्मनिर्भर!

थोरियम का खजाना और भारत का मास्टरप्लान

भारत के पास दुनिया के थोरियम भंडार का लगभग 25% हिस्सा है, लेकिन थोरियम सीधे तौर पर ईंधन नहीं बन सकता। थोरियम को ईंधन बनाने के लिए उसे 'फास्ट न्यूट्रॉन' से रिएक्शन कराना पड़ता है, जो केवल कलपक्कम जैसे फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ही दे सकते हैं। यह सफलता भारत को ऊर्जा के मामले में अगले 400 सालों तक आत्मनिर्भर बना सकती है। इसके बाद अब हमें किसी दूसरे देश से यूरेनियम मांगने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

क्रिटिकलिटी का क्या मतलब है?

परमाणु विज्ञान की भाषा में क्रिटिकलिटी का मतलब है कि अब रिएक्टर के अंदर न्यूक्लियर फिशन की प्रक्रिया स्थिर और नियंत्रित हो गई है। इसका मतलब अब यह रिएक्टर बिजली पैदा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह किसी भी परमाणु प्लांट के लिए सबसे अहम पड़ाव होता है।

यह रिएक्टर खास क्यों है?

कलपक्कम का यह 500 मेगावाट का रिएक्टर एक 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितना ईंधन इस्तेमाल करता है, उससे कहीं ज्यादा ईंधन पैदा करता है। इसके साथ ही जहां साधारण परमाणु रिएक्टरों में गर्मी कम करने के लिए पानी का इस्तेमाल होता है, तो वहीं इस ब्रीडर रिएक्टर में लिक्विड सोडियम का इस्तेमाल किया जाता है। सोडियम पानी की तुलना में गर्मी को बहुत तेजी से सोखता है।

दुनिया रह गई दंग भारत बना दूसरा देश!

यह रिएक्टर पूरी तरह से 'मेड इन इंडिया' है। इसे भारतीय वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने दशकों की मेहनत से तैयार किया है। इस नई उपलब्धि के बाद भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसके पास व्यावसायिक स्तर पर ऑपरेशनल फास्ट ब्रीडर रिएक्टर है। इसके पहले यह कारनामा रूस ने किया है। अमेरिका, फ्रांस और जापान जैसे विकसित देश भी अभी तक इस टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे थे, लेकिन भारत ने उनसे पहले बाजी मार ली है।

होमी जहांगीर भाभा का सपना हुआ पूरा

आपको बता दें कि भारत के परमाणु कार्यक्रम को डॉ. होमी जहांगीर भाभा ने दशकों पहले तीन स्टेज में डिवाइड किया था। इसका पहला स्टेज भारी पानी रिएक्टर बनाना था, जो अभी चल रहे हैं। इसके बाद फास्ट ब्रीडर रिएक्टर बनाना था, जिसकी शुरुआत कलपक्कम से हो गई है। अब भारत के इस प्रोग्राम का तीसरा स्टेज थोरियम आधारित रिएक्टर बनाना है, जो आने वाले समय में पूरा होगा। भारत के वैज्ञानिक इस स्टेज के लिए भी लगातार प्रयास कर रहे हैं।

सिगरेट छोड़ना अब होगा आसान? फ्रांस की नई रिसर्च ने बदली तंबाकू की परिभाषा

पेरिस। अक्सर कहा जाता है कि तंबाकू छोड़ना दुनिया के सबसे मुश्किल कामों में से एक है। कई देशों की सरकारें इसके लिए विज्ञापन दिखाती हैं, डराती हैं और टैक्स भी बढ़ा देती हैं, लेकिन सिगरेट और तंबाकू की लत है कि पीछा नहीं छोड़ती. लेकिन क्या हो अगर हम कहें कि सिगरेट के धुएं से होने वाली मौतों को कम करने का एक 'बीच का रास्ता' है? हाल ही में फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय और वहां की एजेंसी एन्सेस ने तंबाकू को लेकर अपनी बरसों पुरानी सोच बदल दी है। एक बड़ी साइंटिफिक रिपोर्ट के बाद फ्रांस अब स्मोकलेस टोबैको (जैसे हीटेड प्रोडक्ट्स) को सिगरेट के मुकाबले कम खतरनाक मान रहा है। अब सवाल यह है कि जब ब्रिटेन, जापान और फ्रांस जैसे देश अपनी पॉलिसी बदल रहे हैं, तो क्या भारत को भी

अपनी पुरानी पाबंदियों पर फिर से विचार करने की जरूरत है? क्या हार्म रिडक्शन का यह फॉर्मूला भारत में लाखों लोगों की जान बचा सकता है?

सिगरेट और स्मोकलेस में बड़ा अंतर: नई रिसर्च का सबसे बड़ा आधार यह है कि सिगरेट और स्मोकलेस तंबाकू एक जैसे नहीं हैं। सिगरेट में तंबाकू जलता है और उसी जलने से धुआं बनता है। यही धुआं शरीर के लिए सबसे ज्यादा नुकसानदायक माना जाता है।

दुनिया के बाकी देशों का क्या अनुभव है?

सिर्फ फ्रांस ही नहीं, कई और देश भी अब 'हार्म रिडक्शन' (नुकसान कम करने) की राह पर चल पड़े हैं। जहां ब्रिटेन अपने यहां 'स्वैप टू स्टॉप' प्रोग्राम चला रहा है। जिसमें सरकार खुद स्मोकलेस किट बांट रही है, जिससे लोग सिगरेट छोड़ सकें। अब तक 1.25 लाख लोग इसकी मदद ले चुके हैं। वहीं, जापान में भी सिगरेट छोड़कर इन प्रोडक्ट्स को अपनाने वाले लोगों में से सिर्फ 1% से भी कम लोग वापस सिगरेट की तरफ लौटे हैं। साउथ कोरिया की एक स्टडी कहती है कि इन पर स्विच करना 'सिगरेट छोड़ने' जितना ही फायदेमंद साबित हुआ।

क्या है फ्रांस की इस रिपोर्ट में?

फ्रांस की सरकारी एजेंसी एन्सेस ने करीब 2,500 साइंटिफिक रिसर्च की गहराई से जांच की। उसके बाद उन्होंने जो निष्कर्ष निकाले, वे सभी के लिए चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट का मानना है कि स्मोकलेस टोबैको प्रोडक्ट्स पूरी तरह सुरक्षित तो नहीं हैं, लेकिन सिगरेट के मुकाबले इनका खतरा बहुत कम है। जहां सिगरेट जलाने पर जो धुआं निकलता है, उसमें 7,000 से ज्यादा जहरीले केमिकल होते हैं। वहीं, स्मोकलेस प्रोडक्ट्स में तंबाकू जलता नहीं है, इसलिए वे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले जहर से बच जाते हैं।

कुदरत ने इस जीव को अनोखे तरीके से किया है तैयार

नई दिल्ली। दुनिया तरह-तरह के अनोखे जीवों से भरी हुई है, जिनकी बनावट और जीवन जीने के तरीके हमें हैरान कर देते हैं। इन्हीं में से एक दिलचस्प जीव है टिड्डा, जिसे हम अक्सर बरसात के मौसम में इधर-उधर कूदते हुए देख लेते हैं। देखने में साधारण सा लगने वाला यह हरे रंग का कीट अपनी शारीरिक रचना के कारण काफी खास होता है। इसकी

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसके कान सिर पर नहीं, बल्कि पेट के हिस्से में होते हैं। टिड्डे की यह अनोखी बनावट केवल दिखने भर की खासियत नहीं है, बल्कि इसके जीवन और सुरक्षा से गहराई से जुड़ी हुई है। प्रकृति ने इसे इस तरह विकसित किया है कि यह अपने आसपास के वातावरण के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढाल सके और खतरों से समय रहते बच सके।

नहीं दिखाई देते कान : दिलचस्प बात यह है कि टिड्डे के ये कान सीधे दिखाई नहीं देते। ये उसके पंखों के नीचे सुरक्षित रूप से छिपे रहते हैं।

क्यों खास है ये अंग?

दरअसल, टिड्डे के पेट के पहले खंड के दोनों ओर एक बेहद पतली झिल्ली होती है, जिसे टिम्पैनल अंग कहा जाता है। यही झिल्ली उसके सुनने का मुख्य माध्यम होती है। जब आसपास से ध्वनि तरंगें आती हैं और इन झिल्लियों से टकराती हैं, तो उनमें हल्का कंपन पैदा होता है। यही कंपन टिड्डे के शरीर में संकेत के रूप में पहुंचता है, जिससे वह आवाज को पहचान पाता है। यह प्रक्रिया इंसानों के कानों से थोड़ी अलग जरूर है, लेकिन काम लगभग वही करती हैआवाज को पकड़ना और उसे समझना. फर्क सिर्फ इतना है कि जहां इंसानों के कान सिर पर होते हैं, वहीं टिड्डे ने अपने पेट को ही सुनने का सेंटर बना लिया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com